जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 41 प्रभात कोटा, रविवार 24 नवम्बर, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

*राजस्थान के उपचुनावों में भाजपा की भारी जीत के बाद पार्टी के प्रदेश कार्यालय में उत्सव का माहौल रहा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के पार्टी कार्यालय पहुँचने पर उनका भव्य स्वागत हुआ।*

# भाजपा ने 7 में से 5 सीटें जीतीं, मुख्यमंत्री का कद बढ़ा

## मुख्यमंत्री भजनलाल ने 4 बागियों को मनाया, 14 चुनावी सभायें, 44 सामाजिक बैठकें कीं

- भाजपा के पास पूर्व में सात में से केवल एक, सलूम्बर सीट थी। सफल चुनावी मैनेजमेंट से पार्टी ने सलूम्बर के अलावा देवली-उनियारा, रामगढ़, झुंझुनू तथा खींवसर सीटों पर भी जीत हासिल की।

जयपुर, 23 नवम्बर। राजस्थान में 7 सीटों पर हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 5 सीटों पर जीत दर्ज की। दौसा में कांग्रेस और चौरासी में बाप को सफलता मिली। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने विधानसभा वार सीटों के समीकरणों पर ध्यान देते हुए टिकट वितरण से लेकर चुनावी मैनेजमेंट पर पूरा फोकस रखा। विधानसभा उपचुनाव के दौरान ,ज़मीनी, जिताऊ एवं सर्वप्रिय चेहरे को ढूँढना एक चुनौती थी, जिसे मुख्यमंत्री ने पहले ही भाँप लिया था। मुख्यमंत्री द्वारा माइक्रो मैनेजमेंट एवं संगठन समन्वय के साथ-साथ सर्वप्रिय चेहरों का चयन भाजपा के कार्यकर्ताओं में उत्साह एवं जीत का संचार कर गया।

टिकट की घोषणा के पश्चात मुख्यमंत्री के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी, खींवसर, सलूम्बर,रामगढ़ और झुंझुनू सीटों पर बागियों को मनाना। उन्होंने समय रहते बाग़ी कार्यकर्ताओं को बिना शर्त मना लिया, जिससे भाजपा जीत की ओर आगे बढ़ चली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सात विधानसभा क्षेत्रों के लिए अपने आवास एंव क्षेत्रों में विभिन्न स्तर की बैठकें आयोजित कीं और बूथ स्तर पर अच्छा माइक्रो मैनेजमेंट किया। विभिन्न पार्टी पदाधिकारियों, विधायकों, पूर्व नेताओं, सामाजिक नेताओं एवं मंत्रियों को नियुक्त किया। सामाजिक आधार पर पहचानकर महत्वपूर्ण नेताओं को काम का जिम्मा सौंपा। वे प्रदेश के ऐसे एकमात्र नेता रहे, जिन्होंने सातों विधानसभा क्षेत्र में नामांकन के समय विधानसभाओं में जाकर प्रत्याशी, कार्यकर्ता एवं चुनावी

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## "समाजवाद" और "धर्म निरपेक्षता" पर सुप्रीम कोर्ट करेगा फैसला

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्द जुड़वाए थे, उस पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को निर्णय करेगा।

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बैंच ने शुक्रवार को फैसला रिज़र्व कर लिया। जब

- ये शब्द आपातकाल में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान की प्रस्तावना में जुड़वाए थे। डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी व कुछ अन्य ने इस कार्यवाही की वैधता पर सवाल उठाए था।

सी.जे.आई. ने कहा कि "हम यह नहीं कह सकते कि आपातकाल के समय संसद ने जो कुछ किया व शून्य था।" उन्होंने कहा कि संविधान के 42वें संशोधन की इस अदालत ने कई बार समीक्षा की है और संसद ने भी इसमें हस्तक्षेप किया है।

बैंच के समक्ष कई सारी याचिकाएं हैं जिन्हें सुब्रमण्यम स्वामी व कई अन्य लोगों ने दायर किया है, इनमें दिल्ली के वकील और भाजपा नेता अश्विनी

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# राजस्थान में कांग्रेस की वही पुरानी कहानी

## एक तरफ "निर्लज्ज" महत्वाकांक्षा, दूसरे का कोई नहीं सानी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। राजस्थान में, सात उपचुनावों में कांग्रेस केवल एक सीट पर जीत पाई, और बाकी छः सीटों पर उसे हार का मुँह देखना पड़ा। दौसा में पार्टी को विजय मिली, जो वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सचिन पायलट का गढ़ है तथा जहाँ उन्होंने प्रचार किया और एक मुश्किल जीत हासिल की। उन्होंने सुनिश्चित किया कि एक साधारण कांग्रेस कार्यकर्ता की जीत हो और वो चुनकर विधानसभा में जाए।

रोचक है कि इस चुनाव में परिवारवाद के खिलाफ वोट पड़े और महारथी नेता अपने बच्चों के प्यार के कारण सफल नहीं हो पाए तथा अपने बच्चों की जीत सुनिश्चित नहीं कर पाए। किरोड़ी लाल मीणा के भाई, हनुमान बेनीवाल की पत्नी, बृजेन्द्र ओला तथा ज़ुबेर खान के बेटे, सब हार गए।

लेकिन, पार्टी के बाकी वरिष्ठ नेताओं का क्या? अशोक गहलोत चुनाव प्रचार के दौरान पूरी तरह गायब थे, लेकिन, चुनाव खत्म होते ही बाहर निकले और अपने राजनीतिक खेल शुरु कर दिए।

ए.आई.सी.सी. महासचिव रंधावा एक बार भी चुनाव प्रचार के दौरान राजस्थान नहीं आए। उनकी पत्नी पंजाब से उप चुनाव लड़ रही थीं, वो हार गईं।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, डोटासरा, जिन्होंने प्रचार अभियान की कमान संभाली, यह साबित करने के लिए कि वो पार्टी के असली नेता हैं, बुरी तरह असफल रहे और स्वयं अपने क्षेत्र को भी हार से नहीं बचा सके।

क्या अब डोटासरा हार की जिम्मेवारी लेंगे और इस्तीफा देंगे? पार्टी में किसी तरह के ठोस और सुसंगत नेतृत्व के अभाव में पार्टी के नेता, कार्यकर्ता और पदाधिकारी, सभी यह प्रश्न पूछ रहे हैं।

अंतर्कलह, योग्यता के बिना अतिमहत्वाकांक्षा, खड़ा विभाजन आदि की समस्याओं से जूझ रही पार्टी, जिसके साख खो चुके वरिष्ठ नेता वापसी की कोशिश कर रहे हैं, में सचिन पायलट ही एक ऐसे नेता नज़र आते हैं जिनमें वोट खींच लेने की क्षमता है, जबकि, पार्टी ने उनकी संपूर्ण क्षमताओं का उपयोग नहीं किया है।

छत्तीसगढ़ के प्रभारी, ए.आई.सी.सी. महासचिव के रुप में सचिन पायलट जो कर रहे हैं वो कोई भी देख समझ सकता है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- सभी बड़े नेता गहलोत, रंधावा आदि नदारद रहे उपचुनाव में, पर चुनाव खत्म होते ही "राजनीति" करने के लिए तैयार होकर प्रस्तुत हो गये।
- दूसरी ओर पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, भाजपा की, लहर में, अपनी सीट फिर जिता लाये, पर उनको श्रेय देने को एक बार फिर, पुरानी लीडरशिप तैयार नहीं।
- डोटासरा ने पुराने "स्थापित" नेताओं की अनुपस्थिति का लाभ लेकर, अपना नेतृत्व जमाने के लिए पूरी मशक्कत की, पर अन्त में "फुँके" कारतूस ही साबित हुए, और अपने क्षेत्र में भी पार्टी को जिता नहीं सके।

# महाराष्ट्र की करारी हार : प्रश्न चिन्ह लगा कांग्रेस का भाजपा का विकल्प बनने पर?

## ममता बनर्जी, जिन्होंने एक बार फिर बंगाल में छः के छः उपचुनाव जीत कर, दावा पेश किया, समय आ गया है, विपक्ष का नेतृत्व उन्हें सौंपने का

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के हाथों कांग्रेस और महा विकास अघाड़ी गठबंधन की जबरदस्त हार हुई है।

इससे माह 5 महीने पहले, कांग्रेस, शिवसेना (यू.बी.टी.) तथा एन.सी.पी. (एस.पी.) गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में 48 में से 30 सीटें जीती थीं, जनता ने नरेन्द्र मोदी की राजनीति को नकार दिया था तथा विपक्षी दलों को वोट दिये थे।

राज्य विधानसभा की 288 सीटों में से भाजपा तथा इसके गठबंधन

- उनका कहना है, केवल वो ही भाजपा का प्रसार रोकने की क्षमता रखती हैं, कांग्रेस नहीं।
- थक हार कर जयराम रमेश ने एक बार फिर, ई.वी.एम. मशीन का सहारा लिया, भाजपा की जीत व कांग्रेस की "अप्रत्याशित" हार के लिए।
- पर, इण्डिया गठबंधन के कांग्रेस के साथी भी इस बार ई.वी.एम. के नारे के पक्ष में बोलने को तैयार नहीं। आर.जे.डी. के नेता मनोज झा ने साफ कहा कि, वे ई.वी.एम. को इस हार का कारण नहीं मानते।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## कोटा में एक और कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, 23 नवम्बर (निसं)। कोचिंग सिटी कोटा में एक और कोचिंग छात्र द्वारा आत्महत्या का मामला सामने आया है। यह छात्र इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जे.ई.ई. की तैयारी कर रहा था। मूल रूप से मध्यप्रदेश का निवासी यह छात्र कोटा में राजीव गांधी नगर हॉस्टल

- इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा छात्र हॉस्टल की छठी मंजिल से कूदा।

की छठी मंजिल पर रूम लेकर अकेला ही रहता था। उसने रूम की बालकनी की जाली काटी और बालकनी से कूद कर आत्महत्या कर ली।

हॉस्टल बिल्डिंग के बाहर लहूलुहान हालत में मिले छात्र को हॉस्टल संचालक घायल अवस्था में

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# कांग्रेस कर्नाटक में तीनों उपचुनावों में जीती

## प्रदेशाध्यक्ष व उपमुख्यमंत्री शिव कुमार के लिए जीत व्यक्तिगत उपलब्धि है, क्योंकि इस जीत से डी.के. शिवकुमार की वोकालिगा पर पकड़ और मजबूत होने का संकेत है

- लक्ष्मण वैंकट कुची -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। आज महाराष्ट्र की हार से जहाँ कांग्रेस बहुत दुःखी है, वहीं कर्नाटक में उसने तीनों विधानसभा उपचुनाव बड़े आराम से जीत लिये हैं। बहुत ही प्रभावी जीत के अन्तर्गत, कांग्रेस ने भाजपा और जनता दल (सेकुलर) से एक-एक सीट छीन ली है।

कर्नाटक ने सत्ता-विरोध को नकार दिया, जो लोकसभा चुनावों में भारी पड़ा था। कांग्रेस ने अपने दोनों विपक्षी दलों को मात देते हुये, विधानसभा में अपनी संख्या 137 तक पहुँचा दी।

ओल्ड मैसूर क्षेत्र की चन्नापटना सीट के अलावा, शिग्गाँव सीट दोनों सीटों को छीनना कांग्रेस के लिये बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि उसने इस चुनाव दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के पुत्रों को हराया है।

इसके अलावा, कांग्रेस ने कल्या कर्नाटक में अपनी सन्दूर सीट को बड़ी आसानी से अपने पास बरकरार रखा है। इससे एक ऐसी पार्टी के रूप में कांग्रेस का मनोबल काफी बढ़ा है, जिस पर भाजपा लगातार हमले करती आ रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री तथा प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौडा की प्रतिष्ठा को इससे बड़ा नुकसान हुआ है, क्योंकि उन्होंने अपने पौत्र निखिल कुमारास्वामी के लिये स्वयं भी जबरदस्त प्रचार किया था। जे.डी. (एस.) के उम्मीदवार निखिल पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारास्वामी के पुत्र है तथा देवेगौडा भी इस सीट के लिये अपनी प्रतिष्ठा दाँव पर लगा दी थी। यही नहीं, एक अन्य पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदिउरप्पा ने भी निखिल के पक्ष में प्रचार किया था। इस सबके बावजूद, चन्नापटना सीट से निखिल कुमारा स्वामी कांग्रेस के सी.पी. योगेश्वर से 25000 से अधिक वोटों से हार गये।

भाजपा जे.डी. (एस.) गठबंधन के लिये एक अन्य लज्जाजनक पराजय के अन्तर्गत एक अन्य पूर्व मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई के पुत्र भरत बोम्मई चुनाव हार गये हैं। भाजपा उम्मीदवार भरत बोम्मई कांग्रेस के पठान यासिर से 13000 से अधिक वोटों से हारे हैं।

कांग्रेस के इस प्रदर्शन से यह सिद्ध होता है कि उसके द्वारा दी गई गारन्टियाँ काम कर रहीं हैं, भले ही उसके खिलाफ ऐसा माहौल बनाया जा रहा था कि सरकार मुफ्त की रेवड़ी बाँटकर, राज्य को दिवालिया बनाती जा रही है। लेकिन यह जीत कांग्रेस की गारन्टी स्कीमों का स्पष्ट समर्थन है। इन गारन्टियों में, कांग्रेस की महिला केन्द्रित योजनाएँ भी शामिल थीं, जैसे मुफ्त बस यात्रा तथा "शक्ति" एवं "गृहलक्ष्मी" योजनाओं के अन्तर्गत

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- यह जीत कांग्रेस के लिए ज्यादा मीठी इसलिए भी है, क्योंकि कांग्रेस सरकार भाजपा के भारी दवाब में थी, भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण, पर, शायद ये आरोप जनता के गले नहीं उतरे।
- प्र.मंत्री देवेगौड़ा ने अपने पौत्र व पूर्व मुख्यमंत्री कुमार स्वामी ने अपने पुत्र नीखिल के लिए जी-तोड़ मेहनत की थी। पूर्व मुख्यमंत्री येदुरप्पा भी निखिल कुमार स्वामी के पक्ष में प्रचार में जुटे थे। ऐसी परिस्थितियों में कांग्रेस के उम्मीदवार योगेश्वर की जीत वाकई में उल्लेखनीय थी।
- इसी प्रकार पूर्व मु.मंत्री बोम्मई के पुत्र व भाजपा उम्मीदवार भारत बोम्मई की हार भी भाजपा के लिए काफी पीड़ा पहुंचाने वाली थी।
- तीसरी सीट सदूर में कांग्रेस उम्मीदवार की जीत का महत्व है, कि माइनिंग माफिया प्रमुख गलि जनार्दन रेड्डी के खुले समर्थन के बावजूद भाजपा उम्मीदवार हारा।

## हाईकोर्ट ने कालवाड़ रोड से अतिक्रमण हटाने का एक्शन प्लान मांगा

जयपुर, 23 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जे.डी.ए. कमिश्नर को निर्देश दिए हैं कि वह अपने रिकॉर्ड के आधार पर कालवाड रोड और इस पर

- एक याचिका में कालवाड़ रोड पर गोल्डन बेकरी से एक्सप्रैस-वे तक 200 फिट की रोड पर कई जगह प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमण को हटाने की मांग की गई है।

किए गए अतिक्रमणों के संबंध में रिपोर्ट पेश करे। इसके साथ ही अदालत ने जे.डी.सी. को दो सौ फीट चौडी इस रोड से अतिक्रमण हटाने का एक्शन प्लान भी पेश करने को कहा है। अदालत ने

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'महाराष्ट्र में भाजपा को निर्णायक बढ़त, मुख्यमंत्री के चेहरे पर अब कोई विवाद नहीं'

## देवेन्द्र फड़नवीस के इस बयान ने शिंदे के मुख्यमंत्री बनने पर "सस्पैंस" बनाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। भाजपा नेता तथा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने शनिवार को शिवसेना नेता एकनाथ शिन्दे के मुख्यमंत्री पद पर बने रहने पर अनिश्चय एवं असमंजस की स्थिति पैदा कर दी क्योंकि उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों में भाजपा के बहुत अच्छे प्रदर्शन के बाद, "मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर कोई विवाद नहीं हैं"।

अकेली भाजपा 288 में से करीब 129 में से करीब 129 सीटों पर आगे चल रही है तथा उसने 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधान सभा में 221 सीटों के साथ सत्तारूढ़ महायुति को स्पष्ट बहुमत की स्थिति में ला दिया है, जबकि महा विकास अघाड़ी 55 सीटों तक सीमित रह गया है।

सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में इंडिया ब्लॉक झारखंड में भाजपा के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. से आगे है। इंडिया ब्लॉक 55 सीटों पर, जबकि एन.डी.ए. 30 सीटों पर आगे है। झारखंड में बहुमत के लिये 41 सीटें चाहिये। इस प्रकार महाराष्ट्र तथा झारखंड दोनों ही राज्यों में सत्तारूढ़ गठबंधन सत्ता में बने रहने की सुस्पष्ट स्थिति में हैं।

महायुति गठबंधन भाजपा, एकनाथ शिन्दे की शिव सेना, अजित पवार की एन.सी.पी., जे.एस.एस., आर.एस.वी.ए. तथा आर.वाई.एस.पी. से मिलकर बना है। एम.वी.ए. में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिव सेना (यू.बी.टी.), शरद पवार की एन.सी. पी.-एस.पी. तथा पी.डब्ल्यू. पी. आई. शामिल हैं। राज्य ने पिछले पाँच वर्षों में तीन अलग-अलग मुख्यमंत्री देखे-भाजपा के देवेन्द्र फड़नवीस, शिव सेना (यू.बी.टी.) के उद्धव ठाकरे तथा शिव सेना (एस.एच.एस.) के एकनाथ शिन्दे।

कांग्रेस की साख सिर्फ वायनाड में बच सकी यहां जीत तय थी। यहां से कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने जीत हासिल की है। यह सीट उनके भाई राहुल गांधी ने खाली की थी। प्रियंका ने यह सीट राहुल से भी ज्यादा 4.1 लाख वोटों के अंतर से जीती है। यहां उन्हें 6.1 लाख वोट मिले जो कि 2024 में राहुल गांधी को मिले वोट से अधिक है। राहुल ने यह सीट 3.65 लाख के अंतर से जीती थी। भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को महाराष्ट्र में निणयिक जीत

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- महायुति गठबंधन महाराष्ट्र की 288 में से 189 सीटों पर विजयी रहा है, इनमें से अकेले भाजपा ने 130 सीटें हासिल की हैं। राजनैतिक हलकों में चर्चा है कि इतनी सीटें जीतने के बाद भाजपा अवश्य ही मुख्यमंत्री के पद पर दावा करेगी।
- महाराष्ट्र में कांग्रेस का गठबंधन, महाविकास अघाड़ी बुरी तरह हार गया और मात्र 55 सीटों पर सिमट कर रह गया।
- झारखंड ने अवश्य कांग्रेस के इंडिया ब्लॉक को राहत दी है यहां हेमंत सोरेन की पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा व कांग्रेस का गठबंधन निर्णायक जीत के करीब है।
- वायनाड से भी कांग्रेस के लिए अच्छी खबर है, यहां प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी से भी बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। उन्हें कुल 6.1 लाख वोट मिले और वे 4.1 लाख वोटों से जीती हैं। अब संसद में भाई-बहिन एक साथ दिखेंगे।

## यूडी टैक्स : रिश्तेदार को नोटिस देकर सम्पत्ति सील करना अवैध

जयपुर, 23 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सौ वर्ग गज से कम आकार की संपत्ति के अरबन डवलपमैंट (यू.डी.) टैक्स का नोटिस रिश्तेदार के नाम देकर संपत्ति सील करने की कार्रवाई को अवैध घोषित किया है। इसके साथ ही अदालत ने सील को

- राजस्थान हाईकोर्ट ने भरतपुर नगर निगम को तुरन्त सील हटाने के निर्देश दिये।

तत्काल हटाने के आदेश दिए हैं। चीफ जस्टिस (सी.जे.) एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश सैनी स्टोन बिल्डिंग मटेरियल की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## विचार बिन्दु

नम्रता और खुदा के खौफ से इज्जत और जिन्दगी मिलती है। –सुलेमान

# सामाजिक संबंध और प्रसन्नता

सामाजिक संबंध और प्रसन्नता के बीच की कड़ी पर बहुत शोध है: खुश लोग दूसरों के साथ अधिक समय बिताते हैं, साथ ही, लोग सामाजिक रूप से जुड़े व व्यस्त लोग अधिक खुशी का अनुभव करते हैं। लेकिन, लोगों के सामाजिक संपर्क की कुल मात्रा के अलावा किस प्रकार के लोगों के साथ रिश्ते हों (परिवार के सदस्य, करीबी दोस्त, परिचित, अजनबी), और इनमें से प्रत्येक प्रकार के रिश्तों के साथ कितनी बातचीत या समय बिताया जाए? इन सब पर अभी तक कोई स्पष्ट और ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं थी। अब हुई शोध यह सिद्ध करती है कि कल्याण (खुशी, प्रसन्नता, वेल–बीइंग) के लिए गतिविधियों, अनुभवों और भावनाओं में विविधता होना उपयोगी है। लगभग 50,000 से अधिक लोगों के सामाजिक पोर्टफोलियो और कल्याण के मध्य संबंध अर्थात् सामाजिक बातचीत और खुशी का आकलन करने से पता चलता है कि संबंधों की विविधता जितने अधिक प्रकार के लोगों के साथ होगी कल्याण का स्तर उतना ही बेहतर रहता है (देखें एच.के. कॉलिंस इत्यादि प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द नेशनल अकैडमी ऑफ़ साइंसेज यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका, 119 (43) ई 2120668119, 2022)।

दिन में औसतन बातचीत का कौन सा पोर्टफोलियो सबसे अधिक मन प्रसन्न करता है? दो–चार करीबी दोस्तों के साथ बातचीत करना, या एक खास करीबी दोस्त, परिवार के एक सदस्य या सहकर्मी के साथ बातचीत करना? सामाजिक संपर्क की तलाश, संबंध, और मानवीय जुड़ाव, अपनेपन और साझा वास्तविकता की भावना का अनुभव करने की जन्मजात मानवीय आवश्यकता पर बड़ी शोध हो चुकी है। दरअसल, किसी व्यक्ति के दैनिक जीवन में सामाजिक संपर्क की मात्रा मनोवैज्ञानिक कल्याण के सबसे सुसंगत कारणों में से एक है। सामाजिक संबंध और भलाई के बीच की कड़ी अच्छी तरह से ज्ञात है: एक पक्की विशेषता यह देखी गई है कि खुश लोग दूसरों के साथ अधिक समय बिताते पाएगए हैं। सामाजिक रूप से व्यस्त और लोगों के साथ निकटता की गहराई वाले लोग भी प्राय: उच्चस्तर का आनंद और प्रसन्नता प्राप्त करते हैं।

यह समझने के लिए हुई शोध कि विभिन्न प्रकार के साथियों में से किसके साथ सबसे अधिक आनंद और प्रसन्नता मिलती है, से पता चलता है कि सामाजिक तंत्र का दायरा जिसमें विविध प्रकार के साथी होते हैं, सकारात्मक परिणाम से जुड़े होते हैं। अच्छी मित्रता मृत्यु दर के जोखिम में कमी लाती है, व्यक्तिपरक भलाई में बेहतरी होती है और बेहतर सामाजिक सीख मिलती है। लेकिन नेटवर्क का दायरा सिर्फ विभिन्न संबंध प्रकारों के अस्तित्व या अनुपस्थिति को तो समझ पाता है, परन्तु उन संबंध श्रेणियों में इंटरैक्शन की सापेक्ष आवृत्ति को नहीं समझ पाता। उदाहरण के लिए, भाई–बहन का होना एक बात है परन्तु सिर्फ होना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि भाई–बहन के साथ बातचीत और मेल–जोल की आवृत्ति भी मायने रखती है।

शोध अब यह बिलकुल स्पष्ट कर चुकी है कि किसी के सामाजिक संबंधों में विविध प्रकार के संबंध होना भलाई, प्रसन्नता और कल्याण के लिए लाभप्रद है। इसमें विभिन्न प्रकार के रिश्ते और उनके बीच परस्पर मेल–जोल क्रियाओं का समान वितरण भी शामिल है। शोध से पता चला है कि गतिविधियों, अनुभवों और भावनाओं की विविधता होने से बेहतर कल्याण, प्रसन्नता और भलाई प्राप्त होती है। और इस विविधता में भी अधिक नियमित और गहरा सामाजिक संपर्क अधिक प्रसन्नता देने वाला व कल्याणकारी होता है (जे. सन इत्यादि, जर्नल ऑफ़ पर्सनालिटी एंड सोशलसाइकोलॉजी, 119(6): 1478–1496, 2020)।

अब मूल प्रश्न यह रहता है कि कैसे लोगों के साथ मित्रता अधिक आनंददायक होती है। इस विषय पर शोध कम है किंतु आयुर्वेद की संहिताओं में बड़ा रोचक सन्देश मिलता है। सामाजिक विविधता बढ़ाने के साथ यह ध्यान रखना चाहिए कि गलत लोगों के साथ मित्रता नहीं की जाए (च.सू.7.56–57): पापवृत्तवच: सत्त्वा: सूचका: कलहप्रिया:। मर्मोपहासिनोलुब्धा: परवृद्धिद्विष: शठा:।। परापवादरतयश्च पलारिपुसेविन:। निर्घृणास्त्यक्तधर्माण: परिवर्ज्यानराधमा:।। मन, बातचीत और अपने कार्यों से गलत रास्ते में धकेलने वाले, चुगलखोर, झगड़ालू, मर्मप्रहारक उपहास करने वाले, लालची, दूसरे की उन्नति से जलने वाले, धूर्त, दूसरे की निंदा में आनंद लेने वाले, चपल, दुश्मनों का साथ देने वाले, निर्दयी, और अपने नियत कार्यों को छोड़ने वाले लोगों के साथ दोस्ती नहीं करना चाहिये। ऐसे लोग आपका जीवन बर्बाद कर सकते हैं। तब कैसे लोगों से मेलजोल बढ़ाएं? मित्रता उन्ही लोगों के साथ करें जो आपकी सामाजिक पूंजी को बढ़ाने में सक्षम हों (च.सू.7.58–59): बुद्धिविद्यावय: शीलधैर्यस्मृतिसमाधिभि:। वृद्धोपसेविनोवृद्धा: स्वभावज्ञागतव्यथा:।। सुमुखा: सर्वभूतानांप्रशान्ता: शंसितव्रता:। सेव्या: सन्मार्गवक्तार: पुण्यश्रवणदर्शना:।। बुद्धि, विद्या, आयु, शील, धैर्य, स्मरणशक्ति और समाधि (असंभव या असाध्य कार्य करने के लिये कठिनाइयों में भी धैर्य के साथ लगे रहना) में कुशल, बड़ों की सेवा करने वाले, लोगों के स्वभाव को समझने की क्षमता रखने वाले, शारीरिक एवं मानसिक व्यथा से मुक्त, प्रसन्न मुख वाले, सबको शांत करने वाले, कहना मानने वाले, सही रास्ते में चलने की सलाह देने वाले, सुनने और देखना में कल्याणकारी लोगों का साथ करना ही उचित है।

यह जान लेने के बाद कि मित्रों के प्रकार में विविधता होनी चाहिए और उस विविधता में कैसे लोग होना चाहिए और कैसे नहीं होना चाहिए, अगला मूल प्रश्न यह उठता है कि इन लोगों के साथ ऐसा क्या किया जाए या कैसा इंटरेक्शन किया जाए कि आनंद और प्रसन्नता में वृद्धि हो? इस प्रश्न का उत्तर भी आयुर्वेद में अधिक सुसंगत और प्रभावी है। मूल रूप से ऐसे लोगों के प्रति हमारे जो भी उचित कर्तव्य हैं, उनका पालन प्रसन्नता देने वाला महत्वपूर्ण कारक है (च.शा.2.41): धर्म्या: क्रिया हर्षनिमित्तमुक्ता: – कत्तर्व्यसंगत, कानूनी रूप से वैध या नियत कर्तव्यों के पालन को हर्ष का निमित्त कहा गया है। व्यक्ति के स्वयं के प्रति, परिवार के प्रति, परिवार में विभिन्न रिश्तों के प्रति और समाज और देश के प्रति कुछ कर्तव्य निर्धारित होते हैं। इन सबका यथार्थ–बोध होना, और तदनुसार आत्म–नियंत्रित रहकर भली–भांति निभाना प्रसन्नता देता है। व्यक्ति का अपने शरीर को स्वस्थ और प्राणवान रखने हेतु निहित कर्तव्यों का निर्वाह प्रसन्नता देता है। परिवार में पत्नी, पति, पिता, माता, भाई, बहन, पुत्र, पुत्री होने और कार्य में कर्मचारी–अधिकारी या स्वयं मालिक होने के कत्तर्व्य का सफल और सम्यक निर्वाह प्रसन्नता देता है। इसी प्रकार समाज के प्रति कत्तर्व्य निर्वाह में सामाजिक सद्वृत्तों का पालन प्रसन्नता देता है। कर्तव्य–विमुख व्यक्ति प्रसन्न नहीं रह सकता। विश्व की सर्वाधिक महत्वपूर्ण जर्नल्स में 1998 से 2023 के बीच प्रकाशित 88 शोधपत्र भी यही सिद्ध करते हैं कि प्रसन्नता देने वाले कारकों में दूसरों के प्रति सद्भावनापूर्ण कत्तर्व्य निर्वहन, उन्हें समय देना, उनकी मदद में धन खर्च करना और समाजोपयोगी कार्य करना जिसे शोध में प्रोसोशियालिटी शब्द द्वारा स्पष्ट किया गया है, प्रसन्नता देने वाला महत्वपूर्ण कारक है। दीर्घकालीन खुशी सिर्फ विश्व के साथ सार्थक संबंध में निहित है। यहाँ सार्थक का मतलब स्वार्थ नहीं है (उदाहरण के लिये देखें, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 17: 1–12, 2020; साइंस, 319:1687–1688, 2008; जर्नल ऑफ़ हैप्पीनेस स्टडीज, 13:347–355, 2012; करेंटडायरेक्शन्स इन साइकोलॉजिकल साइंस, 23:41–47, 2014)। इस रणनीति में बढ़िया शारीरिक–मानसिक स्वास्थ्य, लोगों का कल्याण, लचीलापन, जीवन का सार्थक उद्देश्य, जीवन में स्वास्थ्य संबंधी गुणवत्ता और सामाजिक भागीदारी जैसे कारक समाहित हो जाते हैं जिन्हें शोध में प्रसन्नता के लिये उपयोगी पाया गया है।

**जिन लोगों के साथ मेलजोल अधिक प्रसन्नता देता है, यह जान लेने के बाद अब अंत में यह समझना भी आवश्यक है कि आप उन लोगों के जीवन में बेहतरी लाने के लिए क्या कर सकते हैं ताकि प्रसन्नता पारस्परिक हो? स्वयं के लिये सुखकारी और समाज और मित्रों के लिये हितकारी जीवन जीने की साझा युक्ति ही प्रसन्नता देती है**

जिन लोगों के साथ मेलजोल अधिक प्रसन्नता देता है, यह जान लेने के बाद अब अंत में यह समझना भी आवश्यक है कि आप उन लोगों के जीवन में बेहतरी लाने के लिए क्या कर सकते हैं ताकि प्रसन्नता पारस्परिक हो? स्वयं के लिये सुखकारी और समाज और मित्रों के लिये हितकारी जीवन जीने की साझा युक्ति ही प्रसन्नता देती है (च.सू.30.24): तत्रशारीर मानसाभ्यां रोगाभ्याम नभिद्रुतस्य विशेषेण यौवनवत: समर्थानुगत बलवीर्ययश: पौरुषपराक्रम स्यज्ञानविज्ञानेन्द्रियेन्द्रियार्थ बल समुदये वर्तमानस्य परमर्द्धिरुचिर विविधोपभोगस्य समृद्धसर्वारम्भस्य यथेष्टिवचारिण: सुखमायुरुच्यते; असुखमतोविपर्ययेण; हितैषिण: पुनर्भूतानांपर स्वादुपरतस्य सत्यवादिन: शमपरस्य परीक्ष्यकारिणोऽप्रमत्तस्यत्रिवर्गं परस्परेणानुपहतमुपसेवमानस्यपूजार्ह सम्पूजकस्यज्ञानविज्ञानो पशमशीलस्य वृद्धोपसेविन: सुनियत रागरोषेर्ष्या मदमानवेगस्यसततं विविधप्रदान परस्यत पोज्ञानप्रश मनित्यस्याध्यात्मविद स्तत्परस्यलोकमिमंचामुंचावेक्षमाणस्यस्मृतिमतिमतोहितमायुरुच्यते; अहितमतोविपर्ययेण।। शारीरिक और मानसिक रोगों से पूरी तरह मुक्त, विशेष रूप से युवावस्था, हर कार्य करने का सामर्थ्य और उसके अनुरूप बल, वीर्य, यश, पराक्रम, ज्ञान, कौशल, इंद्रियों और इंद्रियों के विषयों के बल के समुदाय से युक्त, उत्तम धन–सम्पदा एवं विविध प्रकार के उपभोग में सक्षम, जो कार्य प्रारम्भ किये वे सभी कार्य पूर्ण हो गये हों और स्वयं की इच्छा अनुसार चलने–फिरने वाले व्यक्ति का जीवन सुखी जीवन होता है। इसके उलट दु:खी जीवन होता है। समकालीन शोध के अनुसार भी बढ़िया स्वास्थ्य, उत्तम शारीरिक–मानसिक सामर्थ्य, नियमित व्यायाम, प्राकृतिक स्थलों और बाग़–बगीचों में घूमना–फिरना, उत्तम मित्रों और परिवार के साथ समय बिताना, शिक्षा, कौशल, धन–संपत्ति अर्जित करना, कार्यों में सफलता तथा इच्छा अनुसार आने–जाने के लिये समय, सामर्थ्य और स्वतंत्रता बड़ी प्रसन्नता देते हैं। (देखें, प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द नेशनल अकैडमी ऑफ़ साइंसेज ऑफ़ यूएसए, 100:11176–11183, 2003; 107:22463–22468, 2010; 114:8523–8527, 2017; 116:1207–1212, 2019; 117:6463–6468, 2020)।

अपना कल्याण सुनिश्चित करते हुये, सभी प्राणियों के हितचिंतक, दूसरे का धन छीनने से बचने वाले, सत्य बोलने वाले, शांतिप्रिय, कार्यों को सोच विचार कर करने वाले, सावधान, अर्थ, धर्म, काम का सम्यक सेवन करने वाले, श्रेष्ठ व्यक्तियों का सम्मान करने वाले, ज्ञानशील, विज्ञानशील, शांतिशील, बड़े–बूढ़ों की सेवा करने वाले, राग, क्रोध, ईर्ष्या, मद, मान के वेगों पर उच्चकोटि का नियंत्रण रखने वाले, निरंतर दानशील, नित्य आत्म–नियंत्रित, ज्ञान, शांति, विनम्रता, आध्यात्म के जानकार और प्रयोग में लेने वाले, लोक–परलोक का विचार करने वाले, स्मरण–शक्ति और बुद्धि से युक्त व्यक्ति की आयु हितायु कही जाती है। समकालीन शोध में प्रोसोशियालिटी के विविध आयाम यही हैं। सुखायु स्वयं के लिये है और हितायु समाज के लिये है। शोध में भी यही स्थिति स्पष्ट होती है (उदाहरण के लिये देखें, एनुअलरिव्यू ऑफ़ पब्लिक हेल्थ, 40:339–359, 2019)।

उत्तम मित्रों का साथ ठीक है लेकिन आयुर्वेद यह भी चेतावनी देता है कि अकेले खुश मत होइये, हितायु का ध्यान रखते हुये प्रसन्नता साझा कीजिये (च.सू.8.26) नैक: सुखी। अकेले सुखी न हों, सुख को समाज के साथ बांटिये। दीर्घकालिक अध्ययन स्पष्ट करते हैं कि हमारी खुशी उन सबकी खुशी पर निर्भर करती है जिनके साथ हम जुड़े हुये हैं (देखें, ब्रिटिश मेडिकल जर्नल, 338:23–26, 2009)।

निष्कर्ष रूप में, लोगों का समय कीमती और सीमित है, जिससे उनके जीवन में अधिक सामाजिक संपर्क जोड़ना मुश्किल हो जाता है। शोध के निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि एक विविध सामाजिक पोर्टफोलियो रहने से किसी का बहुत अधिक समय न लेते हुए भी भलाई में सुधार करने का एक प्रभावी तरीका मिलता है। विभिन्न प्रकार के लोगों के साथ मेल–जोल बनाकर, व्यक्ति अपने समय का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करते हुए भी सामाजिक समर्थन का लाभ उठा सकते हैं। ऐसा करने के लिए हमें अपने नियत कर्तव्यों का पालन और अपने जीवन को समर्थ और लोगों के लिए कल्याणकारी बनाना भी आवश्यक है।

**–अतिथि सम्पादक,**
**डॉ. दीप नारायण पाण्डेय**
**(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)**
**(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)**

# स्वच्छ भारत मिशन अभियान बन रहा है देश के नागरिकों का अभिमान



के.के. गुप्ता

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने आजादी के आंदोलन के साथ सामाजिक कुरीतियों एवं रूढ़ियों के अन्मूलन के अलावा सबसे अधिक जोर स्वच्छता पर ही दिया था। आजादी के 75 वर्षों के बाद राष्ट्रिपता के इस सपने को सही अर्थों में साकार करने के लिए सच्चे अर्थों में प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने ही पहल की तथा 15 अगस्त 2014 को नई दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला से देश में स्वच्छ भारत मिशन लागू करने की घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि स्वच्छता आजादी से भी बड़ी लड़ाई हैं। विकसित भारत, समृद्ध भारत और सुदृढ़ भारत की संकल्पना स्वच्छता से ही संभव हैं। स्वच्छता एक सेवा है। जब हम सब मिलकर इस दिशा में एकजुट होकर काम करेंगे तो हम एक स्वच्छ और सशक्त भारत का निर्माण कर पायेंगे तथा हमारी जीवन यात्रा सफल होगी। उनकी इस अपील का यह करिश्मा हुआ कि पूरे देश में यह मिशन एक जन आन्दोलन बन गया।

देश के विभिन्न शहरों में स्वच्छता की होड़ सी लग गई। इस प्रतिस्पर्धा में शहरों की तस्वीर बदलने लगी और देखते ही देखते ये नगर न केवल सुन्दरता से निखर गये हैं वरन पूरे देश के लिए आदर्श मॉडल भी बन गये। मध्य प्रदेश का इन्दौर शहर और आदिवासी बहुल दक्षिणी राजस्थान के डूँगरपुर जैसे छोटे से नगर का उदाहरण आज सबके सामने हैं। इन दोनों ऐतिहासिक नगरों ने पूरे देश के सामने ऐसी नजीर पेश की कि इनकी ख्याति देश की सीमाओं के बाहर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी बुलन्दियों को छूने में सफल रही।

भारत में स्वच्छ भारत मिशन को आज दस साल हो गये हैं और इस एक दशक में स्वच्छता प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के सपनों का ताज बन गई है। यह आन्दोलन दुनिया का सबसे बड़ा और क्रांतिकारी कदम साबित हो रहा हैं जिसमें देश का हर नागरिक जागरूक होकर प्रधानमन्त्री के विजन के प्रति नतमस्तक है। स्वच्छता आंदोलन से जन मानसिकता में व्यापक और क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। स्वच्छ भारत मिशन महिला सशक्तिकरण के साथ ही उनकी आत्म निर्भरता और आजीविका सृजन का शक्तिशाली साधन बन रहा है।

**डूंगरपुर बना स्वच्छता का मॉडल :–**भारत में स्वच्छ भारत मिशन की एक दशक की उपलब्धियाँ अपने आपमें न केवल बेजोड़ हैं वरन् उसकी गौरव गाथायें मिशन की उपलब्धियों को रेखांकित करने वाली है। मुझे भी दक्षिणी राजस्थान के महाराणा प्रताप के वंश मेवाड़ वागड़ अंचल से जुड़े 766 वर्ष पुराने ऐतिहासिक नगर डूँगरपुर की नगर परिषद का सभापति बनने का अवसर उस वक्त मिला जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में स्वच्छ भारत मिशन की अलख जगाई थी। प्रधानमंत्रीजी की प्रेरणा और राज्य सरकार एवं अपनी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के सहयोग से मैंने हिल सिटी डूँगरपुर के नागरिकों, अपने पार्षद साथियों और नगर परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से डूँगरपुर नगर की ऐसी काया पलट दी कि इस छोटे से नगर की ख़ूबसूरती की चर्चा देश ही नहीं सात समुन्दर पार विदेशों में भी होने लगी तथा प्रदेश राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर डूँगरपुर को कई अवॉर्ड्स तथा पुरस्कारों से नवाजा गया।

स्वच्छता के क्षेत्र में बेजोड़ काम कर डूंगरपुर ने जो पहचान बनाई उसकी स्वयं प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने आदिवासियों के कुम्भ और प्रयाग राज माने जाने वाले त्रिवेणी संगम पर स्थित बेणेश्वर धाम, डूंगरपुर पर 26 नवम्बर 2018 को आयोजित एक सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं एक बात गर्व से कहना चाहूंगा, देश में जो स्वच्छता अभियान चला है, उस स्वच्छता अभियान में डूंगरपुर ने कमाल कर दिखाया है, डूंगरपुर आज देश में स्वच्छता की मिसाल बन गया है। देश कैसा होता है, उसका नमूना पैदा करने की ताकत आज डूंगरपुर के लोगों में है। इसी प्रकार केन्द्रीय गृह मत्री अमित भाई शाह, राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण, दिल्ली द्वारा गठित राजस्थान राज्य स्तरीय समिति के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व न्यायाधिपति राजस्थान उच्च न्यायालय दीपक माहेश्वरी, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधिपति जे.बी. पारड़ीवाला, राजस्थान हाई कोर्ट की जयपुर पीठ के न्यायाधिपति पंकज भण्डारी, राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधिपति के. एस. अहलूवालिया, राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधिपति विजय व्यास, रामचन्द सिंह झाला पूर्व न्यायाधिपति राजस्थान उच्च न्यायालय आदि ने स्वच्छता मॉडल को सराहनीय बताया और प्रसंसा की है।

मुझे डूंगरपुर नगर परिषद के सभापति पद का दायित्व वर्ष 2015 से 2020 तक निर्वहन करने का अवसर प्राप्त हुआ। इन 5 वर्षों के छोटे से कार्यकाल के दौरान नगर परिषद डूंगरपुर ने स्वच्छता के क्षेत्र सहित कई नवाचार अपनाकर देश दुनिया में अपना नाम रोशन किया। नगर निकाय डूंगरपुर ने भारत सरकार द्वारा आयोजित निकायों के राष्ट्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार 3 वर्ष तक अपनी श्रेणी में अव्वल स्थान प्राप्त किया। नगर परिषद डूंगरपुर को एक बार राष्ट्रपति के कर कमलों द्वारा पुरस्कार प्राप्त हुआ। साथ ही भारत सरकार और राजस्थान सरकार द्वारा भी स्वच्छता, खुले में शौच मुक्त तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेकों पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं। सभापति पद पर मैरी कार्यशैली से प्रभावित होकर तत्कालीन वसुंधरा राजे सरकार द्वारा राजस्थान राज्य का स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया। वर्ष 2019 में निवर्तमान गहलोत सरकार द्वारा भी मुझे प्रदेश स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के पद पर पुन: नियुक्ति देते हुए फिर से प्रदेश भर के निकायों को स्वच्छ बनाने का दायित्व सौंपा गया।

वर्ष 2022 में स्थाई एवं अनवरत लोक अदालत जिला एवं सत्र न्यायालय द्वारा मुझे न्याय मित्र के पद पर नियुक्ति देते हुए मुझे शेखावटी क्षेत्र के झुंझुनू जिले में स्थित नगर परिषद झुंझुनू तथा नगर पालिका मंडावा और नवलगढ़ में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, ट्राफिक से निजात, आवारा पशु रोकथाम सहित इस क्षेत्र में पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण स्थान रखने वाली पुरानी हवेलियों के सौंदर्यकरण और जीर्णोद्धार कराने का दायित्व सौंपा गया। इसी प्रकार वर्तमान में मुझे भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (एनएसएससी) के गैर सरकारी सदस्य और राजस्थान सरकार समन्वयक और भाजपा का स्वच्छ भारत मिशन का प्रदेश संयोजक बनाया गया है। डूंगरपुर निकाय को जल संचय के इन बेहतरीन कार्यों के लिए तत्कालीन केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में दिल्ली में आयोजित एक समारोह में प्रतिष्ठित वाटर हीरोज का सम्मान से सम्मानित किया गया। अमेरिका के बिल गेट्स एंड मिलिंडा संस्था ने देश की चुनिंदा निकायों में डूंगरपुर का चयन किया। डूंगरपुर के जल संचय अभियान के बेहतरीन कार्य से दिल्ली सरकार भी डूंगरपुर मॉडल की मुरीद हो गई और इससे प्रेरित होकर तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने जल मंत्री को डूंगरपुर के वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का अवलोकन के लिए भेजा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पनाओं के अनुरूप स्वच्छ भारत होने पर हमारे देश के पर्यटन में कई गुणा वृद्धि होगी और इससे देश प्रदेश की राजस्व आमदनी भी बढ़ेगी। इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए मैंने सुझाव दिया है कि स्वच्छता का पालन नहीं करने वालों के विरुद्ध अर्थ दंड लगाने तथा पर्यटन सेस लागू करने के लिए केन्द्र सरकार को एक क़ानून बनाना चाहिए।

इसके साथ ही स्वच्छता के झूठे आंकड़े देकर दिखाने वालों के विरुद्ध उचित कार्यवाही की आवश्यकता है अन्यथा स्वच्छता कागजों एवं फोटो खिंचवाने तक ही सीमित रह जाएगी तथा प्रधानमंत्री एवं राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री का सपना सिर्फ सपना ही बनकर रह जाएगा। प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से आज भारत में स्वच्छ भारत मिशन अभियान देश के नागरिकों का अभिमान बन रहा है। इस अभिमान को बनाये रखने की ज़िम्मेदारी देश के हर नागरिक की है । यदि हम सभी मिल कर इस आंदोलन की गति को थमने नहीं देंगें तो वह दिन दूर नहीं जब विदेशों की स्वच्छता की दुहाई देने वाले भारत की स्वच्छता का उदाहरण सबसे पहले देने से नहीं चूकेंगे।

**–के. के. गुप्ता**
**भाजपा के स्वच्छ भारत मिशन के राजस्थान संयोजक और झुंझुनूं, नवलगढ़ और मण्डवा (स्थाई एवं अनवरत लोक अदालत, झुंझुनूं) के न्याय मित्र हैं।**

# आकाश में मंडराते मौत के बादल



डॉ. रामावतार शर्मा

एलोपैथिक चिकित्सा के क्षेत्र में लांसेट विश्व की सर्व प्रतिष्ठित पत्रिका है। हर चिकित्सक द्वारा इस पत्रिका में प्रकाशित प्रत्येक लेख को तथ्यात्मक सत्य माना जाता है। हाल ही में इस पत्रिका में एक लेख छपा है जिसके अनुसार भारत में हर वर्ष 17 लाख लोग प्रदूषण के कारण समय पूर्व मर जाते हैं। देश की राजधानी नई दिल्ली और उसके आस पास के इलाकों में इन मृतकों की संख्या सर्वाधिक है। इसके अलावा भारत और पाकिस्तान के पंजाब में लाखों बच्चों का स्वास्थ्य भी यहां के वायु प्रदूषण के कारण गंभीर रूप से प्रभावित होता है, कितने ही बच्चे अपना जीवन काल पूरा नहीं कर पाते और असंख्य बच्चे जीवन भर निम्न स्तरीय स्वास्थ्य की स्थिति में रहते हैं। यह देश है वीर जवानों का गीत गाने वाले क्षेत्रों में सांस के लिए इन्हेलर इस्तेमाल करते युवकों के समूह नजर आने लगे हैं। ताजा वायु के अभाव में इन इलाकों के लोगों का व्यवहार बदल रहा है, लोग आक्रामक, गुस्सैल और झगड़ालू हो रहे हैं तथा उनका बौद्धिक एवं रचनात्मक विकास बाधित हो रहा है। परिवर्तित होते स्वभाव के साक्षी होने के बाद भी सब लोग असहाय तथा मैनू की लेना वाले विचार से ग्रसित नजर आ रहे हैं।

2014 में प्रधानमंत्री बनने से पहले नरेंद्र मोदी और दिल्ली तथा पंजाब की सत्ता पर अधिकार जमाने से पहले दिल्ली के निवर्तमान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दोनों ही दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के प्रदूषण नियंत्रण तथा पराली को खाद में बदलने के चमत्कारी वैज्ञानिक शोध लागू करने की बातें किया करते थे परंतु सत्ता प्राप्ति के बाद दोनों महानुभावों की चुप्पी और निष्क्रियता एक निराशा का भाव पैदा करती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत की राजधानी दिल्ली और पाकिस्तान की सांस्कृतिक राजधानी लाहौर विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहर हैं जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरे के स्तर को तकरीबन हर समय पार किए रहता है परंतु सर्दी के दिनों में तो यह चिंता के एक बड़े स्तर को छूने लगता है। रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण और दक्षिणपूर्व एशिया के कई अन्य शहर भी इस खतरे के शिकार हो रहे हैं जिनमें वियतनाम का हनोई, थाईलैंड का बैंकॉक आदि शहर भी वाहनों के धुएं, कोयले के बिजली प्लांट्स, घास फूस और कटी फसल जलने, डीजल जनरेटर तथा औद्योगिक इकाइयों आदि के प्रभावों से प्रदूषित हो रहे है और हजारों समय पूर्व मौतों के कारण बन रहे हैं।

घने स्लेटी रंग के बादल जैसी धुंध और आंखों और नाक में चुभती हवा इन शहरों की सर्दी में ठंड की वजह से दूषित कणों को ऊपर आकाश में नहीं बिखरने देती जिसके फलस्वरूप ये कण लोगों के सांस में शामिल होने लगते हैं। 'सफर' भारत की मुख्य पर्यावरण निगरानी संस्था है। 'सफर' के अनुसार वायु प्रदूषण के फलस्वरूप लोगों के फेफड़ों में असंख्य कण जमा हो जाते है जो एलर्जी, अस्थमा, फाइब्रोसिस आदि रोग पैदा कर सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दिल्ली और लाहौर की हवा में दूषित कण सामान्य की तुलना में 50 गुना अधिक हैं जो एक अत्यंत गंभीर समस्या है।

इसका प्रमाण पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में हाल ही में घोषित किया स्वास्थ्य आपातकाल है। लाहौर सहित कई अन्य शहर और कस्बों में प्रशासन 3 दिन का कोरोना जैसा लॉक डाउन लगाने की सोच रहा है क्योंकि पिछले चंद दिनों में वहां 40 हजार रोगी फेफड़ों के रोगों की वजह से अस्पतालों में भर्ती हुए है तथा उन इलाकों की 600 मस्जिदों में बारिश के लिए विशेष नमाज पढ़ी जा रही है ताकि बारिश के प्रभाव से वायु प्रदूषण कम हो सके। लोग भूल जाते हैं कि मानव निर्मित सांसारिक समस्या का समाधान मानव को ही खोजना पड़ेगा। यहां ईश्वरीय शक्तियों को पुकारने से कुछ नहीं होने वाला है। विज्ञान के पास समाधान है और आज का सामान्य नागरिक भी जानता है कि प्रदूषण क्यों हो रहा है और वह स्वयं उसके लिए कितना जिम्मेदार है परंतु कोई बड़ा प्रशासनिक या व्यक्तिगत प्रयास नजर नहीं आ रहा है।

नवंबर से जनवरी तक चिंता जताई जाती है, घबराहट होती है, वादे किए जाते हैं और फरवरी आते ही वही ढाक के तीन पात। दूसरी तरफ लोगों लोग समय पूर्व मरते रहेंगे और उनकी मृत आत्माओं की शांति की कामना सामाजिक मीडिया पर डिजिटल हाथ जोड़ कर डिजिटल पुष्प समर्पित करते हुए की जाती रहेगी।

**–डॉ. रामावतार शर्मा,**
**(चिकित्सक एवं लेखक)**

# भारत विकास परिषद की प्रेरणा से देहदान किया

**मांगीलाल कलवार का पार्थिव शरीर अशोक मेवाड़ा के नेतृत्व में जेएलएन मेडिकल कॉलेज, अजमेर के शरीर विज्ञान विभाग को सौंपा गया**

**ब्यावर,** (निसं)। भारत विकास परिषद, मुख्य शाखा, ब्यावर की प्रेरणा एवं परिषद सदस्य अशोक मेवाड़ा के प्रयास से मांगीलाल कलवार पुत्र स्व. छोगालाल कलवार का मृत्युपरांत देहदान करवाया गया। मांगीलाल कलवार का पार्थिव शरीर अशोक मेवाड़ा के नेतृत्व में जेएलएन मेडिकल कॉलेज, अजमेर के शरीर विज्ञान विभाग को सौंपा गया, जिसका उपयोग मेडिकल कॉलेज के छात्रों की शिक्षा के लिये व अनुसंधान में होगा।

भारत विकास परिषद द्वारा इससे पूर्व भी कई परिषद सदस्यों एवं देहदानियों से स्वैच्छिक देहदान संकल्प पत्र भी भरवाकर इस पुनीत कार्य में भागीदारिता निभाई है और भविष्य में भी इस प्रकार का सेवा कार्य हेतु जन साधारण को प्रेरित करती रहेगी। इस पुनीत कार्य के लिए कलवार परिवार का भारत विकास परिषद पदाधिकारियों द्वारा आभार व्यक्त किया गया। बेटे अशोक कलवार ने बताया कि उनके पिता एडवोकेट थे, जिनके तीन बेटे और दो लड़कियां हैं। दो साल पहले पिता ने मकर संक्रांति पर अपनी बॉडी दान करने की घोषणा की थी। उनकी आखिरी इच्छा पूरी करते हुए मेडिकल कॉलेज को यह बॉडी डोनेट की गई है। पिता की इच्छा थी कि उनके मरने के बाद भी उनकी बॉडी काम में आ सके। अब पिता की बॉडी पर मेडिकल स्टूडेंट अपनी पढ़ाई कर सकेंगे।

जेएलएन मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल अनिल सामरिया ने बताया कि कलवार परिवार ने बॉडी डोनेट की है। मेडिकल स्टूडेंट और शिक्षा जगत में बॉडी बहुत कम आती है। देहदान से चिकित्सा जगत में नए आयाम स्थापित होंगे। इसके साथ स्टूडेंट्स को ऑर्गन्स के बारे में पता चल पाएगा। ऐसे स्टूडेंट्स का उज्जवल भविष्य होगा।

## राशिफल रविवार 24 नवम्बर, 2024



पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 10:16 तक, वैधृति योग दिन 12:17 तक, तैतिल करण प्रात: 9:09 तक, चन्द्रमा सोमवार प्रात: 5:02 से कन्या राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य–वृश्चिक, चन्द्रमा–सिंह, मंगल–कर्क, बुध–वृश्चिक, गुरू–वृष, शुक्र–धनु, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 10:16 से सूर्योदय तक है। आज वैधृति पुण्य है।

**सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया:** चर 8:16 से 9:35 तक, लाभ–अमृत 9:35 से 12:13 तक, शुभ 1:32 से 2:51 तक।

**राहूकाल:** 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:57, सूर्यास्त 5:29



**मेष**
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुपिधा बनी रहेगी। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। परिवार में टालना ठीक रहेगा।



**सिंह**
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



**धनु**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आवश्यक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।



**वृष**
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आवश्यक कार्यों व्यस्तता बनी रहेगी।



**कन्या**
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।



**मकर**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों के लिए दिन शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।



**मिथुन**
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये–पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।



**तुला**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में प्रगति होगी। कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।



**कुंभ**
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।



**कर्क**
स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों में संयम रखना ठीक रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।



**वृश्चिक**
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



**मीन**
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

# भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर जनमत की मोहर लगी : ऊर्जा मंत्री नागर

## डबल इंजन सरकार को राजस्थान की जनता ने भरपूर आशीर्वाद प्रदान किया : जिलाध्यक्ष जैन

**कोटा,** (निसं)। भाजपा शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन के नेतृत्व में राजस्थान में भाजपा की सीटों में हुई वृद्धि और शानदार विजय पर जश्न मनाया गया। इस दौरान भव्य आतिशबाजी एवं मिठाई वितरण किया गया। ज्ञातव्य रहे कि राजस्थान में 5 विधायकों के सांसद बनने और 2 विधायकों के निधन के कारण 7 विधानसभा क्षेत्रों में हुए उपचुनावों में जहां भाजपा को बढ़त मिली है वहीं महाराष्ट्र में भाजपा की सरकार अत्याधिक बहुमत से पुन: बनने जा रही हैं।

इस अवसर पर कोटा शहर जिला भाजपा ने जी.एम.ए.प्लाजा में जिलाध्यक्ष राकेश जैन के नेतृत्व में आतिशबाजी कर मिठाई बांटी एक-दूसरे को बधाई दी एवं मुंह मीठा करवाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विशिष्ट अतिथि विधायक कल्पनादेवी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने की। मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की लोककल्याणकारी नीतियों को यह भारी जनसमर्थन है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ मीडिया में बने रहने के लिए बयानबाजी तक ही सीमित रहती है जबकि भाजपा जनता से जुड़े विषयों पर जमीनी स्तर पर जाकर काम करती है।

विधायक लाडपुरा कल्पना देवी ने कहा कि यह भाजपा विचारधारा और उन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार के खरे उतरने का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सकारात्म परिणाम जनसेवा के लिए नई ऊर्जा भरते हैं। हम जनसेवा की प्राथमिकता के प्रति संकल्पित हैं। भाजपा शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन नें कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन और भारतीय जनता पार्टी की शानदार विजय से पूरे देश में भाजपा कार्यकर्ताओं को गौरवान्वित और उत्साहित किया हैं।

कोटा में भाजपा के द्वारा चुनाव में जीत का जश्न मनाया गया।

यह प्रदर्शन भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रप्रथम के संकल्प और लोक कल्याणकारी नीतियों एव विकसित भारत के लक्ष्य को व्यापक जन समर्थन है। जैन ने कहा कि राजस्थान में भी भारतीय जनता पार्टी ने श्रेष्ठतम प्रदर्शन किया है अपनी संख्या बल को बढ़ाया है, जो कि भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों को जन समर्थन है। जैन ने कहा कि राजस्थान की सीटो के उपचुनाव पूर्व में भारतीय जनता पार्टी की सिर्फ एक सीट थी जबकि कांग्रेस की चार सीटें थी।

भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सीटों को बढ़ाया है और कांग्रेस ने अपनी सीटों को गंवाया है। जो इस बात का प्रमाण है कि भारतीय जनता पार्टी के प्रति लोगों में जन समर्थन और विश्वास बड़ा हैं। जैन ने कहा कि चुनाव परिणामों से पार्टी को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया हैं, कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह

**■ यह भाजपा की कल्याणकारी नीतियों की विजय है : विधायक कल्पना देवी**

प्रवाहित हुआ है। इससे हम दोगुनी ताकत से जनता की सेवा करेंगे।

भाजपा मीडिया संपर्क प्रदेश विभाग सह संयोजक अरविंद सिसोदिया बताया कि बैठक में मुख्यरूप से गुर्जर गोड़ महासभा प्रदेशाध्यक्ष विशाल शर्मा, प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी मयंक सेठी, सक्रिय सदस्यता अभियान जिला संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष रितेश चित्तौड़ा, सदस्यता अभियान जिला संयोजक इंद्रमल जैन, जिला महामंत्री चन्द्रशेखर नरवाल, जिला उपाध्यक्ष देबू राही, जिला मंत्री जयदेव सुखेजा, जिला मंत्री रेखा खेलवाल, सदस्यता अभियान के सह संयोजक शेलेन्द्र ऋषि, महावीर नायक (बिल्लू), सत्यनारायण शर्मा स्टेशन, मण्डल अध्यक्ष अनिल शर्मा, दिनेश शर्मा गुड्डू, धर्मेंद्र सिंह हाड़ा, रविन्द्र सिंह हाड़ा, पंकज वातस्य, महिला मोर्चा जिला महामंत्री पूनम जैन, युवा मोर्चा महामंत्री नरेन्द्र मेधवाल, पूर्व जिला मंत्री अशोक जैन, रोहित चंदेल, प्रदीप राठोर, मोनी शारदा, अंजनी राजपूत, ओमप्रकाश साहू, कृष्ण मुरारी सामरिया, प्रियंका गोत्तम, ऋतू सक्सेना सहित आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

# डकैती के मामले में फरार आरोपी सुकेत से गिरफ्तार

**कोटा,** (निसं)। नयापुरा इलाके मे लगभग डेढ़ माह पुराने डकैती के मामले में पुलिस टीम ने कार्रवाही करते हुए लम्बे समय से फरार चल रहे आरोपी को सुकेत से गिरफ्तार किया।

शहर एसपी ने बताया कि नयापुरा इलाके मे लगभग डेढ़ महीने पूर्व एक सुपारी व्यापारी की आंखो में मिर्ची पाउडर डालकर डकैती के मामले में फरार चल रहे आरोपी अशफाक की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उपअधीक्षक गंगासहाय शर्मा के सुपरविजन में नयापुरा थानाधिकारी लक्ष्मीचंद के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया।

पुलिस टीम ने कार्रवाही करते हुए सुपारी व्यापारी की आंखो में मिर्ची डालकर की गई डकैती के मामले मे फरार चल रहे आरोपी अशफाक हुसैन को कोटा ग्रामीण के सुकेत से बापर्दा गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

**■ आंखों में मिर्ची डालकर वारदात को अंजाम दिया था**

पुलिस ने लम्बे समय से फरार चल रहे आरोपी पर तीन हजार रूपये का इनाम भी घोषित किया था। मामले में पुलिस ने सात आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था।

**यह था मामला:**-शहर पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि सात अक्टुबर को रिद्धि-सिद्धि नगर कुन्हाड़ी निवासी राकेश जैन ने नयापुरा थाने मे रिपोर्ट दर्ज कराई की पुरानी सब्जीमंडी लिंक रोड़ पर जैन सुपारी स्टोर के नाम से दुकान है।

रिपोर्ट में कहा कि रात्रि 9 बजकर 15 मिनट पर अपनी दुकान बंद करके स्कूटी से जाते समय अग्रसेन सर्किल रोड़ पर तालाब की पाल के समीप दो बाईक पर चार-पांच लोग आये, और स्कूटी के आगे बाईक को लगाकर रोका और आंखों मे मिर्ची पाउडर डालकर बैग छीनकर ले गये। बैग मे 50 हजार नकद, चांदी के सिक्के थे। पुलिस ने फरियादी राकेश जैन की रिपोर्ट पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करते हुऐं आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

पूर्व में पकड़े गये आरोपी-शहर एसपी ने बताया कि सुपारी व्यापारी राकेश जैन से डकैती के मामले में पूर्व में सुनील कुमार उर्फ बंटी, अलाउद्दीन उर्फ अली, अंकुश कुमार, अंकित कुमार, अजाउद्दीन उर्फ खाजू उर्फ इरफान, अरबाज हुसैन और गोलू लुहार को गिरफ्तार किया जा चुका है।

डकैती के मामले में फरार आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार किया।

# जेईई-मेन 2025 : 16 लाख से अधिक आवेदन हो सकते हैं

**कोटा,** (निसं)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से आयोजित की जा रही देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन 2025 में अब तक के सर्वाधिक करीब 16 लाख से अधिक विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन करवाने की उम्मीद है। हाल ही में जेईई-मेन जनवरी सेशन की आवेदन प्रक्रिया 22 नवम्बर को समाप्त हुई है। इसमें 13.95 लाख विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। परीक्षा 22 से 31 जनवरी के प्रत्येक दिन दो पारियों में संपन्न होगी।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित

**■ जनवरी सेशन के लिए 13.95 लाख रजिस्ट्रेशन हुए**

आहूजा ने बताया कि गत वर्ष पहले सेशन के लिए 12 लाख 21 हजार 764 ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। इस वर्ष 22 नवम्बर को रात 9 बजे तक करीब 13 लाख 95 हजार विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। जनवरी में होने वाली इस परीक्षा के बाद अप्रैल जेईई-मेन के लिए पुन: आवेदन होंगे। हर वर्ष का ट्रेंड देखें तो करीब 2 से 2.50 लाख स्टूडेंट्स ऐसे होते हैं जो कि यूनीक कैंडिडेट के रूप में अप्रैल परीक्षा के लिए आवेदन करते हैं।

यदि इस वर्ष भी इतने ही स्टूडेंट्स आवेदन करते हैं तो इस वर्ष जेईई-मेन के लिए रजिस्ट्रेशन करवाने वाले विद्यार्थियों की संख्या करीब 16 लाख हो सकती है, जो कि अब तक की सबसे अधिक होगी। आवेदन में हुई गलतियों के लिए करेक्शन का विकल्प 26 एवं 27 नवम्बर को दिया जाएगा।

इसमें स्टूडेंट्स आवेदन में भरी हुई सभी जानकारियों में बदलाव कर सकेंगे। करेक्शन के दौरान स्टूडेंट्स मोबाइल नम्बर, ईमेल आईडी, वर्तमान और स्थाई पता, इमरजेंसी कॉन्टेक्ट डिटेल्स और फोटोग्राफ में करेक्शन नहीं कर सकेंगे।

इसके अलावा अपने नाम, पिता के नाम, माता का नाम, कक्षा 10, 12, पेन कार्ड की डिटेल्स, एग्जामिनेशन सिटी, परीक्षा का माध्यम, जन्म दिनांक, जेंडर, कैटैगिरी, सब कैटेगिरी, हस्ताक्षर और प्रश्नपत्र के विषय में बदलाव कर सकते हैं। करेक्शन करने का मौका एक बार दिया जाएगा, यदि करेक्शन करके फ्रीज कर दिया जाता है तो उसमें समय रहने के बावजूद दुबारा करेक्शन नहीं किए जा सकेंगे। स्टूडेंट्स करेक्शन के बाद अपन नया कन्फर्मेशन पेज डाउनलोड कर करेक्शन की पुष्टि कर सकते हैं।

# रेलवे में पत्थरबाजी की घटनाओं पर अंकुश हेतु आरपीएफ की कार्रवाई

**कोटा,** (निसं)। भारतीय रेलवे के संरक्षित परिचालन और यात्रियों की सुरक्षा हेतु पत्थरबाजी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल द्वारा प्रभावशील कदम उठाये जा रहे है। इन घटनाओं ने न केवल रेल यातायात को प्रभावित किया है, बल्कि यात्रियों की जान को भी संकट में डाला है। इसी कड़ी में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), पश्चिम मध्य रेल ने भी पत्थरबाजी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाये जा रहे हैं। रेल सुरक्षा बल पमरे द्वारा वर्ष 2024 में रेल गाड़ियों में पत्थरबाजी करने वाले 43 आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उन्हेम रेलवे न्यायालय के तहत कार्यवाई की गयी है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा उठाए गए कदम-विशेष गश्त और निगरानी की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों की तैनाती बढ़ी गयी, सुरक्षा बलों टीम में समन्वय स्थापित किया गया है, संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त चौकसी बढ़ाई गयी, यात्री जागरूकता अभियान चलाया गया, कानूनी कार्रवाई और सजा का प्रावधान, रेल अधिनियम की धारा 152 और 153 के तहत यह सजा तय की गई है। जिसमें पत्थरबाजी करने वाले अपराधियों को आजीवन कारावास या दस वर्ष तक के कारावास की सजा हो सकती है, रेलवे सुरक्षा बल यात्रियों से अपील करता है कि वे अपने आसपास की स्थिति पर नजर रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या असामाजिक कृत्य के बारे में तुरंत आरपीएफ या स्थानीय पुलिस को सूचित करें।

# चलती ट्रेन में यात्री को हार्टअटैक आया, टी.टी.ई. ने सीपीआर दिया

**कोटा,** (निसं)। गाड़ी सं 15708 अमृतसर-कटिहार आम्रपाली एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में एक यात्री (कार्डियक अरेस्ट) हृदयाघात के कारण अचेत हुआ तो कोच में अफरातफरी मच गई सूचना मिलने पर गाड़ी में टिकट जांच कर रहे छपरा के उप मुख्य टिकट निरीक्षकों राजीव कुमार एवं मनमोहन कुमार ने बिना देरी किए यात्री को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) जीवन रक्षक आपातकालीन प्रक्रिया अपनाकर य होश में लाया।

साथ ही छपरा स्वास्थ्य यूनिट के डॉक्टर को तुरंत अटेन्ड करने की सूचना भी दी। लगातार सीपीआर देने और कृत्रिम श्वसन देने प्रयासों के बाद यात्री ने अपनी आंखें खोली और बेहतर

**■ ऑपरेशन कर्मयोगी के तहत प्रशिक्षण लिया था**

महसूस करने लगा। अमृपाली एक्सप्रेस के छपरा स्टेशन पर पहुंचते ही हेल्थ यूनिट छपरा के डॉक्टर ने अटेन्ड किया। उक्त दोनों उप चल टिकट निरीक्षकों को कर्मयोगी प्रशिक्षण में प्राथमिक चिकित्सा एवं कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन जीवन रक्षक आपातकालीन प्रक्रिया का कार्यसाधक ज्ञान था इसलिए वे यात्री का जीवन बचा सके। इसके लिए यात्री ने रेलवे कर्मचारियों की सहायता एवं मेडिकल ज्ञान की सराहना की उसके सहयात्रियों ने भी रेलवे कर्मचारियों को हृदय से आभार प्रकट किया।

रेल प्रशासन द्वारा रेल कर्मचारियों को कर्मयोगी प्रारम्भ मॉड्यूल' के माध्यम से इस पाठ्यक्रम से निश्चिय ही कर्मचारियों के कार्य क्षमता में सुधार हो रहा है तथा रेल उपभोक्ताओं को दी जाने वाली सुविधाओं में उत्कृष्टता आ रही है। रेलवे प्रशासन अपने कर्मचारियों को नित नये-नये तरीकों से प्रशिक्षित कर अपने उपभोक्ताओं विशेषकर रेल यात्रियों को बेहतर से बेहतर सेवा उपलब्ध कराने के साथ-साथ अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु निरन्तर प्रयासरत है।

इसी क्रम में, पूर्वोत्तर रेलवे अपने कर्मचारियों को यात्री सेवा कार्यों में निपुण बनाने के साथ ही कार्य क्षमताओं को विकसित करने हेतु 'कर्मयोगी मॉड्यूल' में प्रशिक्षित किया है।

# 'मन में 24 घंटे में आते हैं 60 हजार विचार, उनमें से 80 प्रतिशत तक नकारात्मक'

**कोटा,** (निसं)। वर्धमान महावीर खुला विश्विद्यालय में आयोजित हुई ''ध्यान-जीवन के महत्व'' शीर्षक पर एक दिवसीय संगोष्ठी मुख्य वक्ता के रूप में वित्-नियंत्रक महेश चंद मीणा ने ध्यान के इतिहास, अर्थ, सावधानियां, विधि, उपाय व लाभों को रेखान्तित करते हुए विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि प्राचीन भारतीय साहित्य में अमुल्य ज्ञान है जैसे गणित व खगोलशास्त्र तथा उसका समयानुकूल प्रयोग करना चाहिए। वर्तमान में तनाव व अवसाद आदि मानसिक व्याधियों का ध्यान से समाधान किया जा सकता है। मस्तिष्क

- **खुला विश्वविद्यालय में ध्यान के महत्व पर संगोष्ठी हुई**
- **'नकारात्मक विचारों को रोकना व अपना मन एकाचित करना ही ध्यान है'**
- **'विचार शून्यता, वर्तमान में जीने व भाव निरपेक्षता की जरुरत बताई**

हार्डवेयर है व विचार सॉफ्टवेयर-मनुष्य का चेतन मन मात्र दस प्रतिशत होता है जबकि अवचेतन मन का हिस्सा नब्बे प्रतिशत है जिसमे प्रति मिनट 50 तरह के विचार आते है।

जिससे भी अधिकतर नकारात्मक, इन्ही विचारों को रोकना व अपना मन एकाचित करना ही ध्यान है। मीणा ने विचार शून्यता, वर्तमान में जीने व भाव निरपेक्षता की जरुरत बताई। ध्यान का सही समय ब्रह्ममुहर्त है जो सूर्योदय से 48 मिनट पहले तक रहता है। पेट का खाली होना, मेरुदंड का सीधा रहना, शारीरिक-मानसिक शून्यता ध्यान के लिए आवश्यक है।

ध्यान की शुरुआत के लिए हम छोटा लक्ष्य रखकर, प्राणायाम के माध्यम से गहरी सांसे लेकर कर सकते है। ध्यान से हम अपनी याददाशत, बेहतर जीवन व अध्यात्मिक विकास कर सकते है।

डॉ.कपिल गौतम ने ध्यान और योग की महत्ता गीता व पतंजलि योग सूत्र के दृष्टांतों से समझायी द्यकार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो.कैलाश सोडाणी ने की।

क्षेत्रीय केन्द्र निदेशक डॉ दिलीप कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कुलसचिव सरिता, निदेशक अकादमिक प्रो.बी.अरुण कुमार व निदेशक सीका डॉ.अनुराधा दुबे भी मौजूद रहे। मंच संचालन डॉ. संदीप हुड्डा ने किया।

# 'महाराष्ट्र की जीत विकास और राष्ट्रवाद की जीत'

**कोटा,** (निसं)। महाराष्ट्र में महायुति ने बाजी मार ली है और बंपर बहुमत हांसिल हुआ है। महाराष्ट, राजस्थान और यूपी की जीत राष्ट्रवाद और विकास की जीत है।

देश में इतनों सालों से कांग्रेस भ्रम फैलाकर लोगों को बरगलाने का कार्य करती रही है, वहीं दूसरी और भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर आगे बढ़ते हुए देश को गौरवांवित कर रही है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता पंकज मेहता ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बात कही।

उन्होंने महाराष्ट्र में हुए चुनाव

**■ राजस्थान में भाजपा पर विश्वास, कांग्रेस को जनता ने नकारा**

और उप चुनाव पर कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा और उसके गठबंधन ने कांग्रेस और शरद पंवार की पार्टी के साथ उद्धव ठाकरे गुट को साफ कर दिया है।

वहीं यूपी उपचुनाव में बीजेपी ने 9 में से 7 सीटों पर जीत दर्ज की है। योगी सरकार पर जनता ने विश्वास जताया है। वहीं राजस्थान में भी भजन लाल सरकार के विकास कार्य और निरंतर सेवा के भाव पर जनता ने मोहर लगाई है।

पंकज मेहता ने कहा कि कांग्रेस का सूर्य अब अस्त हो गया है, डूबती नाव में जो भी सवारी कर रहा है वह भी डूब रहा है। उन्होंने कहा कि लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर विश्वास जता रहे हैं और उनके नेतृत्व में देश दिन रात तरक्की कर रहा है।

राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय गौरव देश प्राप्त कर रहा है। पंकज मेहता ने कहा कि कांग्रेस अब लुप्त होती नजर आ रही है और लोग ईमानदार, राष्ट्रप्रेम से लबरेज पार्टी पर विश्वास जता रही है।

# सकारात्मक दृष्टिकोण और तनाव प्रबंधन पर विशेष व्याख्यान आयोजित

**कोटा,** (निसं)। राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान में शनिवार को सकारात्मक दृष्टिकोण और तनाव प्रबंधन विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों और फैकल्टी के लिए आयोजित किया गया, जिसमें सहायक जनसंपर्क अधिकारी आकांक्षा शर्मा ने प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

उन्होंने सकारात्मक दृष्टिकोण के महत्व और उसके जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों की चर्चा करते हुए बताया कि सकारात्मक सोच न केवल मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, बल्कि यह व्यक्ति को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी सही निर्णय लेने में मदद करती है।

कार्यक्रम के दौरान आकांक्षा शर्मा ने विभिन्न उदाहरणों और अपने निजी जीवन के व्यवहारिक अनुभवों को साझा करते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण के प्रभाव को समझाया। उन्होंने प्रतिभागियों को जीवन में सकारात्मकता की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। इन उदाहरणों ने छात्रों और फैकल्टी सदस्यों को व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में

कोटा में सहायक जनसंपर्क अधिकारी आकांक्षा शर्मा ने सकारात्मक दृष्टिकोण पर व्याख्यान दिया।

सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित किया।

सत्र में आइजन हॉवर मैट्रिक्स के जरिए तनाव प्रबंधन की व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी दी गई। साथ ही भविष्य की योजना बनाने, प्राथमिकताओं को तय करने और कार्यों को व्यवस्थित करने के तरीकों पर भी

**■ पॉलिटेक्निक संस्थान में छात्रों और फैकल्टी के लिए प्रभावशाली सत्र संपन्न**

प्रकाश डाला गया। आकांक्षा शर्मा ने छात्रों को जीवन में आने वाली समस्याओं को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ हल करने और तनाव को कम करने के लिए आत्ममूल्यांकन और समय प्रबंधन पर जोर दिया। विभाग अध्यक्ष नरेंद्र जैन ने बताया कार्यक्रम में लगभग 40 छात्रों और फैकल्टी सदस्यों ने भाग लिया।

उन्होंने कहा कि इस व्याख्यान का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को तनाव प्रबंधन की प्रभावी तकनीकें सिखाने के साथ-साथ सकारात्मक सोच को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का आयोजन डॉ.रक्षा रानी सनाढ्य और डॉ. कविता शर्मा के संयोजन में हुआ। व्याख्यान के दौरान प्रमुख रूप से नरेंद्र जैन, आरती भार्गव, राजेश दाधीच, डॉ.अनिल कुमार खत्री, आरएस बैरवा, अंकिता गौतम और शैलेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

# प्राइवेट अस्पताल की एंबुलेंस की लापरवाही के चलते मरीज की जान गई

**कोटा,** (निसं)। कोटा के श्रीजी हॉस्पिटल की लापरवाही के चलते एक मरीज की मौत का मामला सामने आया है। निलेश गुप्ता के अनुसार 17 नवंबर को कोटा के शीला चौधरी रोड स्थित राधा-कृष्ण हॉस्पिटल में उनकी मां को भर्ती कराया। उनकी हालत गंभीर थी सांस लेने में अत्यधिक कठिनाई हो रही थी और ऑक्सीजन सैचुरेशन लेवल को बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन सपोर्ट अनिवार्य था।

डॉक्टर ने सीटी स्कैन कराने की सिफारिश की और उन्हें विज्ञान नगर स्थित श्रीजी डायग्नोस्टिक सेंटर भेजा गया जबकि आनंद डायग्नोस्टिक सेंटर नजदीक था। ऐसी स्थिति में उन्होंने श्रीजी हॉस्पिटल की एम्बुलेंस मंगवाई। उन्होंने ऑक्सीजन सिलेंडर की उपलब्धता की खुद पुष्टि की। लेकिन जब उनकी माँ को एम्बुलेंस में बैठाकर ऑक्सीजन मास्क लगाया तो थोड़ी देर बाद उनकी माँ ने इशारा किया कि उन्हें सांस नहीं आ रही। ड्राइवर से कहा गया तो उसने सिलेंडर का वाल्व खोला, लेकिन तब भी ऑक्सीजन नहीं आई। जब निलेश गुप्ता ने सिलेंडर चेक किया तो वह खाली था। इसके बाद श्रीजी सेंटर पहुंचने पर भी अगले 15 मिनट तक ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं हो सकी। कुल 30 मिनट तक उनकी माँ को ऑक्सीजन नहीं मिली, जिससे चलते उनकी मां की हालत और खराब हो गई।

करीब दोपहर 2 बजे सीटी स्कैन का परिणाम आया। तब तक वे माताजी को वापस राधा-कृष्ण हॉस्पिटल लेकर आ गए। यहां डॉक्टर ने बताया कि फेफड़ों में पानी भर गया है और इसे निकालना होगा। उन्हें किसी अन्य रूम में शिफ्ट किया गया। थोड़ी देर बाद उनकी माँ को आईसीयू में स्थानांतरित कर दिया गया। परिजनों द्वारा जब डॉक्टर और स्टॉफ से जानकारी मांगी गई तो कोई जवाब नहीं मिला। शाम करीब 5 बजे डॉक्टर कमलेश आए लेकिन उन्होंने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। करीब 6 बजे नर्सिंग स्टॉफ ने परिजनों को बताया कि डॉक्टर बुला रहे हैं। अंदर जाने पर पता चला कि उनकी माँ को वेंटिलेटर पर रखा गया है। डॉक्टर ने बताया कि उनका रेस्पिरेटरी सिस्टम काम नहीं कर रहा है और उम्मीद बहुत कम है। मॉनिटर पर पल्स 40 से नीचे थी। डॉक्टर ने दूसरे हॉस्पिटल में शिफ्ट करने की सलाह दी। कोटा हार्ट में जान-पहचान के डॉक्टर से परिजनों द्वारा बात की गई और एक वेंटिलेटर सुविधा वाली एम्बुलेंस का इंतजार किया गया।

जैसे ही उनकी माँ का स्ट्रेचर एम्बुलेंस में पहुंचा ड्राईवर से कहा गया कि वेंटिलेटर ऑन करें। उसने जवाब दिया, 'क्या जरूरत है?' जबकि वेंटिलेटर सुविधा के लिए ही एम्बुलेंस का इंतजाम किया गया था। ड्राईवर ने कहा कि अस्पताल सिर्फ 300 मीटर दूर है और 5 मिनट में पहुंच जाएंगे। एक नर्सिंग स्टॉफ मैन्युअल तरीके से एयर दे रहा था। जब वह कोटा हार्ट पहुंचे, उनकी माँ को डेड घोषित कर दिया गया। डॉक्टर ने बताया कि उनकी मृत्यु 15 से 30 मिनट पहले हो चुकी थी। इसका मतलब या तो राधा-कृष्ण हॉस्पिटल में या एम्बुलेंस में ही उनका निधन हो गया था। परिजनों ने कहा कि यह हादसा केवल एक हादसा नहीं बल्कि लापरवाही की पराकाष्ठा है। ऐसे कितने मरीज हैं जो इस पीड़ा से गुजरते हैं लेकिन कोई आवाज नहीं उठाता। निजी एंबुलेंस सेवाओं की पूरी व्यवस्था एजेंटों, दलालों और निजी अस्पतालों के भरोसे चल रही है। सरकारी अधिकारी इस बात से बिल्कुल अनजान हैं कि उनकी नाक के नीचे क्या हो रहा है।


**विधिक सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार मोहम्मद उस्मान पुत्र अब्दुल रॉफ के स्वामित्व का एक मकान (पूर्वी भाग) पैमायशी 150 वर्गफीट वाके मेला बस स्टेण्ड के पास कैथून जिला कोटा में स्थित है। यह कि उक्त मकान मेरे पक्षकार को उनके पिता अब्दुल रॉफ द्वारा जर्ये रजि. दानपत्र दिनांक 23.09.2024 से प्राप्त हुआ था। यह कि उक्त मकान अब्दुल रॉफ को जर्ये पारिवारिक विभाजन पत्र दिनांक 20.9.2024 से प्राप्त हुआ था। यह कि उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार का ही स्वामित्व व आधिपत्य चला आ रहा है। व उक्त मकान का मेरे पक्षकार द्वारा कोई पट्टा/लीज डीड जारी नहीं करवाई गई है।

यह कि उक्त सम्पत्ति को मेरे पक्षकार द्वारा एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक में रहन रख कर ऋण लिया जा रहा है। इस ऋण के संबंध में यदि किसी व्यक्ति, बैंक, संस्था या अन्य किसी आमजन को कोई आपत्ति हो तो वह 7 दिवस के भीतर-भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता को सूचित करे अन्यथा बाद में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

दिनांक: 23.11.2024

अजय शर्मा एडवोकेट
पता-मकान नं. 1031, 1032,
सुभाष नगर द्वितीय, कोटा (राज.)
मो. 7073030526, 8239229798



**राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा**

क्रमांक 4232 जाहिर आम सूचना दिनांक - 23.11.2024

आवास संख्या 1-ग-11 विज्ञान नगर कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री सतराम दास पुत्र श्री फागुण मल को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री सतराम दास पुत्र श्री फागुण मल द्वारा दिनांक 31.03.1992 को अपने पक्ष में करवाया गया। पंजीयन उपरांत श्री सतराम दास पुत्र श्री फागुण मल द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये बयनामा आलेखित कर दिनांक 18.8.1993 को श्रीमती राम प्यारी अरोड़ा पत्नी स्व. श्री ओमप्रकाश अरोड़ा एवं श्री मदन मोहन अरोड़ा पुत्र स्व. श्री ओमप्रकाश अरोड़ा को संयुक्त रुप से किया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्रीमती राम प्यारी अरोड़ा पत्नी स्व. श्री ओमप्रकाश अरोड़ा की मृत्यु दिनांक 12.12.2001 को हो चुकी है। श्रीमती राम प्यारी अरोड़ा पत्नी स्व. श्री ओमप्रकाश अरोड़ा द्वारा इस आवास की वसीयत अपने जीवनकाल में जरिये वसीयत नामा आलेखित कर दिनांक 31.07.1997 को इनके पुत्र श्री मदन मोहन अरोड़ा के पक्ष में आलेखित की गई। श्री मदन मोहन अरोड़ा पुत्र स्व. श्री ओमप्रकाश अरोड़ा द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 04.10.2002 को श्री विनोद पपनेजा पुत्र स्व. श्री जगजीत राय पपनेजा को किया गया। श्री विनोद पपनेजा पुत्र स्व. श्री जगजीत राय पपनेजा द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 1-ग-11 विज्ञान नगर कोटा को विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अत: उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री विनोद पपनेजा पुत्र स्व. श्री जगजीत राय पपनेजा के नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री विनोद पपनेजा पुत्र स्व. श्री जगजीत राय पपनेजा का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री विनोद पपनेजा पुत्र स्व. श्री जगजीत राय पपनेजा के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

# झुंझुनूं में 21 साल बाद फिर से खिला कमल, कांग्रेस को बड़ा झटका

## झुंझुनूं विधानसभा की अब तक की सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड भी भाजपा के राजेंद्र भांबू के नाम दर्ज हुआ

**झुंझुनूं,** (निसं)। झुंझुनूं विधानसभा के उप चुनावों का परिणाम शनिवार को घोषित किया गया। परिणामों के बाद भाजपा में खुशी देखने को मिली। झुंझुनूं विधानसभा में 21 साल बाद एक बार फिर कमल खिला है। साथ ही झुंझुनूं विधानसभा की अब तक की सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड भी भाजपा के राजेंद्र भांबू के नाम दर्ज हो गया है। इससे पहले 2018 में कांग्रेस के बृजेंद्र ओला ने 40 हजार 565 वोटों से जीत दर्ज की थी, लेकिन राजेंद्र भांबू ने ना केवल इस रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 42 हजार 848 वोटों से जीत दर्ज की, बल्कि 2018 में ओला से मिली हार का भी हिसाब चुकता कर लिया।

हर बार की तरह पिछले तीन चुनावों में झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र में चुनाव तो त्रिकोणीय ही रहा है। पर 2013, 2018 व 2023 में भाजपा से बागी होकर चुनाव लड़ते रहे हैं, जिसका फायदा कांग्रेस को होता रहा, लेकिन इस बार पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने मुकाबला तो त्रिकोणीय बनाया। लेकिन उन्होंने कांग्रेस को नुकसान किया। जिसका फायदा भी भाजपा को मिला। वहीं भाजपा ने पिछले तीन चुनावों में हुई भूल को इस बार नहीं दोहराया और एकजुटता के साथ चुनाव लडा। जिसका भी फायदा भाजपा को मिला है।

रिटर्निंग अधिकारी झुंझुनूं एसडीएम हवाई सिंह यादव ने बताया कि मतगणना शनिवार को सेठ मोतीलाल कॉलेज में संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि भाजपा के राजेंद्र भांबू को 90425 मत मिले। वहीं उनके निकटवर्ती कांग्रेस प्रत्याशी अमित ओला को 47577 मत मिले। भाजपा के राजेंद्र भांबू को 42848 मतों से जीत हासिल हुई।

भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक राजेंद्र भांबू को बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।

**भांबू के निवास पर उमड़े हजारों समर्थक :-** भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक राजेंद्र भांबू को बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। जिनमें प्रमुख रूप से मंत्री अविनाश गहलोत, भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, विधायक धर्मपाल गुर्जर, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया, भाजपा नेता मुरारी सैनी, बजरंग दल के जिला संयोजक रवि गुप्ता, प्रमोद खंडेलिया, पूर्व पार्षद प्रमोद जानू, पुरूषोत्तम खाजपुरिया, अर्जुन महला, सतीश खींचड़, कमलकांत शर्मा, डॉ. डीएन तुलस्यान सहित समर्थक मौजूद रहे। जीत की घोषणा के बाद भी राजेन्द्र भांबू के कार्यालय के अलावा जिला मुख्यालय में कई जगहों पर व विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में आतिशबाजी कर खुशी मनाई गई।

चुनाव हारने के बाद राजेंद्र सिंह गुढा ने कहा कि उन्हें टाइम कम मिला, लेकिन फिर प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे उन सभी लोगों का आभार जताते हैं जिन्होंने उन्हें वोट किया, सपोर्ट किया। वे हमेशा झुंझुनूं विधानसभा के लोगों के दुख-दर्द में उनके साथ खड़े रहेंगे। जिन लोगों तक वे पहुंचे और जिन्हें बात समझ आई, उन्होंने वोट किया। जिन लोगों तक कम समय के कारण नहीं पहुंच पाए, उन तक पहुंचेंगे। सभी का आभार जताने के लिए वे लोगों के बीच जाएंगे।

- इस बार पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने मुकाबला त्रिकोणीय बनाया, गुढ़ा ने कांग्रेस को नुकसान किया, जिसका फायदा भी भाजपा को मिला

भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भांबू की जीत के बाद झुंझुनूं जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत झुंझुनूं पहुंचे। प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने राजेंद्र भांबू को जीत की बधाई दी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि यह जीत झुंझुनूं की जनता की जीत है। भारतीय जनता पार्टी ने झुंझुनूं विधानसभा सीट पर अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। झुंझुनूं की जनता ने सरकार के 11 महीने के कामकाज पर मोहर लगाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सात सीटों में से पांच सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने जीत दर्ज की है। जनता का मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रति विश्वास है। उन्होंने कहा कि झुंझुनूं की जनता ने परिवारवाद और वंशवाद को खत्म करने का काम किया है। प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि राजेंद्र भाम्बू कमल के प्रतीक थे, जनता ने चुनाव लड़ा और ऐतिहासिक जीत दर्ज की है।

# खींवसर में कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. रतन चौधरी की जमानत जब्त

## खींवसर में बीजेपी की ऐतिहासिक विजय, रेवंतराम डांगा ने जीत दर्ज की

**नागौर,** (निसं)। खींवसर विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) का गढ़ माने जाने वाले इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत रखने वाली पार्टी की प्रत्याशी और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका बेनीवाल को भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रेवतराम डांगा ने 13901 वोटों के बड़े अंतर से हराया। इस जीत के साथ ही विधानसभा में आरएलपी का प्रतिनिधित्व समाप्त हो गया है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद भारतीय जनता पार्टी में जश्न का माहौल है। पूरे नागौर जिले में बीजेपी के कार्यकर्ता जश्न मनाया इसलिए कि खींवसर के इस उपचुनाव में बीजेपी पार्टी ने पूरी ताकत जीत के लिए लगा दी थी।

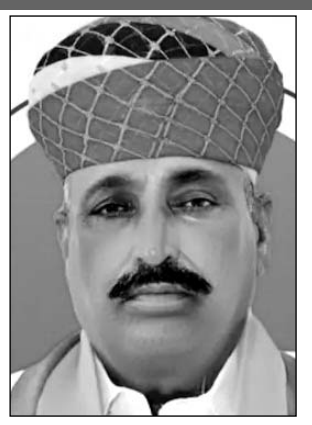

रेवंतराम डांगा।

खींवसर के उपचुनाव में बीजेपी की इस जीत के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए रेवंतराम डांगा ने कहा कि यह खींवसर की आम जनता की जीत है। हनुमान बेनीवाल द्वारा रेवंतराम डांगा को अनपढ़ कहने के सवाल का जवाब देते हुए डांगा ने कहा कि ये उनकी भाषा है, हीन भावना है, हम ऐसी बातों पर ध्यान नहीं देते, धरातल पर काम करते हैं। डांगा ने कहा कि आज खींवसर जीता है, यह आम जनता की जीत है।

कांग्रेस अपनी जमानत भी नहीं बचा पाई सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह रही कि इस चुनाव में कांग्रेस की प्रत्याशी डॉ. रतन चौधरी अपनी जमानत भी नहीं बचा सकी। पिछले चुनाव में कांग्रेस को 26 हजार से ज्यादा वोट मिले थे, लेकिन इस उपचुनाव में कांग्रेस की प्रत्याशी को मात्र 5454 वोट ही मिल पाए और इस तरह कांग्रेस प्रत्याशी की जमानत जब्त हो गई।

**जीत के बाद डांगा हुए भावुक**

- बीजेपी प्रत्याशी रेवंतराम डांगा ने आरएलपी प्रत्याशी कनिका बेनीवाल को हराया
- इस जीत के साथ ही खींवसर विधानसभा में आरएलपी का प्रतिनिधित्व समाप्त हो गया है

: खींवसर की इस ऐतिहासिक जीत के बाद भाजपा के प्रत्याशी रेवंतराम डांगा भावुक हो गए। पिछले विधानसभा चुनाव में मात्र 2,059 वोट से डांगा हार गए थे। इस बार बड़े अंतर से जीत दर्ज करने की सूचना मिलते ही डांगा भावुक हो गए। इसके बाद समर्थकों के साथ डांगा ने डांस भी किया। ज्योति मिर्धा और समर्थकों के साथ रेवंतराम डांगा अपने भाई के घर से पैदल ही मतगणना स्थल लॉ कॉलेज तक पहुंचे और पूरे रास्ते जश्न मनाते हुए जीत का प्रमाण पत्र लिया। इसके बाद डांगा खरनाल में वीर तेजाजी महाराज के मंदिर में दर्शन के लिए निकले।

## आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

**मदनगंज-किशनगढ़,** (निसं)। अदालत ने फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिये कृषि भूमि हड़पने के आरोपियों की जमानत याचिका खारिज करने का आदेश दिया है। रूपनगढ़ थाना पुलिस ने 20 नवंबर को विजय गिदवानी पुत्र प्रकाश, रोडू पुत्र श्योकरण, इकराम निवासी ग्राम सुरसुरा, रामदेव पुत्र नारायण सिंह निवासी मदनगंज को फर्जी तरीके से कूटरचित पावर ऑफ अटॉर्नी असल के रूप में उपयोग में लाकर कृषि भूमि को हड़पने के आरोप में गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां इनको जेल भेजने के आदेश दिया। बाद अपर जिला सेशन न्यायालय के समक्ष जमानत याचिका पेश की, अदालत ने एडवोकेट उमराव चौधरी व परमेश्वर बाना के तर्कों से सहमत होते हुए जमानत याचिका खारिज करने का आदेश दिया।

## शादी के सीजन में चोर सक्रिय

**अजमेर,** (कासं)। अलवर गेट पुलिस थाना क्षेत्र में 9 नंबर को पेट्रोल पंप के पास अंगीरा नगर में पांच संदिग्ध युवक वारदात की मंशा से एक मकान में घुसने की कोशिश करते कैमरे में कैद हुए हैं। इलाके के लोगों की सूचना पर पुलिस टीम ने संदिग्ध लोगों की तलाश की, लेकिन कोई पकड़ में नहीं आया। थाना प्रभारी श्याम सिंह के अनुसार, सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में चार-पांच लोग संदिग्ध हालत में इलाके में घूमते और एक मकान की टोह लेते नजर आए हैं।

## जनता ने भाजपा की नीतियों और डबल इंजन सरकारों पर पूरा भरोसा जताया : पूनिया

**जयपुर।** भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं राजस्थान भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने राजस्थान, महाराष्ट्र सहित तमाम राज्यों के विधानसभा चुनाव और उपचुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और राजस्थान समेत विभिन्न राज्यों के विधानसभा उपचुनावों में भाजपा की शानदार जीत यह दर्शाती है कि जनता ने भाजपा की नीतियों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकारों पर अपना पूरा भरोसा जताया है। जनता ने कांग्रेस और उसके गठबंधन को उनकी धराशायी हो चुकी जमीन की स्थिति का आईना दिखा दिया है। भाजपा की इस सफलता ने यह साबित कर दिया है कि जनता को विकास, सुशासन और स्थिरता पर भरोसा है, जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीति को जनता ने नकार दिया है।

जानकारी के अनुसार भाजपा हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर हरियाणा विधानसभा चुनाव में लगातार चार महीने तक हरियाणा प्रवास पर रहे, जहां उन्होंने माइक्रो मैनेजमेंट के जरिये चुनाव प्रबंधन से लेकर संगठन की मजबूती के लिए रणनीति पर काम किया, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की प्रचंड बहुमत की भाजपा की डबल इंजन सरकार बनी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत से हरियाणा, राजस्थान सहित पूरे देश के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ, हरियाणा चुनाव संपन्न होने के बाद सतीश पूनियां के राजस्थान लौटते ही राजस्थान उपचुनाव में भाजपा प्रदेश नेतृत्व एवं स्थानीय नेतृत्व की मांग पर सतीश पूनियां ने झुंझुनूं, खींवसर, रामगढ़ और देवली उनियारा में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में किसान, युवा और कार्यकर्ता सम्मेलनों को संबोधित किया था।

डॉ. सतीश पूनिया।

इन सभी सीटों पर भी सतीश पूनियां ने हरियाणा विधानसभा चुनाव की तरह माइक्रो मैनेजमेंट के जरिए चुनाव प्रचार और चुनाव प्रबंधन की रणनीति पर काम किया था, जहां भाजपा को शानदार जीत मिली है। सतीश पूनिया ने राजस्थान उपचुनावों में जहां जहां प्रचार किया वहां वहां भारतीय जनता पार्टी को विजय हासिल हुई है। पूनिया ने झुंझुनूं, देवली-उनियारा, रामगढ़, खींवसर में सघन प्रचार किया था और उन्हें जनता का भरपूर समर्थन मिला था और भाजपा को इन सीटों पर प्रचंड जीत मिली है।

हरियाणा विजय के बाद भाजपा राजस्थान अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सतीश पूनिया से मिलकर और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने फ़ोन पर बात करके उपचुनावों में समय देने का आग्रह किया था। संगठन सर्वोपरि को लक्ष्य मानकर सतीश पूनियां बिना विलंब किये इन चार सीटों पर चुनाव प्रचार में जुट गए, जहां भाजपा के पक्ष में सकारात्मक नतीजे आये हैं।

- डॉ. सतीश पूनिया ने राजस्थान उपचुनावों में झुंझुनूं, खींवसर, देवली-उनियारा, रामगढ़ में संभाली थी चुनाव प्रचार की कमान, इन सभी सीटों पर भाजपा जीती

## जनता ने मोदीजी के विजन पर मुहर लगाई : शेखावत

**जोधपुर,** (कासं)। राजस्थान विधानसभा उप चुनाव में भाजपा की जीत पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मतदाताओं का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान उपचुनाव में भी भाजपा का भगवा ध्वज अन्य दलों से बहुत ऊंचा रहा है, क्योंकि ईश्वर स्वरूप जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अटूट विश्वास है।

शनिवार को अपनी प्रतिक्रिया में शेखावत ने जोधपुर में कहा कि अमित शाह और जेपी नड्डा की संगठन क्षमता ने फिर प्रभाव दिखाया है। संवेदनशील मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नेतृत्व पुन: प्रमाणित हुआ है। हरेक कार्यकर्ता साथी को इस विजय क्रम को बनाए रखने का श्रेय जाता है, जिनके परिश्रम से जनता-जनार्दन का स्नेहाशीष कायम है। महाराष्ट्र के नतीजों पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि देवतुल्य जनता ने मोदी के विजन पर मुहर लगाई है। साफ है, महाराष्ट्र महायुति के साथ विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। अपने 'बचाव' के लिए 'अलगाव' को बढ़ावा देने वाली पार्टियों को आत्मचिंतन करना चाहिए।

- राजस्थान में उपचुनाव और महाराष्ट्र के परिणाम पर केंद्रीय मंत्री ने आभार जताया

# दौसा उपचुनाव में कांग्रेस के दीनदयाल बैरवा जीते

कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा को रिटर्निंग अधिकारी ने प्रमाण पत्र सौंपा।

**दौसा,** (निसं)। दौसा विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के जगमोहन मीणा को 2300 मतों से पराजित कर कांग्रेस की हैट्रिक करवा दी।

उल्लेखनीय है कि दौसा विधानसभा के लिए 1 लाख 53 हजार 740 मतदाताओं ने अपने मतों को प्रयोग किया था। शनिवार को जिला एवं पुलिस प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा के बीच मतों की गणना कराई, जिसमें कांग्रेस के दीनदयाल बैरवा को 75 हजार 536 मत, भाजपा के जगमोहन मीणा को 73 हजार 236 मत, निर्दलीय विप्र गोयल को 1 हजार 369 मत, दूलीचंद सैनी को 758 मत, बेणीप्रसाद कौशिक को 231 मत, मोहनलाल को 154 मत, रितु शर्मा को 411 मत, देवीसिंह को 306 मत, पूरणमल मौर्य 302 मत, मक्खनलाल मीणा, 208 मत, डॉ. रामरुप मीणा को 97 मत, विजय को 172 मत तथा नोटा को 908 मत मिले। इस प्रकार कांग्रेस के दीनदयाल बैरवा ने भाजपा के जगमोहन मीणा को 23 सौ मतों से पराजित कर कांग्रेस को लगतार तीसरी बार जीत दिलाई है। इधर कांग्रेस के पक्ष में परिणाम आने के साथ ही भाजपाई नेता जीत का अंतर कम होने पर जिला निर्वाचन अधिकारी से पुनर्मतगणना कराये जाने की मांग की। जिला प्रशासन द्वारा काफी समझाइश के बावजूद भाजपा के चुनाव अभिकर्ता एडवोकेट अभयशंकर शर्मा पुनर्मतगणना के लिये अड़ गये। इसके बाद जिला प्रशासन ने पुनर्मतगणना की अनुमति जारी कर दी।

- भाजपा के जगमोहन मीणा को 2300 मतों से पराजित किया

**रेण्डमाईजेशन के बाद हुई 10 बूथों की गणना:-** भाजपा के चुनाव अभिकर्ता एडवोकेट अभयशंकर शर्मा की मांग पर निर्वाचन विभाग ने रेण्डमाईजेशन से 10 बूथों की मतों की गणना की अनुमति जारी की गई। रेण्डमाइजेशन के बाद बूथ संख्या 92, 93, 105 ए, 151, 153, 158, 165, 181 तथा बूथ संख्या 192 की मतगणना कराई गई। इस दौरान वीवीपी मतों की भी गणना कराई गई। ईवीएम एवं वीवीपी मतों में अंतर नही आने पर रिर्टिनिंग अधिकारी मूलचंद ने कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा को वियजी घोषित किया तथा प्रमाण पत्र दिया।

# रामगढ़ विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी की जीत से उत्साह

**अलवर,** (निसं)। अलवर जिले की रामगढ़ विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी की जीत पर जहां भाजपा में उत्साह का माहौल है, वहीं दूसरी तरफ भाजपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह की जीत से रामगढ़ में वंशवाद की राजनीति पर ब्रेक लग गया है। रामगढ़ में भाजपा की तरफ से आहूजा परिवार राजनीति में अग्रसर रहा तो कांग्रेस में जुबेर खान परिवार लम्बे समय से रामगढ़ की राजनीति को देख रहे हैं, लेकिन इस जीत के बाद दोनों ही पार्टियों की वंशवाद की राजनीति का अंत हो गया है।

रामगढ़ विजय के साथ ही अलवर जिले में अलवर सांसद व केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र सिंह यादव और राज्य मंत्री संजय शर्मा का राजनेतिक कैरियर सफल रहा है तो वहीं अलवर भाजपा जिला अध्यक्ष दक्षिण अशोक शर्मा का कद भी पार्टी में बढ़ा है। वहीं भाजपा प्रत्याशी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चुनाव मैदान में लगातार जूझने वाले भाजपा नेता इस भारद्वाज और औड नेता निर्मल सुरा का कद में भी इजाफा हुआ है। रामगढ़ निवासियों का कहना है कि अगर पार्टी 2023 में ही सुखवंत को टिकट दे देती तो यह उपचुनाव ही नही होता। अलवर के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में बीजेपी प्रत्याशी सुखवंत सिंह 13 हजार 636 वोट से जीते हैं।

भाजपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह की जीत पर समर्थकों ने जश्न मनाया।

बैलेट पेपर के वोट अलग से हैं। दो राउंड की काउंटिंग से पहले ही कांग्रेस प्रत्याशी आर्यन जुबेर काउंटिंग हॉल छोड़कर चले गए। उन्होंने हॉल से निकलते ही बीजेपी के कार्यकर्ता अमनदीप को बधाई तक दे दी। उनके जाने के बाद बीजेपी प्रत्याशी सुखवंत सिंह आए। उन्होंने कहा कि ये जनता की जीत है। सबके लिए बराबर प्रयास करेंगे। गोतस्करी व टटलूबाजी सहित अन्य मुद्दों से जनता को राहत दिलाने का प्रयास करेंगे।

वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि सुखवंत की सादगी, भजनलाल सरकार के 11 महीने के काम व केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के प्रयासों से जीत मिली है। सब कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। हमने पहले होने वाली बूथ कैप्चरिंग को रोका है, जिससे बीजेपी को फायदा मिला है। आर्यन खान को 95 हजार 175 व बीजेपी प्रत्याशी सुखवंत को 1 लाख 8 हजार 811 वोट मिले हैं। बैलेट पेपर के वोट अलग से हैं। 13 हजार 636 वोट से बीजेपी प्रत्याशी की जीत हुई है।

# सलूम्बर में भाजपा की शांता मीणा विजयी, चौरासी में बीएपी का वर्चस्व कायम

## चौरासी सीट पर बीएपी प्रत्याशी अनिल कटारा 23842 वोट से जीते

**उदयपुर/डूंगरपुर,** (कासं)। उदयपुर संभाग में हुए विधानसभा उपचुनाव के परिणाम यथावत रहे, एक सीट पर भाजपा एवं एक सीट पर भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) का वर्चस्व कायम रहा। हालांकि दोनों ही सीटों पर पूर्व की अपेक्षा प्राप्त मतों में कमी आई है। वहीं मतदाताओं ने इन सीटों पर कांग्रेस को सिरे से खारिज कर दिया है। जैसी कि संभावना थी सलूम्बर में तो भीतरघात के चलते कांग्रेस की रेशमा मीणा की जमानत ही जब्त हो गई। वहीं सलूंबर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की शांता मीणा ने चुनाव जीत लिया है। उन्होंने बाप पार्टी के जितेश कटारा को हराया। यहां कांग्रेस तीसरे नंबर पर रही। यहां लगातार बीएपी मुकाबले में आगे रही लेकिन धीरे-धीरे मॉर्जिन कम हुआ और आखिरी राउंड में भाजपा ने जीत दर्ज कर ली। शांता मीणा 1285 वोट से चुनाव जीती।

उल्लेखनीय है कि सलूम्बर विधानसभा के 2023 में हुए चुनाव में भाजपा के अमृतलाल मीणा ने 14691 वोट से जीते थे। अमृतलाल मीणा के निधन के कारण सीट खाली हुई थी जिस पर उनकी पत्नी शांता मीणा को भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाकर अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। उसके उपरांत में जीत भले ही हांसिल कर ली हो लेकिन आशातीत मत प्राप्त करने में असफल रही। दूसरी ओर 2023 के चुनाव में बीएपी के जितेश कटारा ने जहां पिछली बार 55 हजार से अधिक मत प्राप्त करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया था। वहीं इस बार 83 हजार से अधिक मत प्राप्त करते हुए कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही।

सलूम्बर उपचुनाव की मतगणना के बाद विजयी प्रत्याशी की रिटर्निंग अधिकारी ने घोषणा की।

- सलूम्बर में कांग्रेस प्रत्याशी की जमानत जब्त, बीएपी ने सलूम्बर में जनाधार बढ़ाया

इधर डूंगरपुर जिले के चौरासी सीट पर बीएपी प्रत्याशी अनिल कटारा 23842 वोट से जीते। जनता ने बता दिया है कि वह भील प्रदेश की मांग वाली पार्टी के साथ खड़ी है। भाजपा ने इस बार जो तैयारी की थी वह अभूतपूर्व थी। चौरासी विधानसभा में राजकुमार रोत के विधायक से सांसद बनने के बाद यह सीट खाली हुई थी। इस सीट पर लगातार दो बार से बीटीपी और फिर बीएपी से राजकुमार रोत चुनाव जीते। इससे पहले भाजपा के सुशील कटारा विधायक थे।

# विपक्ष ने हमेशा सपने दिखाने का कार्य किया है, जबकि भाजपा हकीकत बुनने का काम करती है : भजनलाल शर्मा

- उपचुनावों में भाजपा का बढ़ा जनाधार, प्रदेश की जनता का, कार्यकर्ताओं का आभार और अभिनंदन : मदन राठौड़
- उपचुनावों में भाजपा की प्रचंड जीप पर भाजपा कार्यलय में सीएम भजनलाल शर्मा का कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत, हुई आतिशबाजी

**जयपुर।** भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने उपचुनावों में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने पर कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान में भाजपा ने 5 नहीं, सभी सीटें जीती है। दौसा और चौरासी की जनता ने विधानसभा चुनाव 2023 की तुलना में अधिक विश्वास जताया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की विकास की राजनीति पर भरोसा जताया है। आज प्रदेश की जनता ने ये भी साबित कर दिया कि सबसे लोकप्रिय राजनीति पार्टी अगर कोई है तो वो भारतीय जनता पार्टी ही है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि रामगढ़, झुंझुनूं और खींवसर के मतदाताओं ने वहां के राजनेताओं को हकीकत से रूबरू करवा दिया। रामगढ जहां एक मुस्लिम कट्टरपंथी जनप्रतिनिधि द्वारा आतंक मचा रखा था, अब अगर उनके पुत्र जीत जाते तो आधुनिक आतंक को बढ़ावा दिया जाता लेकिन जनता ने उन्हें शानदार पटखनी दी। इसी तरह झुंझुनूं में एक परिवार के किसी दूसरे को राजनीति करने का अधिकार ही नहीं दे रहे थे, लेकिन यहां वर्षों बाद कार्यकर्ताओं की बदौलत कमल खिला। इसके साथ ही भाजपा ने एक मठाधिशी रामगढ़ में तो दूसरी मठाधिशी झुंझुनूं में समाप्त करने का काम किया है। तीसरी मठाधिशी खींवसर में चलती थी, जिसे खींवसर की जनता ने समाप्त करने का काम किया। देवली-उनियारा सीट की चर्चा करते हुए डॉ अग्रवाल ने कहा कि भाजपा की पहचान प्रदेश में कानून व्यवस्था कायम करने से भी बनी है, ऐसे में कोई भी व्यक्ति कानून को हाथ में लेने का काम करेगा तो भाजपा सरकार उसको बताएगी कि कानून उसके साथ क्या व्यवहार करेगा। इसी तरह चौरासी में भी देश को तोड़ने वाले लोगों को जनता ने करारा जवाब दिया और भाजपा का जनाधार वहां भी बढ़ा है। अगले चुनाव में हम सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में चौरासी में ऐतिहासिक जीत दर्ज करवाएंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के कार्यकर्ताओं के आगे मैं नतमस्तक हूं, उनका आभार व्यक्त करता हूं और उनका अभिनंदन करता हूं। भाजपा का नेतृत्व देश में ही नहीं दुनिया में भी सबसे मजबूत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य राजस्थान ही नहीं समूचे भारत का विकास करना है। इन चुनावों में जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है, उन्होंने किसान, युवा, महिला तथा मजदूर को कल्याण और विकास का भरोसा दिलाया है। 2023 के चुनाव की तुलना में आज राजस्थान की जनता ने 15 प्रतिशत अधिक मतदान भाजपा के पक्ष में किया है। सरकार ने विपक्ष के कटाक्ष का जवाब जनता से जुडे विकास कार्यों और बजट घोषणाओं को पूरा करके दिया है। कांग्रेस ने हमेशा झूठ और लूट की राजनीति की है, हमेशा भ्रम फैलाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ताओं का परिश्रम, कार्यकर्ताओं की मेहनत के बदौलत प्रदेश की जनता ने जो विश्वास सरकार के प्रति जताया है उसे बनाए रखा जाएगा। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महाराष्ट्र में ऐतिहासिक बहुमत हासिल किया है। ऐसे में हमारे केंद्रीय नेतृत्व के साथ महाराष्ट्र की जनता को धन्यवाद देता हूं। महाराष्ट्र चुनाव में जिन 8 सीटों पर प्रचार किया गया, वहां भी भारी बहुमत के साथ भाजपा को विजय मिली। भाजपा में कार्यकर्ताओं को समर्पण रहा है, वो पूर्ण भाव से पार्टी के लिए कार्य करता है। विपक्ष ने हमेशा सपने दिखाने का कार्य किया है, जबकि भाजपा हकीकत बुनने का काम करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान विकसित राजस्थान बनेगा, सशक्त राजस्थान बनेगा और विकसित भारत बनेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और उपचुनावों में भाजपा को मिले जनाधार पर जनता को आभार व्यक्त किया और कहा कि देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व भरोसा किया तथा मोदी की गारंटी पर विश्वास जताते हुए भारतीय जनता पार्टी को आशीर्वाद दिया। भाजपा को प्रचंड बहुमत देने के लिए मतदाताओं का अभिनंदन, अभिवादन और धन्यवाद। राठौड़ ने जीत का श्रेय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ कार्यकर्ताओं को दिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि जनता के जनाधार के बाद भाजपा पर जिम्मेदारियां बढ़ी है। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से बजट में की गई घोषणाओं को अब समय पर पुरा किया जाएगा। राजस्थान के उपचुनावों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने सामर्थ्य के अनुरूप कार्य किया। सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी के चलते भाजपा प्रत्याशियों की प्रचंड जीत हुई। चौरासी में भी भाजपा का मत प्रतिशत बढ़ा है, ऐसे में वहां की जनता का भी अभिनंदन और धन्यवाद। उपचुनावों में कांग्रेस पूरी तरह पिछड़ गई। कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

राठौड़ ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया का भी आभार जताते हुए कहा कि मीडिया ने अपना दायित्व बेहतर रूप से निभाया। मीडिया हमेशा इसी तरह मार्ग दर्शन करती रहे और सरकार जनसेवा करती रही। उपचुनावों में भाजपा के सभी मोर्चा में सहभागिता निभाई।

इस दौरान भाजपा कार्यालय में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, सांसद मंजू शर्मा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, सरदार अजयपाल सिंह, नारायण पंचारिया, महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, जितेंद्र गोठवाल, प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल, महेंद्र कुमावत, अजीत माडण, स्टेफी चौहान, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक सहित भाजपा पदाधिकारी, मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष, विभागों के संयोजक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# हॉस्पिटल केयर टेकर पद की भर्ती प्रक्रिया में दूरस्थ शिक्षा से डिग्री लेने वाले अभ्यर्थी करें शामिल : हाईकोर्ट

- दस्तावेज सत्यापन के दौरान याचिकाकर्ता को चयन प्रक्रिया से यह कहते हुए बाहर कर दिया कि उसने संबंधित कोर्स दूरस्थ शिक्षा के जरिए किया है और भर्ती में सिर्फ नियमित शिक्षा के जरिए कोर्स करने वालों को ही शामिल किया जा सकता है।

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने आरपीएससी की ओर से आयोजित हॉस्पिटल केयर टेकर भर्ती-2023 में दूरस्थ शिक्षा से डिग्री लेने वाले अभ्यर्थी को शामिल करने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रमुख चिकित्सा सचिव, आरपीएससी सचिव और यूजीसी सचिव से जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश जितेंद्र कुमार शर्मा की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने हॉस्पिटल केयर टेकर के पदों के लिए गत वर्ष मई माह में भर्ती निकाली थी। जिसमें याचिकाकर्ता ने मेरिट में स्थान प्राप्त किया। वहीं दस्तावेज सत्यापन के दौरान उसे चयन प्रक्रिया से यह कहते हुए बाहर कर दिया कि उसने संबंधित कोर्स दूरस्थ शिक्षा के जरिए किया है और भर्ती में सिर्फ नियमित शिक्षा के जरिए कोर्स करने वालों को ही शामिल किया जा सकता है। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियम में साल 2022 संशोधन कर केवल नियमित शिक्षा को ही मान्य माना है। इस संशोधित नियम को चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता ने मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से दो साल एमबीए हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स किया था। ऐसे में केवल दूरस्थ शिक्षा का हवाला देते हुए उसे भर्ती में अपात्र घोषित नहीं किया जा सकता। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने दूरस्थ शिक्षा से कोर्स करने वाले अभ्यर्थी को चयन प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश देते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

# हम राजस्थान के विकास के लिए कृत संकल्पित : मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने उपचुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा की प्रचंड जीत से विकास पर मोहर लगी

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और राजस्थान में 7 सीटों पर उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली प्रचंड जीत को ऐतिहासिक बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है। शर्मा ने कहा कि इस जीत से देश के मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और हमारी सरकार के विकास कार्यों पर अपनी मोहर लगा दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जीत भाजपा के कर्मठ कार्यकताओं के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राजस्थान उपचुनावों में हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों एवं 11 महीने में भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में हुए विकास कार्यों को मतदाताओं तक पहुंचाने का प्रयास किया। इसी का परिणाम है कि इस उपचुनाव में भाजपा को 2023 के विधानसभा चुनावों में मिले वोटों से 15 प्रतिशत अधिक वोट प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के संकल्प के अनुसार समाज के अन्तिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में काम कर रहे हैं जबकि कांग्रेस एवं अन्य दल चुनावों में झूठ और भ्रम फैलाते हैं। ऐसी राजनीति को जनता ने अपने वोट से जवाब दिया है। शर्मा ने कहा कि हम राजस्थान के विकास के लिए कृत संकल्पित हैं। और इस एतिहासिक जीत ने हमारे इस इरादे को और भी मजबूत किया है।

# जी.एम. बीजों के विरोध में सौंपा ज्ञापन

**जयपुर।** भारतीय किसान संघ ने शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य मदन राठौड़ को जी एम बीजों के विरोध में ज्ञापन दिया है । संभाग प्रचार प्रमुख डॉ.लोकेश कुमार चन्देल ने बताया कि आज भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने देशव्यापी सांसद ज्ञापन अभियान के तहत जी एम बीजों को देश में अनुमति नहीं दी जाने के विरोध में ज्ञापन दिया है। इस अवसर पर प्रांत महामंत्री डॉ.सांवरमल सोलेट ने बताया कि जी एम बीज पर्यावरण और जीवों के लिए नुक़सान दायक है। जी एम कपास का बीज पहले ही विफ़ल हो चुका है। अब जी एम सरसों का बीज देश में लाने की तैयारी चल रही है।

# राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम की उत्कृष्ट प्रतिभाओं का सम्मान

राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेन्द्र श्रृंगी ने शनिवार को विद्युत भवन में पढ़ाई एवं खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर विद्युत गृहों के कर्मचारियों एवं उनके बच्चों को पुरस्कृत किया।

- निगम कर्मचारियों के 8 बच्चों का आईआईटी, 6 बच्चों का मेडिकल में चयन एवं 3 निगम कर्मचारियों का खेल क्षेत्र में विशिष्ट योगदान

**जयपुर।** राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेन्द्र श्रृंगी ने शनिवार को विद्युत भवन में पढाई एवं खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर विद्युत गृहों के कर्मचारियों एवं उनके बच्चों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में निदेशक वित्त मनोज खण्डेलवाल, मुख्य कार्मिक अधिकारी आलोक शर्मा सहित अन्य अधिकारी, सम्मानित होने वाले मेधावी छात्र-छात्रा, कर्मचारी एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

सीएमडी देवेन्द्र श्रृंगी ने बताया कि राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संतानें, जिन्होंने नीट और जेईई में विलक्षण प्रदर्शन करते हुए देश की विभिन्न आई.आई.टी. और मेडिकल कॉलेजों जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लिया है तथा खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया है।

उन्होने बताया कि हमारें कर्मचारी विद्युत गृहों में दिन-रात बिजली उत्पादन में शिफ्ट ड्यूटियों में व्यस्त रहते हैं और उनके मेधावी बच्चे भी थर्मल कॉलोनियों में साथ रहकर सतत मेहनत करके उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए जेईई और नीट जैसी प्रवेश परीक्षा में सफल हो रहे हैं, यह हम सभी के लिए अत्यन्त गौरव का विषय है। साथ ही वर्ष 2024-25 के दौरान अखिल भारतीय विद्युत खेल प्रतियोगिता में रजत एवं कांस्य पदक जीत कर राजस्थान का नाम रोशन करने वाले 3 खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया है। विद्युत भवन में आयोजित सम्मान समारोह में उत्पादन निगम के कुल 17 विलक्षण एवं सराहनीय प्रतिभाओं और उनके परिजनों को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा सम्मानित किया गया।

# कल्पद्रुम महामंडल विधान में उमड़ रहा भक्ति का सैलाब

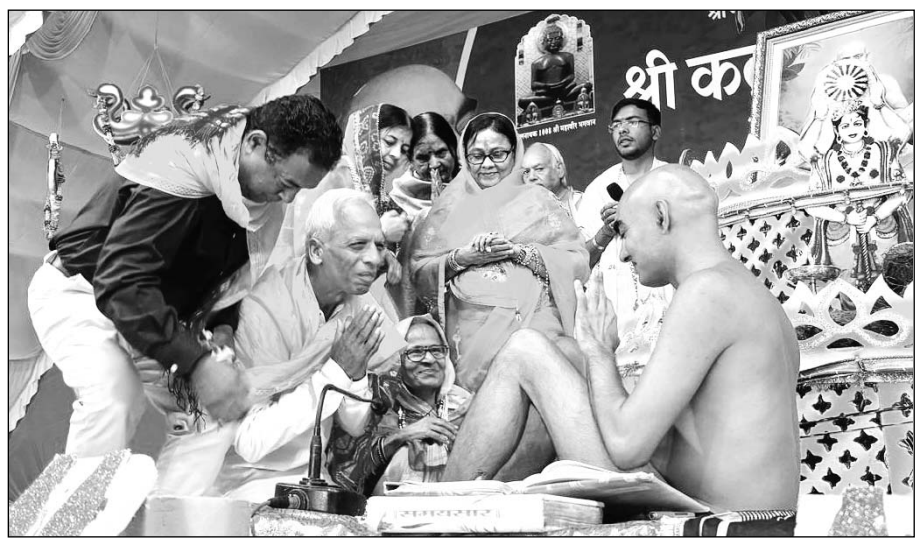

सांगानेर स्थित चित्रकूट कॉलोनी दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित हो रहे कल्पद्रुम महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में शनिवार को बरेली के अरोडा परिवार ने मुनि समत्व सागर का पाद प्रक्षालन किया।

- जैन समुदाय के साथ-साथ अन्य समाजों के लोग भी हो रहे विधान में शामिल

**जयपुर ।** सांगानेर थाना सर्किल स्थित चित्रकूट कॉलोनी दिगम्बर जैन मंदिर में चल रहे कल्पद्रुम महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में श्रद्धा का सैलाब उमड़ रहा है। जैन समाज के साथ अन्य समाजों के लोग भी बडी संख्या में विधान में सहभागी बन रहे है।

समिति संयोजक योगेश पाटनी ने बताया कि शनिवार को प्रात: विशेष पूजा अर्चना के साथ समोवशरण में विराजित जिनेंद्र देव का अभिषेक, शांतिधारा की गई । शान्तिधारा का सौभाग्य लोकेंद्र-राजा देवी पाटनी राज भवन वाले , सत्यनारायण मित्तल एवं भविष्य गोधा परिवार ने प्राप्त किया। विधानाचार्य पंडित विकर्ष शास्त्री एवं शुभम् भैया के निर्देशन में कल्पद्रुम महामंडल विधान में पंचपरमेष्ठी भगवान के अर्घ्य अर्पित किए गए ।

मंत्री अनिल जैन काशीपुरा ने बताया कि महोत्सव में जैन धर्मावलम्बियों के साथ अजैन लोग भी भक्ति एवं श्रद्धा के साथ सम्मिलित होकर मुनि श्री के सानिध्य में धर्म लाभ प्राप्त कर रहे है ।शनिवार को बरेली से पधारे गुलशन अरोडा परिवार एवं ममता सौगानी परिवार जापान वालो ने मुनि समत्व सागर व शील सागर महाराज के पाद प्रक्षालन किये। अनिल कुमार संभव पाटनी प्रहलाद कॉलोनी परिवार ने शास्त्र भेट किये।

मीडिया समन्वयक महावीर सुरेंद्र जैन एडवोकेट ने बताया कि महामंडल विधान में शनिवार को बीस तीर्थंकरों की पूजा कर भक्ति भाव से अर्घ्य चढ़ाये। समिति सदस्य संतोष कुमार सौध्या ने बताया कि शाम को समोवशरण की महा आरती समाज श्रेष्टि लाड़देवी प्रदीपकुमार विमल बाकलीवाल परिवार साँवरिया परिवार की ओर से गाजे बाजे के साथ भक्तिपूर्वक की गईं। रात्रि क़ालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में महावीर नवयुवक मंडल एवं महावीर महिला मंडल के द्वारा भव्य नाटिका का मंचन किया गया।

मुनि समत्व महाराज ने समवोशरण में गणधर परमेष्ठी के रूप में प्रवचन करते हुए कहा कि लोग धन के पीछे भाग रहे है धर्म से दूरी बना रहे है और जग के वैभव के उन्माद में जी रहे है, उनको अंतरंग की शांति प्राप्त नहीं हो सकती है। मुनिश्री ने कहा कि मरने के बाद धन साथ नहीं जाएगा केवल धर्म ही साथ जाता है। जिनके पास धर्म होता है दुनिया का धन वैभव अपने पीछे भागा आता है। पंच महाव्रतों का पालन करने वालो को नियम से चक्रवर्ती बनने का वैभव प्राप्त होता हैं।

समिति अध्यक्ष केवल चंद गंगवाल व नवयुवक मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सौगानी ने बताया कि कल्पद्रुम महामंडल विधान में रविवार को समोवशरण स्थल से भव्य चक्रवर्ती यात्रा निकलेगी। शोभायात्रा में चक्रवर्ती हाथी पर सवार होंगे तथा सोधर्म इंद्र घोड़े पर सवार होंगे व अन्य इंद्र बग्गियों में सवार होकर बैंड बाजे व लवाज़मे के साथ मुनि श्री के पावन सानिध्य में नगर भ्रमण को निकलेगी ।

# जनता ने मोदी के विजन पर मुहर लगाई : शेखावत

**जयपुर।** राजस्थान विधानसभा उप चुनाव में भाजपा की जीत पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मतदाताओं का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान उप चुनाव में भी भाजपा का भगवा ध्वज अन्य दलों से बहुत ऊंचा रहा है, क्योंकि ईश्वर स्वरूप जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अटूट विश्वास है। शनिवार को अपनी प्रतिक्रिया में शेखावत ने कहा कि अमित शाह और जेपी नड्डा की संगठन क्षमता ने फिर प्रभाव दिखाया है। संवेदनशील मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नेतृत्व पुन: प्रमाणित हुआ है। हरेक कार्यकर्ता साथी को इस विजय क्रम को बनाए रखने का श्रेय जाता है, जिनके परिश्रम से जनता-जनार्दन का स्नेहाशीष कायम है। महाराष्ट्र के नतीजों पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि देवतुल्य जनता ने मोदी के विजन पर मुहर लगाई है। साफ है, महाराष्ट्र महायुति के साथ विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। अपने 'बचाव' के लिए 'अलगाव' को बढ़ावा देने वाली पार्टियों को आत्मचिंतन करना चाहिए, वोट के लिए तुष्टीकरण और समाज में वैमनस्य पैदा कर जनता का दिल नहीं जीता जाता। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में महाविजय सुनिश्चित करने वाले भाजपा के हरेक कार्यकर्ता साथी समेत महायुति के प्रत्येक सदस्य को महा-महा बधाई और मंगलकामनाएं।

# भांकरोटा में हुआ सीसी रोड का शिलान्यास

**जयपुर।** सांगानेर विधानसभा में भांकरोटा क्षेत्र के जेडीए कॉलोनी से लेकर गणपतपुरा में सीसी रोड का शिलान्यास किया गया। यह सीसी रोड सांगानेर विधायक भजनलाल शर्मा द्वारा स्वीकृत किया गया है जिसकी लागत लगभग दो करोड रुपए है।

# यंग प्रेसिडेन्ट्स ऑर्गनाईजेशन के सदस्यों ने जयपुर फुट की निर्माण विधि का अवलोकन किया

विश्वव्यापी संस्था यंग प्रेसिडेन्ट्स आर्गनाईजेशन के 70 सदस्यीय एक दल में जिसमें विभिन्न देशों के प्रतिनिधि शामिल थे, विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माण विधि का अवलोकन किया।

**जयपुर।** विश्वव्यापी संस्था यंग प्रेसिडेन्ट्स आर्गनाईजेशन (वाई. पी. ओ.) के 70 सदस्यीय एक दल में जिसमें विभिन्न देशों के प्रतिनिधि शामिल थे, विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माण विधि का अवलोकन किया। यगं प्रेसिडेन्ट्स आर्गनाईजेशन (वाई.पी.ओ.) के जापान, फिलिपिन्स, कोरिया, मलेशिया, थाईलैण्ड, ब्रुनेई, बेल्जियम, जर्मनी, हाँगकाँग आदि देशों के व्यापारिक और औद्योगिक संस्थानों के 70 महिला और पुरूषों ने जो अपनी कम्पनियों के मुख्य अधिकारी हैं, को जयपुर फुट के निर्माण विधि की जानकारी भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी. एम. वी. एस. एस.) के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता और सचिव भूपेन्द्र मेहता तथा डॉ दीपेन्द्र मेहता (तकनिकी) ने दी।

उल्लेखनीय है कि वाई.पी.ओ. के विश्वभर में 34,000 सदस्य हैं जो व्यापारिक संस्थानों के मुख्य अधिकारियों की बैठक आयोजित कर आपस में विचार विमर्श करते हैं। यह संस्था व्यापारिक दुनिया से अलग ऐसा परोपकारी संस्थाओं से भी सामाजिक सम्पर्क रखती हैं जो परोपकार की भावना से समाज के कल्याण और विकास के लिए कार्य करते हैं। वाई.पी.ओ. के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर.मेहता ने कहा कि जयपुर फुट आज विश्व में द्विव्यागों के पुर्नवास की अग्रणी संस्था बन गई हैं, जिसके 23 देशों में पदचिन्ह देखे जा सकते हैं। बी.एम.वी.एस.एस. ने 114 विदेशी शिविरों का अब तक आयोजन कर 46,000 से अधिक लोगों का पुर्नवास किया हैं।

डी.आर. मेहता ने बताया कि हाल ही में बी.एम.वी.एस.एस. के दल ने भारत सरकार के सहयोग से मगोलिया में विशेष शिविर लगाकर 645 लोगों को लाभान्वित किया। इस समय मेडागास्कर में भी एक शिविर चल रहा हैं। विदेशी प्रतिनिधियों को संस्था के आर्थिक पक्ष की जानकारी देते हुए डी.आर. मेहता ने कहा कि दानदाताओं के सहयोग से संस्था सभी विकलांगों को नि:शुल्क कृत्रिम अंग और अन्य उपकरण मुहैय्या कराती हैं।

# जनता ने डबल इंजन सरकारों पर अपना पूरा भरोसा जताया है : डॉ. पूनिया

- राजस्थान उपचुनाव में भाजपा प्रदेश नेतृत्व एवं स्थानीय नेतृत्व की मांग पर सतीश पूनिया ने झुंझुनूं, खींवसर रामगढ़ और देवली उनियारा में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में किसान, युवा और कार्यकर्ता सम्मेलनों को किया था संबोधित

**जयपुर।** भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं राजस्थान भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने राजस्थान, महाराष्ट्र सहित तमाम राज्यों के विधानसभा चुनाव और उपचुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर कहा कि, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और राजस्थान समेत विभिन्न राज्यों के विधानसभा उपचुनावों में भाजपा की शानदार जीत यह दर्शाती है कि जनता ने भाजपा की नीतियों और विश्व के लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकारों पर अपना पूरा भरोसा जताया है। जनता ने कांग्रेस और उसके गठबंधन को उनकी धराशायी हो चुकी जमीन की स्थिति का आईना दिखा दिया है।

भाजपा की इस सफलता ने यह साबित कर दिया है कि जनता को विकास, सुशासन और स्थिरता पर भरोसा है, जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीति को जनता ने नकार दिया है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत से हरियाणा, राजस्थान सहित पूरे देश के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ, हरियाणा चुनाव संपन्न होने के बाद सतीश पूनियां के राजस्थान लौटते ही राजस्थान उपचुनाव में भाजपा प्रदेश नेतृत्व एवं स्थानीय नेतृत्व की मांग पर सतीश पूनियां ने झुंझुनूं, खींवसर, रामगढ़ और देवली उनियारा में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में किसान, युवा और कार्यकर्ता सम्मेलनों को संबोधित किया था, इन सभी सीटों पर भी सतीश पूनियां ने हरियाणा विधानसभा चुनाव की तरह माइक्रो मैनेजमेंट के जरिए चुनाव प्रचार और चुनाव प्रबंधन की रणनीति पर काम किया था, जहां भाजपा को शानदार जीत मिली है।

# 'अतिक्रमणों को दो माह में हटाए जे.डी.ए.'

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने जेडीए को निर्देश दिए हैं कि वह दो सौ फीट बाईपास से लेकर क्वींस रोड तिराहे तक सिरसी रोड के दोनों तरफ आने वाले सभी तरह के अतिक्रमणों को दो माह में हटाए। वहीं अदालत ने 20 जनवरी को जेडीए सचिव को तथ्यात्मक रिपोर्ट के साथ पेश होने के आदेश दिए हैं। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश विजय कुमार बोयत की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि जेडीए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने से पहले संबंधित संपत्ति के मालिक या किराएदार को सात दिन का नोटिस देगा। वहीं यदि संबंधित व्यक्ति की ओर से कोई आपत्ति आती है तो उसका सात दिन में निस्तारण किया जाए।

## सार-समाचार

### मुर्गी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

**छबड़ा** (निसं)। फलिया पंचायत में इंडसइंड बैंक सीएसआर फ्लेगशिप प्रोग्राम के तहत वॉटर संस्था व संपदा ट्रस्ट द्वारा चार दिवसीय मुर्गी पालन प्रशिक्षण का आयोजन 20 से 23 नवंबर तक किया गया। जिसमे लाभार्थियों को मुर्गी की नस्ल, रखरखाव, आवास एवं उनमें होने वाले रोगों के बारे में जानकारी दी गईं। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को संपदा ट्रस्ट की ओर से प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम का संचालन संपदा ट्रस्ट के क्षेत्रीय व्यवस्थापक लवलेश सकत, तकनीकी सहयोगी भरत सिंह मीणा, ब्लॉक छबडा से प्रॉजेक्ट ऑफिसर नरेश कुमार व टीम के साथियों द्वारा किया गया।

### रोजगार सहायता शिविर 27 को

**झालावाड़** (निसं)। जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय (मॉडल केरियर सेंटर), झालावाड़ के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर 27 नवम्बर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (न्यू ब्लॉक) श्री प्रवीण शर्मा क्रिकेट ग्राउन्ड के सामने, झालावाड़ में आयोजित किया जायेगा जिसमें जिले के बेरोजगार युवक एवं युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार एवं रोजगार परक प्रशिक्षण के विशेष अवसर प्राप्त होंगे। जिला रोजगार अधिकारी अजय व्यास ने बताया कि शिविर की व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होनें बताया कि इस शिविर में युवाओं को विभिन्न पदों पर रोजगार प्रदान करने के लिए निजी कम्पनियों द्वारा चयन किया जाएगा। इसके लिए न्यूनतम शैक्षिणक योग्यता दसवीं उत्तीर्ण या इससे अधिक, आयु 18 वर्ष से 35 वर्ष निर्धारित है। साथ ही विभिन्न प्रशिक्षणदात्री, ऋणदात्री संस्थानों द्वारा रोजगार व स्वरोजगार प्रशिक्षण एवं ऋण के लिए आशार्थियों का चयन व मार्गदर्शन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रोजगार सहायता शिविर में 10 से अधिक निजी क्षेत्र के नियोजक लगभग 1000 से अधिक रिक्तियों पर भर्ती करेगें। शिविर में फाईनेन्स, एग्रीकल्चर, सिक्युरिटी सर्विस, टेक्नीकल, मार्केटिंग एवं बीमा आदि सर्विस सेक्टर से संबंधित कम्पनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध होगें। अत: बेरोजगार आशार्थियों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में शिविर में भाग लेकर रोजगार व स्वरोजगार प्राप्त करने का प्रयास करें। अजय व्यास ने बताया कि जिले के जो भी नियोक्ता अपनी रिक्तियों के लिए शिविर में भाग लेना चाहते हैं रोजगार कार्यालय में 26 नवम्बर तक नि:शुल्क स्टॉल के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।

### स्थानीय भाषा शब्दकोश निर्माण कराया

**बून्दी** (निसं)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बून्दी में सीएमडीई प्रभाग द्वारा स्थानीय भाषा शब्दकोश निर्माण कराया गया, जिसको संशोधित व क्रमबद्ध करने के लिए प्रधानाचार्य जया शर्मा एमजीजीएस खटकड के नेतृत्व में सात सदसीय भाषा विशेषज्ञों ने तीन दिवस में 900 से ऊपर शब्दों की बून्दी में प्रचलित स्थानीय भाषा के शब्दों को क्रमानुसार व संशोधन करके तैयार किया। विशेषज्ञों के समूह में उप प्राचार्य प्रहलाद शर्मा, अनीता कुमारी शर्मा, आशीष शर्मा, दिनेश कुमार शर्मा, अर्पिता चौधरी, लक्ष्मीनारायण सैनी, आशुतोष दाधीच शामिल रहे। विशेषज्ञों की प्रभारी जया शर्मा ने स्थानीय भाषा शब्दकोश की हस्तलिखित प्रति प्रधानाचार्य राजेश कुमार शर्मा व वरिष्ठ व्याख्याता राजेंद्र कुमार शर्मा व सीएमडीई प्रभाग अध्यक्ष जेपी त्रिपाठी को भेंट की। यह कार्य निदेशक आरएससीईआरटी उदयपुर के दिशा निर्देशों के आधार पर सम्पन्न कराया गया। प्रभाग अध्यक्ष जेपी त्रिपाठी ने बताया कि शीघ्र ही इसका मुद्रण कराकर निदेशक आरएससीईआरटी उदयपुर भेजा जाएगा तथा उनके प्रमाणीकरण के पश्चात बून्दी जिले में इसका वितरण राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक विद्यालय को किया जाएगा। इस शब्दकोश को प्रतिवर्ष अपडेट भी किया जाएगा।

### नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आज

**बून्दी** (निसं)। राज्य कर्मचारियों पेंशनर्स तथा जरुरतमंद रोगियों के लिए अग्रवाल आई एंड स्किन हॉस्पिटल द्वारा 24 नवम्बर को अग्रवाल आई एंड स्किन हॉस्पिटल खोजा गेट रोड पर नि:शुल्क नेत्र रोग जांच एवं ऑपरेशन परामर्श शिविर प्रात: 10 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जायगा। शिविर में राज्य सरकारी कर्मचारियों व आरजीएचएस कार्ड धारक का नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन होगा। शिविर में मुख्य नेत्र विशेषज्ञ व रिफ्रैक्टिव सर्जन डॉ. संजय गुप्ता पेंशनर्स व नेत्र रोगियों को नि:शुल्क परामर्श देंगे व टोपिकल फेको पद्धित द्वारा बिना सुई बिना टांके व बिना पट्टी के मोतियाबिंद ऑपरेशन व फोल्डेबल लेंस प्रत्यारोपण करेंगे। संस्थान के प्रबंधक जयसिंह सोलंकी ने बताया कि शिविर में मोतियाबिंद, काला पानी, नाखूना, नासूर, भेंगापन, मूंदी पलके, आंखों की एलर्जी, ड्राई आई, बच्चों में होने वाला मोतियाबिंद, बच्चो का नासूर, दृष्टिदोष चोट के पश्चात बनने वाला मोतियाबिंद, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप से होने वाली परदे की बीमारियों आदि समस्त रोगों की जांच व उपचार किया जायेगा।

### युवक का शव मिला

**कोटा,** (निसं)। सिमलिया थाना इलाके में वाहन की टक्कर से नहर में गिरे बाईक सवार युवक का शव शनिवार को घटना से तीन किलोमीटर दूर नहर में मिला। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक खान की झोपडी निवासी सूरज (21) है, जो गुरूवार को बाईक से रानपुर से गांव आते समय सिमलिया क्षेत्र में वाहन की टक्कर से युवक नहर में गिर गया था। जिसकी नहर में गिरने की आशंका पर गोताखोरों द्वारा तलाश की जा रही थी। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों का सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

### पूनिया केंद्रीय पर्यवेक्षक बने

**बून्दी** (निसं)। हरियाणा भाजपा प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया को भाजपा संगठन चुनाव के केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाए जाने पर बून्दी भाजपा जिला प्रवक्ता अनिल जैन तालेडा ने भाजपा राष्ट्रीय संगठन का आभार व्यक्त किया है। भाजपा राष्ट्रीय संगठन ने सतीश पूनिया को हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड राज्य की जिम्मेदारी दी है। हरियाणा चुनाव में विजय के बाद सतीश पूनिया के बढते हुए कद को देखकर भाजपा राष्ट्रीय संगठन ने सतीश पूनिया को चार राज्यों के संगठन के चुनाव की बडी जिम्मेदारी दी है जिस पर अनिल जैन ने राष्ट्रीय संगठन का आभार जताया है।

### ऊर्जा राज्य मंत्री आज झालावाड़ दौरे पर

**झालावाड़** (निसं)। ऊर्जा विभाग राजस्थान सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर 24 नवम्बर को झालावाड़ के दौरे पर रहेंगे। निजी सचिव राजेन्द्र नागर ने जानकारी देते हुए बताया कि नागर 24 नवम्बर को चामुण्डा माता मन्दिर मोईकलां से प्रात: 10.10 बजे रवाना होकर प्रात: 11 बजे सर्किट हाऊस झालावाड़ पहुंचेंगे। इसके पश्चात् प्रात: 11.35 बजे खण्डिया पावर हाऊस कॉन्फ्रेन्स हॉल में विद्युत विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक लेंगे। तत्पश्चात् दोपहर 1.30 बजे कोटा के लिए प्रस्थान करेंगे।

### विभिन्न आरोपों में चार गिरफ्तार

**छबड़ा** (निसं)। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे तीन दिवसीय विशेष अभियान के तहत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। सीआई राजेश खटाना ने बताया कि जफर मोहम्मद निवासी जोहरीपुरा, कमलकिशोर कोली निवासी संजय कॉलोनी, लड्डूलाल निवासी छबड़ा को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से 1190 रूपए की सट्टा राशि व सट्टा उपकरण जब्त किए। वही, छीपाबडौद के खेडी निवासी मनीश धाकड़ को अवैध तलवार के साथ गिरफ्तार किया।

### नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर 25 को

**बूंदी** (निसं)। सिलोर संत कबीर लोक कल्याण सेवा संस्थान के तत्वाधान में काली तलाई गांव स्थित राधा कृष्ण मंदिर में 25 नवंबर को नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं नेत्र जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। संत सुबोध ने बताया कि सुबह 9 बजे से दोपहर 2 तक नेत्र परीक्षण किया जाएगा। बिरला आई हॉस्पिटल के डॉ. शैलेंद्र बिरला द्वारा ऑपरेशन योग्य मरीजों का ऑपरेशन किया जाएगा, साथ में दवाइयां और चश्मा भी नि:शुल्क दी जाएगी।

# पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया

## झालावाड़ में रेल आ चुकी है, अब हवाई जहाज भी उड़ेगा वह दिन दूर नहीं : वसुन्धरा राजे

**झालावाड़,** (निसं)। झालरापाटन में महाराणा प्रताप चौराहा (थाना चौराहे) पर शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा क्षेत्र झालरापाटन की विधायक वसुन्धरा राजे के मुख्य आतिथ्य में महाराणा प्रताप प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री एवं झालावाड-बारां सासंद दुष्यन्त सिंह द्वारा महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया गया।

प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन एक ऐतिहासिक दिन है जब झालावाड़ की इस पावन धरती पर महान योद्धा महाराणा प्रताप की 14 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया जा रहा है। उन्होंने प्रतिमा को इस धरती पर स्थापित करने में सहयोग प्रदान करने वाले भामाशाहों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वीर योद्धा महाराणा प्रताप ने मुगल सल्तनत के सामने सिर नहीं झुकाया और मातृभूमि की रक्षा के लिए 50000 सैनिकों की सेना का सीमित संसाधनों एवं केवल 20000 सैनिकों की सेना के साथ सामना किया।

उन्होंने कहा कि वीर योद्धा महाराणा प्रताप से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमें जब तक परिश्रम करते रहना चाहिए जब तक मंजिल ना मिल जाए। उन्होंने कहा कि आज झालावाड़ जिले में कई विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शुभारम्भ किया गया है, यह पहली बार नहीं हुआ है। झालावाड़ की जनता के प्रेम और आशीर्वाद से हमने यहां के लोगों को एक से एक सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास किया है, चाहे वो किसी भी क्षेत्र में हो। उन्होंने कहा कि 25 वर्ष पूर्व झालावाड़ से रेल निकलना एक सपना था लेकिन रामगंजमण्डी-भोपाल रेलवे लाइन के रूप में आज वो सपना साकार होता नजर आ रहा है। इसी प्रकार वो दिन दूर नहीं जब झालावाड़ की जमीन से हवाई सफर करना भी मुमकीन हो सकेगा।

**इन कार्यों का लोकार्पण एवं शुभारम्भ:-** पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे एवं झालावाड-बारां सांसद दुष्यन्त सिंह द्वारा झालावाड जिले को कई सौगातें देते हुए विभिन्न कार्यों का लोकार्पण एवं शुभारम्भ किया गया। इस दौरान 24.23 लाख रुपए की लागत के महात्मा गांधी स्कूल झालरापाटन में 2 कक्षा-कक्षों एवं 1 डोम शेड निर्माण कार्य, 8 लाख रुपए की लागत से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गिन्दौर में कक्षा-कक्ष का निर्माण, 15 लाख रुपए की लागत से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झालरापाटन में 2 कक्षा-कक्ष एवं बरामदा निर्माण, 10 लाख रुपए की लागत से राजकीय उच्च नूतन प्राथमिक विद्यालय झालरापाटन में इन्टरलोकिंग एवं छात्र-छात्राओं के लिए टॉयलेट निर्माण, 25 लाख रुपए की लागत से वार्ड संख्या 1 में भीलेश्वर महादेव मन्दिर पर सामुदायिक भवन का निर्माण, 25 लाख रुपए की लागत से वार्ड संख्या 34 में मेघवाल छात्रावास पर सामुदायिक भवन निर्माण, 18 लाख रुपए की लागत से वार्ड संख्या 10 में भूतेश्वर महादेव मन्दिर पर सामुदायिक भवन का निर्माण एवं 46 लाख रुपए की लागत से बने झालरापाटन के प्रवेश पर स्वागत द्वार का लोकार्पण किया गया।

**चिकित्सा क्षेत्र में इन कार्यों का किया लोकार्पण एवं शुभारम्भ:-** पूर्व मुख्यमंत्री एवं झालावाड-बारां सांसद द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज झालावाड संलग्न चिकित्सालय हीराकुंवर बा महिला चिकित्सालय में लेब का उद्घाटन किया गया। वहीं सेटेलाइट चिकित्सालय में डायलिसिस यूनिट एवं रामाश्रय वार्ड का शुभारंभ, सेटेलाइट चिकित्सालय में 75 लाख रुपए की लागत के ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट लेब का शुभारम्भ, 55-55 लाख रुपए की लागत के उप स्वास्थ्य केन्द्र बांसखेडी तहसील पिडावा, उप स्वास्थ्य केन्द्र खारपाकलां तहसील पिड़ावा, उप स्वास्थ्य केन्द्र मगीसपुर तहसील पिडावा एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र पृथ्याखेडी तहसील झालरापाटन का लोकार्पण किया गया।

**जनता क्लिनिक का शुभारम्भ:-** झालावाड़-बारां सांसद दुष्यन्त सिंह ने शनिवार को मिनी सचिवालय परिसर में शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर आरोग्यं परम् धनम की शुरूआत होने से यहां आने वाले लोगों को बहुत सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि मिनी सचिवालय में किसी ना किसी काम से आने वाले लोग इस स्वास्थ्य केन्द्र में अपने स्वास्थ्य की जांच करवा सकते हैं। साथ ही मिनी सचिवालय में कार्यरत समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी इसका भरपूर लाभ मिलेगा।

**पुलिस लाईन में सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण:-** झालावाड-बारां सांसद ने पुलिस लाईन झालावाड में सांसद कोष के माध्यम से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान मनोहरथाना विधायक गोविन्द रानीपुरिया, डग विधायक कालूराम मेघवाल, अंता विधायक कंवरलाल मीणा, पूर्व विधायक निर्मल सकलेचा, जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़, पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सत्यनारायण आमेटा, नगर परिषद् झालावाड़ के सभापति संजय शुक्ला, निवर्तमान जिलाध्यक्ष संजय जैन ताऊ, उप सभापति प्रदीप सिंह राजावत, आरपीएससी के पूर्व चेयरमेन श्याम सुन्दर शर्मा, मुकेश चेलावत, चन्द्रमोहन धाबाई एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

झालरापाटन में महाराणा प्रताप चौराहा पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे के मुख्य आतिथ्य में महाराणा प्रताप प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- महाराणा ने मातृभूमि की रक्षा के लिए दुश्मनों के सामने सिर नहीं झुकाया

### 'विकास कार्यों में विद्यार्थियों को भी सहभागिता निभानी होगी'

**बूंदी** (निसं)। शहर में नई पेयजल वितरण प्रणाली का कार्य कर रही राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता कार्यक्रम के तहत राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना की अधिशाषी अभियंता सोनम शर्मा के निर्देशानुसार शहर के आदर्श विद्या मंदिर,गुरु नानक कॉलोनी,बूँदी मैं विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम में परियोजना के बारे में जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में केप-आरयूआईडीपी के सचिन मुदगल ने बताया कि हम हमेशा से सुनते आये हैं जल ही जीवन है। जल के बिना सुनहरे कल की कल्पना नहीं की जा सकती, जीवन के सभी कार्यों का निष्पादन करने के लिये जल की आवश्यकता होती है। जल हमें प्रकृति के द्वारा दिया गया है तो हमें इसका सम्मान करना चाहिए न कि इसका व्यर्थ में बर्बाद करना चाहिए। जल के बिना जीवन असंभव है। अगर आज हमने जल का संरक्षण नहीं किया तो आने वाली भावी पीढ़ियां स्वच्छ पानी के लिए तरस जायेंगी।

जल संरक्षण पर बच्चों की भूमिका व नई जलप्रदाय योजना से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि नई जल प्रदाय योजना से पानी पर्याप्त एवं पूर्ण प्रेशर के साथ व मीटर युक्त मिलेगा। इसी क्रम में कैप जयपुर से आये एक्सपर्ट मनोज श्रीवास्तव ने बताया की फर्श को पाइप से धोने की बजाय पोछे से साफ करे सेविंग करते वक्त नल को खुला ना छोडे मग में पानी लेकर सेव करे इस प्रकार की छोटी छोटी आदतों से बहुत सारा पीने वाला पानी बचाया जा सकता है जो आज की बचत और कल का भविष्य है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक हेमेन्द्र कुमार गौतम ने जल के महत्व पर प्रकाश डाला।

# शहनाई की धुन पर महंगाई की मार

**छबड़ा** (निसं)। महंगा की मार रोजमर्रा की जरूरतों के साथ अब विवाह समारोहों पर भी पड़ रही है। बीते सालों की तुलना में सात फेरे 25 से 30 तक महंगे हो गए हैं। किसी भी मध्यम वर्गीय परिवार के लिए विवाह समारोह अब आसान नहीं रहा है। हालांकि इसके बाद भी लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ है। रीति-रिवाज के अनुसार लोग मैरिज गार्डन सहित हलवाई, बैंड आदि की एडवांस बुकिंग कर रहे हैं। खर्च घटाने के लिए मेनू में कटौती के साथ गैरजरूरी औपचारिकताओं को छोड बाकी रस्मों के लिए तैयारियां कर रहे हैं।

मध्यम वर्ग से लेकर एलीट वर्ग के लोग अपने बजट के अनुसार शादी हॉल बुक कर रहे हैं। महंगा के बाद भी बाहर जाकर बड़े और नामी डेस्टिनेशन बुक कर रहे हैं और आयोजन को भव्य बनाने के लिए इवेंट मैनेजमेंट का सहारा भी ले रहे हैं। देवउठनी एकादशी से शुरू होकर दिसंबर के अंत तक विवाह के मुहूर्त है।

इन दिनों विवाह समारोहों में कुछ अतिरिक्त खर्च बढ़ गए हैं। बॉलीवुड की तर्ज पर विवाह समारोहों का आयोजन होने लगा हैं। पहले जहां मेहंदी, हल्दी जैसे आयोजन घर की महिलाएं कर लिया करती थीं, वहीं अब ये पारंपरिक आयोजन भी बडे स्तर पर होने लगे हैं। जिनमें कपडों से लेकर सजावट, फोटो, वीडियोग्राफी पर बडा खर्च किया जा रहा है।

साथ ही पहले जहां विवाह कार्यक्रम शुरू होते ही घर की बुजुर्ग महिलाएं ढोलक पर मंगल गीत गाया करती थीं, हर रस्म के अलग गीत होते थे। लेकिन अब एक दिन महिला संगीत के लिए रखा जाता है, जिसके आयोजन पर बडा खर्च किया जाता है। प्री-वेडिंग फोटोग्राफी का खर्च भी विवाह समारोहों के खर्च में बढोतरी कर रहा है।

**भोजन डिमांड भी मल्टी डिश वाली:-** दरअसल, पहले विवाह आयोजनों में खाने का मेनू सामान्य और पारंपरिक होता था, लेकिन अब युवा और महिलाएं मेनू तय करते हैं। जिसमें पारंपरिक भोजन के साथ अब चाइनीज, कांटीनेंटल, इटालियन, मैक्सिकन फूड पसंद की जा रही हैं। इनके कारण भोजन का खर्च 40 से 50 प्रतिशत तक बढ़ गया है। पहले जहां 200 लोगों का भोजन 100 से 150 रुपए थाली के हिसाब से हो जाता था। वही अब बढ़कर 250 से 300 रुपए तक पहुंच गया है।

**गार्डन से लेकर डीजे तक महंगा:-** मैरिज गार्डनों की बुकिंग रेट में बढ़ोत्तरी होने का असर शादी कराने वाले परिवार पर पड रहा है। लोगों ने बताया कि हलवाई के रेट 25 प्रतिशत बढ़ गए हैं। वही, पिछले वर्ष घोडा 1100 से लेकर 2100 रुपए में बुक होता था, अब 3000 रुपए से 5100 रुपए तक लिए जा रहे हैं। पिछले वर्ष डीजे 8000 रुपए से लेकर 10000 रुपए में बुक होता था, अब 15000 रुपए से 25000 रुपए के साथ समय सीमा की शर्त भी रखने लगे है।

- 25 से 30 प्रतिषत तक महंगे हुए सात फेरे

# रचनात्मकता और अभिव्यक्ति कार्यक्रम आयोजित

विद्यालय में फैंसी ड्रेस व अंग्रेजी भाषा में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

**रावतभाटा,** (निसं)। श्रद्धालय पब्लिक विद्यालय में शनिवार को फैंसी ड्रेस व अंग्रेजी भाषा में भाषण प्रतियोगिता का शानदार आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने पुलिस अधिकारी, डॉक्टर, शिक्षक, सैनिक के साथ ही फलों, सब्जियों, विभिन्न जानवरों और मोर के रूप में अपनी भूमिकाओं को निभाया जिसे काफी सराहना मिली।

भाषण प्रतियोगिता में विभिन्न विषयों जैसे खेल दिवस, क्रिसमस उत्सव, हमारा देश और हमारे राज्य आदि में विद्यार्थियों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बच्चों ने भरपूर आत्मविश्वास दिखाया। इस आयोजन पर संस्था के चेयरमैन ए.जी. मिर्जा, डायरेक्टर डॉ. अजहर मिर्जा व डॉ.मजहर मिर्जा ने अपने संबोधन में बच्चों की प्रशंसा की और अभिभावकों को प्रोत्साहित किया कि वे अपने बच्चों को आगे भी स्कूल के इस तरह के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। प्राचार्या आरती मिश्रा ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों के अंदर छुपी हु प्रतिभा को उभार कर सामाजिक, बौद्धिक और नैतिक मूल्यों का विकास कराती है।

# जिला स्तरीय हस्तशिल्प व अमृता हाट में खरीददारी का रंग जमा

**बून्दी** (निसं)। बून्दी महोत्सव के तहत जिला प्रशासन एवं उद्यम प्रोत्साहन संस्थान बून्दी द्वारा बून्दी उद्योग एवं हस्तशिल्प मेला 2024 तथा महिला अधिकारिता विभाग, बून्दी द्वारा जिला स्तरीय अमृता हाट मेला 2024 का संयुक्त रूप से 19 से 28 नवम्बर 2024 तक कुम्भा स्टेडियम, छत्रपुरा रोड, बून्दी में आयोजन किया जा रहा है।

महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक भैरू प्रकाश नागर ने बताया कि मेले में आर्टिफिशयल ज्वैलरी, लाख की चुडियॉ, जर्मन केमिकल, लकडी के खिलोने, बलेक टेराकोट, मार्बल आयटम, कढाईदार ड्रेस, कोटा डोरिया, पूजन-पोशाक सामग्री, पर्दे-पर्स, पायदान, नमदे, बेडशीट, शॉल, जुतियां, लेदर एवं रेगजीन उत्पाद बंधेज, लहरिया, हर्बल एवं आयुर्वेदिक उत्पाद, अचार-मुरब्बा-पापड, मंगोडी, मसाले, नमकीन, रेडिमेड गारमेन्ट, पेपर मेसी-वर्क, घरेलू उपयोग सामग्री एवं अन्य हेण्डीक्राफ्ट उत्पाद उचित दर पर खरीदे जा रहे है। खान-पान, झूले, सांस्कृतिक मनोरंजन कार्यक्रम जैसे नुक्कड-नाटक व कटपुतली शो का प्रतिदिन आयोजन किया जा रहा है।

# कपिल गुप्ता ने एस.डी.पी. डोनेट की

**कोटा,** (निसं)। टीम जीवनदाता का एसडीपी डोनेट कर लोगों की मदद का अभियान निरंतर जारी है, ऐसे में कैलाशी बाई को बी-पॉजिटिव एसडीपी कपिल गुप्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई है। टीम जीवनदाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि कैलाशी बाई की तबीयत खराब थी, उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, उनके पुत्र राजेंद्र एवं जीजा हरि ओम परेशान हो रहे थे, टीम जीवनदाता से संपर्क करने के बाद उन्हें आश्वस्त किया गया कि उनकी बी पॉजिटिव एसडीपी की व्यवस्था हो जाएगी, यह पूरी बात कपिल गुप्ता ने सुनी तो उन्होंने एसडीपी डोनेट करने की इच्छा जाहिर की। वह एक शादी समारोह में थे, उन्होंने कैलाश बाई के लिए एसडीपी डोनेट करना पहले जरूरी समझा।

# बूंदी के इतिहास और स्थापत्य की जानकारी ली

बूंदी उत्सव के दौरान छात्र-छात्राओं ने शैक्षिणक भ्रमण किया।

**बूंदी** (निसं)। बूंदी उत्सव के दौरान सर्वोदय पैरामाउंट स्कूल के छात्र-छात्राओं ने शैक्षिणक भ्रमण आयोजित कर बूंदी के इतिहास और यहां की स्थापत्य कला के बारे में जानकारी प्राप्त की। सर्वोदय पैरामाउंट के सीईओ फारूख राणा तथा प्राचार्य वरिन्दर कौर के निर्देशन में छात्र-छात्राओं ने सुखमहल स्थित म्यूजियम को देखा और यहां राजा-महाराजाओं के पुराने अस्त्र-शस्त्र और अन्य कई सामग्रियां थी। पुराने हथियारों को देखकर बच्चे काफी रोमांचित हुए। सुखमहल में स्थित प्राचीन मूर्तियों बच्चों ने को भी बच्चों ने निहारा। बच्चों ने 84 खंभों की छतरी का अवलोकन किया। वहां पर राजस्थानी वेशभूषा में कलाकारों के साथ राजस्थानी पारंपरिक नृत्य किया।

सर्वोदय ग्रुप के चेयरमैन एजी मिर्जा ने बताया कि बच्चों के पढ़ाई के तनाव को कम करने के लिए स्कूल की ओर से समय-समय पर भ्रमण करवाया जाता है। ताकि उन्हें ज्ञान, नई ऊर्जा और तनावमुक्त वातावरण मिल सके। सर्वोदय ग्रुप के सीईओ फारूक राणा ने बच्चों को बूंदी की भौगोलिक स्थिति के बारे में बताया और बूंदी का इतिहास की जानकारी दी। इस दौरान कॉर्डीनेटर गरिमा शर्मा, स्वाति, नसरीन, खुशी, मनीषा, मुनव्वर और आरीफ भी मौजूद रहे।

# सांसद दुष्यंत सिंह ने शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शुभारंभ किया

**झालावाड़** (निसं)। झालावाड़-बांरा के लोकप्रिय सांसद दुष्यंत सिंह द्वारा मिनी सचिवालय स्थित शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शुभारंभ किया।

शुभारंभ कार्यक्रम में सांसद का स्वागत एएनएम प्रशिक्षिण केन्द्र में अध्ययनरत छात्राओं ने पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। सांसद, जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक ने एएनएम प्रशिक्षिण केन्द्र में अध्ययनरत छात्राओं के साथ गुप फोटा खिचवाया। जिले में नवनियुक्त नियमित एएनएम के द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत कर आभार प्रकट किया। शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर के बाहर एएनएम प्रशिक्षिण केन्द्र में अध्ययनरत छात्राओं द्वारा स्वागत रंगोली बनाई गई। सांसद द्वारा फिता काट कर शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर आमजन को समर्पित किया। शुभारंभ पश्चात् सांसद द्वारा जनता क्लिनिक में रजिस्ट्रेशन काउन्टर, चिकित्सक कक्ष, दवा कक्ष, लैब, ऑब्जवेशन बड, प्रतिक्षालय का निरीक्षण किया। जनता क्लिनिक के मिनी सचिवालय परिसर में आरम्भ होने पर मिनी सचिवालय परिसर में कार्यरत कार्मिको के साथ ही आस-पास के क्षेत्र की जनता को इसका लाभ मिलेगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. साजिद खान ने बताया की शुभारंभ समारोह में सांसद के साथ, जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड, पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सत्यनारायण अमेटा, उपखण्ड अधिकारी अभिषेक चारण, कालूराम मेघवाल विधायक डग, गोविन्द रानिपुरिया विधायक मनोहरथाना, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष संजय जैन, रंजीता पांडे महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष झालावाड चन्द्रमोहन दाभाई जिला अध्यक्ष, मुकेश चेलावत पूर्व कार्यालय प्रभारी बीजेपी, हर्षवर्धन शर्मा, नगर परिषद चैयरमैन संजय शुक्ला, पूर्व प्रधान अरुणा मीणा, लालीबाई, जिला महामंत्री राजेश जैन, यतिन यादव, संजय वर्मा एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

झालावाड़-बारां सांसद दुष्यंत सिंह ने शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शुभारंभ किया।

मुझे उम्मीद है कि मैं अपनी कमाई को अपने नए पारिवारिक घर में लगाऊंगा और भविष्य में अपनी बेटियों की शैक्षिक पसंद का समर्थन करूंगा। - हार्टे

**दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर, अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बोलते हुए।**

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी**

**यशस्वी जायसवाल**

**बॉर्डर-गावस्कर** ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया पर अपना शिकंजा कस लिया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज का पहला टेस्ट मुकाबला पर्थ क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टीम इंडिया ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 150 रन का स्कोर खडा किया था। इसके जवाब में मेजबान ऑस्ट्रेलिया सिर्फ 104 रन बनाकर सिमट गई, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में घातक गेंदबाजी के बाद टीम इंडिया ने अपनी दूसरी पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी से कंगारू टीम के होश उड़ा दिए।

**क्या आप जानते हैं ?...** ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड ने 1930 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान डॉन ब्रेडमैन द्वारा एक अखबार में लेक लिखने पर 50 पौंड का जुर्माना लगाया था।

# यशस्वी-राहुल को विराट कोहली ने किया सैल्यूट

## विकेट को तरसे कंगारू गेंदबाज

पर्थ, 23 नवम्बर। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 218 रनों की बढ़त हासिल कर ली। पहली पारी में 150 रनों पर ऑलआउट होने वाली टीम इंडिया ने दूसरी पारी में बिना विकेट गंवाए 172 रन बना लिए हैं और मैच पर मजबूत पकड़ भी बना ली है। वहीं यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को पहले विकेट के लिए तरसा दिया है।

जहां यशस्वी शतक के करीब पहुंच गए हैं, वहीं राहुल 62 रन बनाकर खेल रहे हैं। इन दोनों की पारी से विराट कोहली भी काफी इम्प्रेस हुए और उन्होंने मैदान पर जाकर दोनों खिलाड़ियों को सैल्यूट किया। ऑप्टस स्टेडियम में खेले जा रहे पहले मुकाबले में भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल दूसरी पारी में नाबाद लौटे। खेल खत्म होने के बाद खिलाड़ी जब मैदान से बाहर आ रहे थे तो विराट कोहली बल्लेबाजी प्रैक्टिस के लिए मैदान के अंदर पहुंचे, इस दौरान उन्होंने यशस्वी और केएल का इंतजार किया और जब वह पास में पहुंचे तो उन्हें बुलाया और फिर सैल्यूट किया। सोशल मीडिया पर विराट कोहली के इस जेस्चर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की अर्धशतकीय पारियों और पहले विकेट के लिए 172 रन की अटूट साझेदारी के दम पर भारत ने पहले टेस्ट में कुल 218 रन की बढ़त बना ली। बुमराह ने 11वीं बार पारी में पांच विकेट लेने का कमाल करके ऑस्ट्रेलिया को 104 रन पर समेट दिया। पहली पारी में 150 रन बनाने वाली भारतीय टीम को 46 रन की बढ़त मिली थी। वहीं दूसरे दिन का खेल खत्म होने पर जायसवाल 193 गेंद में सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 90 रन बनाकर खेल रहे थे, जबकि पहली पारी में तीसरे अंपायर के विवादस्पद फैसला का शिकार हुए राहुल ने 153 गेंद में 62 रन बना लिए हैं जिसमें चार चौके शामिल हैं।

## जर्मनी को हराकर नीदरलैंड पहली बार डेविस कप के फाइनल में

एम्स्टर्डम, 23 नवंबर। जर्मनी के खिलाफ 2-0 की जीत के साथ नीदरलैंड पहली बार डेविस कप के फाइनल में पहुंच गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को स्पैनियार्ड के करियर के अंतिम मैच में राफेल नडाल को हराने वाले बोटिक वैन डी ज़ैंडस्चुल्प ने शुक्रवार को पहले एकल मैच में डैनियल अल्टमायर को हराकर डच टीम को 1-0 से आगे कर दिया। दुनिया के 80वें नंबर के खिलाड़ी को रोमांचक मुकाबले में 6-4 6-7 (12-14) 6-3 से जीत हासिल करने के लिए 10 मैच प्वाइंट की जरूरत थी। ग्रिक्सपुर ने बेस्ट ऑफ थ्री टाई को निर्णायक युगल में जाने से रोक दिया। उन्होंने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जान-लेनार्ड स्ट्रूफ को 6-7 (4-7) 7-5 6-4 से हराया। ग्रिक्सपुर ने कहा, हमें खुद पर बहुत विश्वास था, हमें हमेशा लगता था कि यह संभव है इसलिए अब ऐसा करना अविश्वसनीय लगता है। रविवार के फाइनल में नीदरलैंड का सामना गत चैंपियन इटली या ऑस्ट्रेलिया से होगा। इटली की टीम का नेतृत्व विश्व के नंबर एक जैननिक सिनर कर रहे हैं। नीदरलैंड्स कप्तान पॉल हारहुइस ने कहा यह जीत रोमांचित करने वाली है अगर हम डेविस कप जीतते हैं तो हमारे लिये सुखद होगा क्योंकि हमारे पास वह शीर्ष-पांच खिलाड़ी नहीं है, हमारे पास वह शीर्ष - 10 खिलाड़ी नहीं है, हमारे पास वह शीर्ष -15 खिलाड़ी नहीं है - लेकिन यह एक टीम प्रयास है।

# आईपीएल में पंत पर बरसेंगे 25 करोड़

जेद्दा (सउदी अरब), 23 नवम्बर। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को होनी है। इस नीलामी में टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत सबसे महंगे खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। वहीं इस नीलामी में 577 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। आईपीएल की दस टीमों के पास 641.5 करोड़ रुपे का पर्स है और 204 संभावित चयन होने बाकी है। ऐसे में सभी की नजरें पंत के नाम पर लगी होंगी। पंजाब किंग्स के पास सभी टीमों में से सबसे ज्यादा 110.50 करोड़ रुपये है जबकि आरसीबी के पास 83 करोड़ रुपये हैं।

बता दें कि, दिल्ली कैपिटल्स के पास 73 करोड़ रुपये और राइट टू मैच कार्ड है, जिससे वे अपने पूर्व कप्तान को खरीद सकते हैं। वैसे समझा जाता है कि पंत नहीं चाहते

कि दिल्ली आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल करे क्योंकि अलग होते संबंधों में दरार आ गई थी और पंत खुद को अब टीम का हिस्सा नहीं मानते। उन्होंने कहा भी था कि मेरा रिटेंशन पैसे को लेकर नहीं था। ये तय है। जिसके बाद सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या पंत 25 करोड़ रुपये पार करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनेंगे।

वहीं चेन्नई सुपर किंग्स या मुंबई इंडियंस के पास महज 45 करोड़ रुपये है और वे उन्हें इस कीमत पर खरीदने की स्थिति में नहीं होंगे। हर दो साल में टीम बदलने के लिए महशूर पंजाब किंग्स के पास काफी पैसा मौजूद है और मुख्य कोच रिकी पोंटिंग अपने पसंदीदा खिलाड़ी के साथ फिर एकजुट होना चाहेंगे। नीलामी के लिए 81 खिलाड़ियों का बेसप्राइज दो करोड़ रुपये है। मौजूदा क्रिकेटर एक मिलियन डॉलर यानी 8.5 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर सकते हैं।

## अय्यर 21 करोड़ में बिके, शतक के बाद मचाया धमाल

जेद्दा (सउदी अरब), 23 नवम्बर। टीम इंडिया से बाहर चल रहे श्रेयस अय्यर ने दमदार प्रदर्शन करते हुए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शतक जड़ दिया। अय्यर के शतक के दम पर मुंबई ने इस मुकाबले में गोवा को हरा दिया अय्यर को शतक लगाने के बाद मॉक ऑक्शन में तगड़ा फायदा मिला। वहीं आईपीएल 2025 का मेगा ऑक्शन रविवार यानी 24 नवंबर से होगा। लेकिन इससे पहले एक मॉक ऑक्शन में अय्यर को कोलकाता नाइट राइडर्स ने करोड़ों में खरीदा।

दरअसल, जियो सिनेमा ने एक मॉक ऑक्शन करवाया है। इसमें अय्यर को

कोलकाता ने 21 करोड़ रुपये में खरीदा। अय्यर पर और भी टीमों ने दांव लगाए। लेकिन केकेआर ने बाजी मार ली। अय्यर ने हाल ही में मुंबई के लिए शतक जड़ा है। उन्होंने गोवा के खिलाफ विस्फोटक पारी खेली। अय्यर ने 57 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 30 रन बनाए। श्रेयस की इस पारी में 11 चौके और 10 छक्के शामिल रहे।

इस बार आईपीएल 2025 का मेगा ऑक्शन सउदी अरब के जेद्दा में आयोजित होगा। ये 24 और 25 नवंबर को होगा। ऑक्शन से पहले टीमों ने खिलाड़ियों की रिटेन लिस्ट जारी की थी। कोलकाता नाइट राइडर्स ने कप्तान अय्यर को रिटेन नहीं किया। टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया। अय्यर फॉर्म में हैं और पिछली कई पारियों में बेहतरीन प्रदर्शन कर चुके हैं। जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि मेगा ऑक्शन में उनके नाम पर बड़ी बोली लग सकती है।

## बांग्लादेश के खिलाफ पहले दिन वेस्टइंडीज की मजबूत शुरुआत

एंटीगुआ, 23 नवंबर। सलामी बल्लेबाज मिकाइल लुइस (97) और एलिक अथानाज़ (90) के बीच चौथे विकेट के लिये 140 रनों की महत्वपूर्ण साझीदारी की मदद से वेस्टइंडीज ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले दिन शनिवार को पांच विकेट पर 250 रन बना लिये। तीन विकेट मात्र 84 रन पर गिरने के बाद मेजबान टीम संकट में थी मगर लुईस और अथानाज़ की जोड़ी ने न सिर्फ उसे संकट से उबारा बल्कि एक महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को एक बड़े स्कोर की ओर अग्रसर कर दिया। लुइस हालांकि अपने अपने पहले टेस्ट शतक से मात्र तीन पीछे रह गए। वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाजों ने शुरू में सीम मूवमेंट को अच्छी तरह से संभाला, लेकिन टीम ने दिन की शुरुआत में ही दो विकेट जल्दी खो दिए। दिन के खेल खत्म होने के समय जस्टिन ग्रीव्स (11) और जोशुआ दा सिल्वा (14) बना कर क्रीज पर नाबाद हैं।

## लखनऊ में शुरु हुआ विकसित भारत चैलेंज

लखनऊ, 23 नवंबर। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ ने नेहरू युवा केंद्र संगठन के सहयोग से 'विकसित भारत चैलेंज' के लिए जागरूकता अभियान चलाया है। राष्ट्रीय युवा महोत्सव ने शनिवर को विकसित भारत चैलेंज का शुभारंभ किया। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का उद्देश्य युवाओं की प्रतिभा को पहचानना और उसे प्रोत्साहित करना है, जिससे उन्हें 'विकसित भारत' के लिए अपने विचार साझा करने का एक मंच मिल सके । इस आयोजन का मुख्य आकर्षण यह होगा कि युवा सीधे प्रधानमंत्री के साथ संवाद कर सकेंगे और भारत के भविष्य के लिए अपने विचार प्रस्तुत करेंगे, जिससे राजनीति और सामाजिक जीवन में युवाओं की भागीदारी बढ़ेगी। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान 11 और 12 जनवरी 2025 को आयोजित होगा। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली के भारत मंडपम में 3000 युवा नेताओं के साथ संवाद करेंगे। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 तीन मुख्य श्रेणियों के प्रतिभागियों को एक साथ लाएगा। पहली श्रेणी में ''विकसित भारत चैलेंज'' के प्रतिभागी शामिल होंगे। दूसरी श्रेणी में जिला और राज्य स्तर के युवा महोत्सवों में चुने गए युवा शामिल होंगे, जिन्होंने पेंटिंग, विज्ञान प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भाषण प्रतियोगिताओं जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। तीसरी श्रेणी में ऐसे युवा आइकन और प्रेरक हस्तियां शामिल होंगी, जिन्होंने उद्यिमता, खेल, कृषि और तकनीक जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

## छत्तीसगढ़ को हराकर ओडिशा संतोष ट्रॉफी के फाइनल दौर में

अमृतसर, 23 नवंबर। ओडिशा ने 78वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप के ग्रुप एफ क्वालीफायर से संतोष ट्रॉफी के लिए छत्तीसगढ़ को शनिवार को 4-1 से हराकर फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई किया। जीएनडीयू स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में ओडिशा ने तीन टीमों के ग्रुप में दोनों मैच जीतकर छह अंक जुटाए। उन्होंने 10 गोल किये और दो गोल खाये। ओडिशा ने आक्रमक शुरूआत की और चौथे मिनट में पहला गोल कर लिया। हमेशा मुश्किल हालात में रहने वाले कुशल स्ट्राइकर रोशन पन्ना ने दाहिनी ओर से क्रॉस भेजने से पहले कुछ रक्षकों को छकाते हुए शुरुआती स्पैडवर्क किया। ओडिशा के कार्तिक हंतल ने 39वें मिनट में दूसरा गोल किया। ओडिशा ने दूसरे हाफ में प्रतिद्वंद्वी गोल पर प्रहार करना जारी रखा और 53वें मिनट में अपना तीसरा गोल किया जब कार्तिक हंतल ने जवाबी हमले का भरपूर फायदा उठाते हुए अपने व्यक्तिगत स्कोर में दूसरा गोल जोड़ लिया। अगला गोल कुछ मिनट बाद आया।

# सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तिलक वर्मा का बेहतरीन प्रदर्शन

## टी-20 सीरीज में 150 से ज्यादा का स्कोर करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में इतिहास रच दिया है। उन्होंने मेघालय के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया। इसके साथ ही वह टी20 क्रिकेट में लगातार तीन शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। तिलक वर्मा ने इससे पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के आखिरी दोनों मुकाबलों में शतक लगाए थे। तिलक वर्मा टी20 सीरीज में 150 से ज्यादा का स्कोर करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी भी बने। उन्होंने श्रेयस अय्यर के पिछले सर्वश्रेष्ठ स्कोर 147 को पीछे छोड़ दिया है। तिलक ने 67 गेंदों पर 14 चौकों और 10 छक्कों की मदद से 151 रन बनाए।

हैदराबाद के कप्तान तिलक वर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के पहले मैच में मेघालय के खिलाफ महज 51 गेंद में अपना शतक पूरा किया। ये 10 दिन में तीसरा मौका था जब उन्होंने टी20 क्रिकेट में 3 अंकों का आंकड़ा पार किया। तिलक वर्मा मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आए। उन्होंने 28 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

संयोगवश साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में ही तिलक वर्मा टीम इंडिया के अपने साथी संजू सैमसन के बाद लगातार टी20 शतक बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने थे। 22 वर्षीय तिलक वर्मा ने अब तक कुल 92 टी20 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 90 पारियों में 3,006 टी20 रन बनाए हैं इसमें उनके 4 शतक भी शामिल हैं।

## भारत ने स्पेशल ओलंपिक्स एशिया पैसिफिक में जीते 25 पदक

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। भारत ने थायागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और आरक्यूब मोनाड में संपन्न हुई पहली स्पेशल ओलंपिक्स एशिया पैसिफिक बोचे और बॉलिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 25 पदक हासिल किए हैं। भारतीय बॉलिंग दल ने 14 पदकों का योगदान दिया, जिसमें चार स्वर्ण, छह रजत और चार कांस्य शामिल हैं, जबकि बोचे टीम ने 11 पदकों में एक स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य अपने नाम किए। महिला बॉलिंग टीम का प्रदर्शन खासतौर पर प्रभावशाली रहा, जिसने भारत के चार स्वर्ण पदकों में से तीन पर कब्जा किया। श्रद्धा पटेल, नेहा सिंह, शिमरन पुजारा और सुसरी संगीता नायक की चौकड़ी ने टीम इवेंट के फाइनल में मलेशिया को हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद श्रद्धा और शिमरन ने नेहा और सुसरी संगीता नायक को डबल्स इवेंट के फाइनल में हराकर टूर्नामेंट का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। सिंगल्स इवेंट में नेहा ने फाइनल में श्रद्धा को हराकर डिवीजन 3 का स्वर्ण पदक जीता और टूर्नामेंट में तीन पदक अपने नाम किए। सुसरी और शिमरन ने भी डिवीजन 1 और 2 में कांस्य पदक जीतकर अपने तीसरे-तीसरे पदक हासिल किए।

# एचआईएल की कमाई से परिवार का भविष्य बनाना है : हार्टे

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए खेलने के लिए तैयार आयरिश हॉकी के दिग्गज डेविड हार्टे ने कहा है कि लीग से अपनी कमाई का उपयोग वह अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए करेंगे । हार्टे को एचआईएल नीलामी में 32 लाख रुपये में बेचा गया था। वह अपने परिवार के लिए एक नए घर और अपनी बेटियों की शिक्षा के लिए धन का उपयोग करने की उम्मीद कर रहे हैं।

'एचआईएल बियॉन्ड द गेम सीरीज़' के हिस्से के रूप में विशेष साक्षात्कार में, हार्टे ने कहा, पहले एचआईएल का अनुभव करने के बाद, स्टेडियम में प्रशंसक और भीड़ ही मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है। मेरा पहला भारतीय हॉकी अनुभव 2013 में नई दिल्ली में था, और मैं स्टेडियम के आकार और भारतीय समर्थकों के जुनून से दंग रह गया था । दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपरों में से एक हार्टे ने कहा मुझे लगता है कि एचआईएल हमारे खेल को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा दे सकता है।

अपनी मैदानी उपलब्धियों के अलावा, आयरिश कप्तान अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हार्ट ने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं अपनी कमाई को अपने नए पारिवारिक घर में लगाऊंगा और भविष्य में अपनी बेटियों की शैक्षिक पसंद का समर्थन करूंगा। अपने हाल के अंतरराष्ट्रीय करियर पर विचार करते हुए हर्ट ने कहा पेरिस में अपने दूसरे ओलंपिक खेलों में भागीदारी एक असाधारण क्षण था जिसे परिवार और दोस्तों के साथ मेरी बेटियों ने इसे और भी खास बना दिया। तमिलनाडु अपने एचआईएल 2024-25 अभियान की शुरुआत 29 दिसंबर को राउरकेला में श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के खिलाफ करेगा।

## हरियाणा ने जयपुर पिंक पैंथर्स को 43-30 से हराया

नोएडा, 23 नवंबर। विनय (11) और शिवम पटारे (11) के अलावा मोहम्मदरेजा शादलू (5) के शानदार प्रदर्शन के दम पर हरियाणा स्टीलर्स ने शनिवार को नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 72वें मैच में जयपुर पिंक पैंथर्स को 43-30 के अंतर से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। अपनी टीम को लगातार दूसरी जीत दिलाने के प्रयास में मनप्रीत के रेडरों ने 24 के मुकाबले 27 अंक जुटाए जबकि डिफेंस ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 5 के मुकाबले 12 शिकार किए। नवीन और राहुल ने तीन-तीन टैकल किए। दो बार आउट होने वाली जयपुर की टीम के लिए रेड मशीन अर्जुन देसवाल (16) के अलावा कोई खिलाड़ी चल नहीं सका।

## पिंक स्टार डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग सीजन-6 का शुभारम्भ

जयपुर, 23 नवंबर। डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग का छठा संस्करण 22 नवंबर से स्पोफिट अकादमी में आरम्भ हुआ। लीग संयोजक डॉ हरीश भारद्वाज ने बताया कि डॉक्टर्स का यह दस दिवसीय टूर्नामेंट 1 दिसंबर तक चलेगा। डॉ भारद्वाज ने बताया कि लीग की शुरुआत टीम इवेंट मुकाबलों में बॉयज कैटेगरी से हुई जिसमे लिपि लेजेंड्स ने आँच टाइटन्स को 3-2 से हराया। खंडेलवाल हार्ट इंस्टीट्यूट ने आइकॉन हॉस्पिटल को 3-0 से हराया। आयोजन सचिव डॉ हनुमान खोजा ने बताया कि लीग के शुभारम्भ के अवसर पर पिंकस्टार हॉस्पिटल के निदेशक डॉ राजवेंद्र चौधरी ने चिकित्सकीय कार्य के साथ खेलों की उपयोगिता पर अपने विचार रखे। लीग कॉर्डिनेटर डॉ सुधांशु शर्मा ने बताया कि किड्स वर्ग में रमैया हॉस्पिटल वारियर्स और जयपुर लिटिल स्मैशरस के बीच मुकाबला 2-2 की बराबरी पर है, एक मैच अभी बाकी है। लीग कॉर्डिनेटर निधि पुनिया ने बताया कि वरिष्ठ वर्ग में दीप हॉस्पिटल ने यूरो शूटर्स पर रोमांचक मुकाबले में 3-2 से विजय प्राप्त करी। रावत आई हॉस्पिटल ने पिंक विनायक हॉस्पिटल टीम को 4-1 से हराया। फ्लो केअर टीम ने एन एच बी एच टीम को 4-1 से हराया। लीग कॉर्डिनेटर डॉ दिलीप गुप्ता व डॉ अजीत जैन ने बताया कि इस बार इस टूर्नामेंट में विभिन्न कैटेगिरी में 44 टीमें भाग ले रही हैं जिनमें जयपुर और अन्य शहरों के लगभग 300 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। टीम इवेंट के अतिरिक्त विभिन्न वर्गों में ओपन मुकाबले भी होंगे।

# सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान ने बिहार को हराया

जयपुर, 23 नवम्बर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के आज राजकोट में खेले गए राजस्थान - बिहार मैच में राजस्थान ने बिहार को 108 रनो के विशाल अंतर से हराया। राजस्थान की जीत में महिपाल लोमरोर, अभिजीत तोमर, जुबेर अली, भारत शर्मा, राहुल चाहर, दीपक चाहर का शानदार प्रदर्शन।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम के सलामी बल्लेबाजों भारत शर्मा व अभिजीत तोमर ने मात्र 3.5 ओवर में पहले विकेट के लिए 56 रनो की आक्रामक शुरुआत की। भारत शर्मा ने 10 गेंदों पर 2 छक्कों व 3 चौकों की सहायता से 27 रनो का योगदान दिया। अभिजीत तोमर ने 33 गेंदों पर 5 छक्के व 5 चौक्कों के सहायता से 64 रन, युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा ने 18 गेंदों पर 6 छक्कों की सहायता से 23 रनो का योगदान दिया। पांचवे विकेट के लिए कप्तान महिपाल लोमरोर व जुबेर अली ने 125 रनो की नाबाद साझेदारी करते हुए टीम के स्कोर को निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 224 रनो के स्कोर तक पहुँचाया। महिपाल लोमरोर ने 32 गेंदों पर 4 छक्के व 2 चौक्को की सहायता से नाबाद 51 व जुबेर अली ने 26 गेंदों पर 3 छक्के व 5 चौक्कों की सहायता से नाबाद 49 रनो का योगदान दिया।

राजस्थान के गेंदबाज मानव सुथार 12/2, राहुल चाहर 14/2, दीपक चाहर 19/2, महिपाल लोमरोर 21/1 व कमलेश नागरकोठी 22/1 ने विकेट प्राप्त करते हुए प्रतियोगिता ने राजस्थान का जीत के साथ आगाज करने में अहम् योगदान दिया।

### राज्य स्तरीय अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता

राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता में धौलपुर, उदयपुर, भरतपुर, कोटा, अजमेर, अलवर, जोधपुर व हनुमानगढ़ ने प्रतियोगिता के क्वाटर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता के 2 दिवसीय क्वाटर फाइनल आगामी 25-26 नवम्बर को जयपुर में खेले जायेंगे।

### राष्ट्रीय वीमेन अंडर-15 क्रिकेट प्रतियोगिता

## राजस्थान ने उत्तर प्रदेश को हराया

### रोचले यादव का शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन

जयपुर, 23 नवम्बर। पुणे में खेली जा रही बीसीसीआई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अंडर 15 एक दिवसीय ट्रॉफी मैच में राजस्थान ने उत्तर प्रदेश को रोमांचक मैच मे 1 रन से हराया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम ने रोचले यादव व काव्या बिश्नोई की शानदार पारियों की सहायता से टीम को 151 रनो के स्कोर तक पहुँचाया टीम के लिए रोचले यादव 66 गेंदों पर 9 चौक्कों की सहायता से 48 रन व सरिता कसाना 56 गेंदों पर 6 चौक्कों की सहायता से 38 रनो का योगदान दिया साथ ही प्रीति कसाना 15 व गौरवी खंगारोत 12 रनो का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए उत्तर प्रदेश टीम राजस्थान की गेंदबाजो के सामने निर्धारित 35 ओवर में 150 रनो के स्कोर पर आल आउट हो गयी राजस्थान की गेंदबाज रोचले यादव 27/3, माहिरा खान 18/2 व प्रीति कसाना 19/1 विकेट प्राप्त किये व राजस्थान के फील्डर्स ने शानदार फील्डिंग करते हुए उत्तर प्रदेश के 3 बल्लेबाजों को रन आउट करते हुए मैच में राजस्थान को रोमांचक व बड़ी जीत दिलाई।

# 26वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब अरावली को

जयपुर, 23 नवम्बर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 26 वीं नवीन नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का तीसरा फाईनल मैच अरावली क्रिकेट ऐकेडमी हाथोज में पी. एस. क्रिकेट एकेडमी व अरावली क्रिकेट ऐकेडमी के मध्य खेला गया। जिसमें विशाल गोदारा 75 रन व 22 रन पर 2 विकेट के ऑल राउन्ड प्रदर्शन तथा करन चौधरी 37 रन पर 4 विकेट के शानदार गेंदवाजी के बदोलत अरावली क्रिकेट आकेडमी ने पी.एस. क्रिकेट एकेडमी को 67 रन से हरा कर तीसरा फाइनल भी अपने नाम कर लिया।

टॉस जीतकर अरावली एकेडमी ने पहले बल्लेवाजी करते हुए विशाल गोदारा 75 रन (39 गेंद 11 चौके 4 छक्के) दिव्य गजराज 51 रन प्रहलाद यादव 37 रन की मदद से 29.4 ओवर में ऑल आउट होने से पहले 224 रन बनाए पी.एस एकेडमी की तरफ से मनीष टांक 21 रन पर 3 विकेट, देवराज सैनी 36 रन पर 2 विकेट, दीपक चौधरी 48 रन पर 2 विकेट, भूपेंन्द्र शर्मा 49 रन पर 2 विकेट लेकर सफल गेंदवाज रहे। जवाबी पारी में पी.एस एकेडमी ने शिवेन्द्र सिंह 38 रन मनीष टांक 39 रन आदित्य चौधरी 39 रन दीपक चौधरी 26 रन ने कि शुरूआत करते हुए स्कोर 2 विकेट पर 132 रन पहुँचा दिए। लेकिन अरावली के गेंदबाजो करण चौधरी 37 रन पर 4 विकेट, विशाल गोदार 22 रन पर 2 विकेट, प्रशान्त माली 17 रन पर 2 विकेट प्रशान्त यादव 24 रन पर 1 विकेट लेकर पी.एस एकेडमी की पुरी टीम को 27.3 ओवर में 157 रन पर ही ऑल आउट कर अरावली की टीम को 67 रन से जीत दिलाकर लगातार तीसरा फाइनल जीता दिया। प्रतियोगिता का पारितोषिक वितरण राजस्थान क्रिकेट संघ के पूर्व वरिष्ट उपाध्यक्ष डॉ. वी आर सोनी ने किया। विजेता अरावली क्लब को 25000 / हजार रूपये नगद व ट्राफी, उप विजेता पी.एस एकेडमी को 15000 / हजार रूपये नगद तथा ट्राफी प्रदान कि गई। प्रतियोगिता के मैन ऑफ दा टूर्नामेंट दीपक चौधरी को 2100 रूपये नगद, बेस्ट बल्लेबाज प्रशान्त माली 1100 / रूपये नगद, बेस्ट बॉलर आदित्य टांक 1100 / रूपये नगद बेस्ट फील्डर राहुल खण्डेलवाल 1100 / रूपये नगद रहे। प्रतियोगितर में 25 टीम ने भाग लिया था जिस में लीग आधार 50 मैच खेले गये जिसमें 5 पूल से 4-4 टीमों न नॉक आउट में प्रवेश किया जिसमें पूर्व क्वार्टर फाईनल तक के सभी मैच 20-20 ओवर के खेले गये जब कि, क्वार्टर फाईनल सेमी फाईनल तथा तीनो फाईनल तक सभी मैच 40-40 ओवर खेले गये मैच प्रतियोगिता में कुल 71 मैच खेले गये। सभी मैचो का मैन ऑफ द मैच का पुस्कार भी दिया जायेगा ये पुरुस्कार सोनी ग्रुप्स आफ हॉस्पिटल्स तथा गुडेऐज फर्निचर द्वारा प्रायोजित किया गया था।

# 'गैरों में कहाँ दम था, मुझे, तो सदा अपनों ने ही मारा है'

## दौसा उपचुनाव में जगमोहन मीणा की हार के बाद डॉ. किरोड़ी का भाव भरा बयान

जयपुर, 23 नवम्बर। कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने दौसा उपचुनाव में अपने भाई जगमोहन मीणा की हार के बाद एक बयान जारी किया है। राजनीतिक गलियारों में इस बयान के कई मायने निकाले जा रहे हैं। डॉ. मीणा ने कहा, 5 साल हो गए, राजनीति के सफर के दौरान सभी वर्गों के लिए संघर्ष किया। जनहित में सैंकड़ों आंदोलन किए, साहस से लड़ा। बदले में पुलिस के हाथों अनगिनत चोटें खाईं। आज भी बदरा घिरते हैं तो समूचा बदन कराह उठता है। मीसा से लेकर जनता की खातिर दर्जनों बार जेल की सलाखों के पीछे रहा। संघर्ष की इसी मजबूत नींव और सशक्त धरातल के बूते दौसा का उपचुनाव लड़ा। जनता के आगे संघर्ष की दास्तां रखी। घर-घर जाकर वोटों की भीख भी मांगी। फिर भी कुछ लोगों का दिल नहीं पसीजा।"

किरोड़ी लाल ने बयान में आगे कहा, "भितरघाती मेरे सीने में वाणों की वर्षा कर देते तो मैं दर्द को सीने में दबा सारी बातों को दफन कर देता, लेकिन उन्होंने मेघनाथ बनकर मेरे

- **उन्होंने कहा, भीतरघाती मेरे सीने में बाणों की वर्षा कर देते तो मैं दर्द को सीने में दबा कर सारी बातों को दफन कर देता, लेकिन उन्होंने मेघनाद बन कर मेरे लक्ष्मण जैसे भाई पर शक्ति का बाण चला दिया।**

लक्ष्मण जैसे भाई पर शक्ति का बाण चला डाला। साढ़े चार दशक के संघर्ष से न तो हताश हूँ और न ही निराश। पराजय ने मुझे सबक अवश्य सिखाया है लेकिन विचलित नहीं हूं। आगे भी संघर्ष के इसी पथ पर बढ़ते रहने के लिए कृतसंकल्प हूं। गरीब, मजदूर, किसान और हरेक दुखिया की सेवा के व्रत को कभी नहीं छोड सकता, परन्तु हृदय में एक पीड़ा अवश्य है। यह बहुत गहरी भी है और पल-प्रति-पल सताने वाली भी।

जिस भाई ने परछाईं बनकर जीवन भर मेरा साथ दिया, मेरी हर पीड़ा का शमन किया, उऋण होने का मौका आया तो कुछ जयचंदों के कारण मैं उसके ऋण को चुका नहीं पाया। मुझमें बस एक ही कमी है कि मैं चाटुकारिता नहीं करता और इसी प्रवृत्ति के चलते मैंने राजनीतिक जीवन में बहुत नुकसान उठाया है। स्वाभिमानी हूं। जनता की खातिर जान की बाजी लगा सकता हूं। गैरों में कहां दम था, मुझे तो सदा अपनों ने ही मारा है।"

### राजस्थान में ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

पार्टी को यदि भविष्य में अपना अस्तित्व बचाना है, तो उसे शक्तिशाली क्षेत्रीय तथा जाति आधारित नेता तैयार करने होंगे, जिनका व्यापक प्रभाव हो। राजस्थान उपचुनाव से कांग्रेस को सीख लेने की ज़रुरत है, क्योंकि उसके लिए भविष्य के आयाम चिंताजनक हैं।

### प्रियंका गाँधी सशक्त बनेंगी

नयी दिल्ली, 23 नवंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को भारी मतों से जिताने के लिए वायनाड के लोगों का आभार जताया। खड़गे ने शनिवार को कहा, देश के नेतृत्व में वायनाड अपना योगदान देता रहेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि श्रीमती प्रियंका गांधी संसद में वायनाड और देश के लोगों की सशक्त आवाज बनेंगी।" उन्होंने कहा कि श्रीमती वाड्रा का कुशल नेतृत्व, करुणा, शालीनता और दृढ़ संकल्प तथा संविधान के सिद्धांतों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और समृद्ध बनाएगी।

### राहुल ने झारखंड की जीत पर आभार जताया

नयी दिल्ली, 23 नवंबर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को झारखंड में इंडिया गठबंधन की जीत के लिए लोगों को धन्यवाद दिया और झारखंड मुक्ति मोर्चा तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जीत की शुभकामनाएं दीं। कांग्रेस नेता ने महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव परिणामों को अप्रत्याशित बताया और कहा कि बाद

- **उन्होंने कहा झारखंड में इंडिया गठबंधन की जीत संविधान तथा जंगल-जीवन की रक्षा की जीत है।**

में गठबंधन के हार के कारणों की समीक्षा की जाएगी। गांधी ने कहा, "झारखंड के लोगों का, इंडिया गठबंधन को विशाल जनादेश देने के लिए दिल से धन्यवाद। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी, कांग्रेस और झामुमो के सभी कार्यकर्ताओं को इस विजय के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

# खींवसर और दौसा उपचुनाव में नये राजनीतिक समीकरण उभरे

## परिवारवाद तथा जमीनी स्तर पर कमजोरी ने डॉ. किरोड़ी व हनुमान बेनीवाल की प्रतिष्ठा को चोट पहुँचाई

जयपुर, 23 नवम्बर। उपचुनावों के दौरान हॉट सीट मानी जाने वाली दौसा और खींवसर में वोटर्स के रुझान ने सियासत को गरमा दिया है। दौसा में मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगमोहन और खींवसर में हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका बेनीवाल की हार ने नए सियासी समीकरणों की तरफ इशारा किया है। दौसा में पायलट समर्थक दीनदयाल बैरवा ने जगमोहन मीणा को हराया है। खींवसर में हनुमान बेनीवाल के कार्यकर्ता रहे रेवंतराम डांगा ने भाजपा के टिकट पर उन्हें हरा दिया। इन दोनों सीटों के नतीजों ने राजस्थान की राजनीति के दो बड़े दिग्गजों के सियासी कथानक को प्रभावित किया है।

डॉ. मीणा ने छोटे भाई जगमोहन के लिए प्रचार प्रसार के दौरान सभी तरह के हथकंडे अपनाये। गले में "भिक्षाम् देहि" का बोर्ड लटकाकर किरोड़ी लाल मीणा ने वोट की भीख मांगी, लेकिन जनता ने अपना फैसला सुना दिया। सियासी हलकों में इस हार को डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की जमीनी सियासत पर कमजोर होती पकड़ से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके अलावा, भाजपा उम्मीदवार, मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के भाई की हार के पीछे भितरघात को एक बड़ा फैक्टर माना जा रहा है। भाजपा का एक खेमा भी नाराज था। पूर्व विधायक शंकरलाल शर्मा का टिकट कटने से उनके समर्थक नाराज थे। गैर आरक्षित सीट पर जनरल कास्ट के उम्मीदवार की जगह भाजपा ने जगमोहन मीणा को टिकट दिया,

- **दौसा में भाजपा की हार का कारण यह माना जाता है कि पार्टी ने एक ही परिवार में सत्ता का केन्द्रीकरण कर दिया। जनरल सीट से मीणा को टिकट देने से भाजपा के परम्परागत वोटर छिटक गये।**
- **बेनीवाल की पत्नी को टिकट भी परिवारवाद का प्रतीक माना गया। साथ ही दुर्ग सिंह के भाजपा में शामिल होने से भाजपा के वोटों का बंटवारा नहीं हुआ।**

जिससे सामान्य वर्ग के वोटर्स में नाराजगी थी।

किरोड़ी- विरोधी खेमे ने परिवारवाद को भी बड़ा मुद्दा बनाया था। विरोधियों ने कहा कि किरोड़ी खुद मंत्री हैं, उनके भतीजे राजेन्द्र मीणा महुवा से भाजपा विधायक हैं। अब छोटे भाई जगमोहन मीणा को टिकट देकर एक ही परिवार में सत्ता का केन्द्रीयकरण कर दिया गया है। इस फैक्टर ने भी उन्हें नुकसान पहुँचाया। दौसा में कांग्रेस उम्मीदवार दीनदयाल बैरवा सचिन पायलट समर्थक हैं। इस सीट पर कांग्रेस के सभी बड़े नेता प्रचार के लिए गए। सचिन पायलट ने भी दो दिन घूमकर प्रचार किया था। पायलट के लिए यह सीट प्रतिष्ठा की सीट थी। गुर्जर, दलित और मुस्लिम वोट कांग्रेस को मिला, मीणा वोटों में भी विभाजन हो गया। इसका फायदा सीधा कांग्रेस को मिला। किरोड़ी की सियासी मोर्चे पर दौसा में कमजोर होती सियासी पकड़ से जोड़कर देखा जाएगा। अब पार्टी और सरकार में भी किरोड़ी की हैसियत पर इस नतीजे का असर होगा। मनोवैज्ञानिक और मॉरल तौर पर उनकी आक्रामकता पर असर पड़ सकता है।

खींवसर में हनुमान बेनीवल की पत्नी आर.एल.पी. उम्मीदवार कनिका बेनीवाल की हार ने सांसद हनुमान बेनीवाल का सियासी नरेटिव बिगाड़ दिया है। खींवसर में उपचुनाव हारने के बाद हनुमान बेनीवाल की पार्टी विधानसभा में साफ हो गई है। विधानसभा में अब आर.एल.पी. की एक भी सीट नहीं है।

साल 2023 में आर.एल.पी. की एक ही सीट थी, जिस पर हनुमान बेनीवाल जीते थे। बेनीवाल के सांसद बनने के बाद खाली हुई सीट पर उनकी पत्नी ने चुनाव लड़ा था। बेनीवाल की पत्नी की हार के पीछे भी परिवारवाद बड़ा फैक्टर माना जा रहा है, भाजपा ने इस बार इसे बड़ा मुद्दा बनाया। बेनीवाल पहली बार भाजपा की टिकट पर खींवसर से विधायक बने थे। भाजपा छोड़ने के बाद, वे आर.एल.पी. से जीते। पहली बार सांसद बने तो भाई नारायण बेनीवाल को टिकट दिया और वे जीते। इस बार सासंद बने तो पत्नी को टिकट दिया।

पिछले उपचुनाव के समय से ही बेनीवाल के कोर वोट बैंक में सेंध लगनी शुरु हो गई थी, आर.एल.पी. के कई नेता और कार्यकर्ता पार्टी छोड़ गए। हर किसी का विरोध और एक जैसी आक्रामक राजनीति जनता को रास नहीं आई। बेनीवाल की हार का एक बड़ा कारण यह रहा कि भाजपा के वोटों का बंटवारा नहीं हुआ। अब तक दुर्ग सिंह खींवसर से चुनाव लड़ते थे और भाजपा के वोट बंट जाते थे, इस बार दुर्ग सिंह बीजेपी में शामिल हो गए, वे चुनाव नहीं लड़े, इसलिए वोटों का बंटवारा नहीं हुआ, जिसका सीधा फायदा भाजपा को मिला।

हनुमान बेनीवाल की पत्नी के उपचुनाव हारने के बाद अब नागौर जिले की सियासत भी प्रभावित होगी। बेनीवाल सियासी रूप से कमजोर हुए हैं। उनके ही कार्यकर्ता ने भाजपा में जाकर उनकी पत्नी को उपचुनाव हरवा दिया, बेनीवाल 2023 का चुनाव बहुत कम अंतर से जीते थे। बेनीवाल अब तक सासंद का चुनाव गठबंधन बदलकर ही जीतते रहे हैं, पिछली बार जब वे भाजपा के गठबंधन में सांसद बने थे, तब 2019 के उपचुनाव में उनके भाई नारायण बेनीवाल जीते थे, तब भाजपा उनके साथ थी। इस बार उपचुनाव में गठबंधन नहीं था।

उपचुनावों में पत्नी की हार के बाद यह साफ हो गया कि आक्रामक राजनीति से बेनीवाल ने जो वोट बैंक बनाया, वह दरकने लगा है। यूथ वोटर्स उनके साथ जुड़ा, लेकिन वे उसे बरकरार नहीं रख पाए।

### कैंसर विशेषज्ञों की चेतावनी

**- जाल खंबाता -**
**- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। पूर्व क्रिकेटर और मीडिया पर्सन नवजोत सिंह सिद्धू ने हाल ही में अपनी पत्नी के चौथे स्टेज के कैंसर से पूर्ण स्वस्थ होने तक की यात्रा सोशल मीडिया पर शेयर की और बताया कि इस स्टेज पर ज़िंदा बचने की संभावना मात्र तीन प्रतिशत है इसके बावजूद भी उन्होंने जीवन शैली में अनुशासित बदलाव, इलाज और पौष्टिक भोजन से इस बीमारी को हटा दिया।

टाटा मैमोरियल हॉस्पीटल के 262 से ज्यादा कैंसर विशेषज्ञों ने नवजोत सिंह सिद्धू के एक वीडियो में किए गए दावे का खंडन किया जिसमें कहा गया कि डेयरी प्रॉडक्ट्स का सेवन नहीं करके कैंसर कोशिकाओं को भूखा रखने और हल्दी व नीम का सेवन करने

- **बॉम्बे के टाटा मैमोरियल हॉस्पिटल के 262 कैंसर विशेषज्ञों ने पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू के, नीम व हल्दी से पत्नी के कैंसर मुक्त होने के दावे को खारिज किया और कहा कि इसका पालन करने की बजाए डॉक्टर की सलाह लें।**

से लाइलाज कैंसर को ठीक करने में मदद मिली।

हॉस्पीटल के कैंसर विशेषज्ञों ने कहा कि सिद्धू के बयान में कोई हाई क्वालिटी प्रमाण नहीं हैं जिससे इनके दावों को सही साबित किया जा सके। इनमें से कुछ पर रिसर्च चल रही है पर अभी कोई क्लीनिकल डेटा उपलब्ध नहीं है कि ये पदार्थ एंटी कैंसर एजेंट्स हैं। डॉक्टर्स ने कहा है जनता से आग्रह करते हैं कि इन गैर प्रमाणित उपायों को अपनाकर अपने इलाज में देरी ना करें। अगर कैंसर के कोई लक्षण मिले तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें, खासकर कैंसर विशेषज्ञ से, क्योंकि अगर जल्दी पता लग जाए तो कैंसर का इलाज हो सकता है।

कैंसर इलाज में सर्जरी, रेडिएशन थैरेपी और कीमो थैरेपी जांचे परखे इलाज हैं।

# बंगाल उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस का परचम लहराया

## इनमें से एक सीट तृणमूल ने भाजपा से छीनी है

कोलकाता, 23 नवंबर। पश्चिम बंगाल में सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस ने 13 नवंबर को हुए उपचुनाव में सभी छह सीटों पर जीत दर्ज की है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी ने राज्य के उत्तरी जिले सेतई से लेकर सुदूर दक्षिणी क्षेत्र (हरोआ) तक सभी छह विधानसभा सीटों पर सत्तारुढ़ पार्टी को शानदार जीत दिलाने के लिए लोगों को बधाई दी।

सेतई (कूचबिहार जिला) में तृणमूल कांग्रेस की संगीता रॉय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार पर 1.3 लाख से अधिक मतों से जीत दर्ज की। उत्तर 24 परगना के हरोआ में एसके रबीउल रहमान ने अपने निकटतम आईएसएफ प्रतिद्वंद्वी

- **तृणमूल कांग्रेस ने सभी 6 सीटें जीत कर जता दिया कि बंगाल में उसका कोई मुकाबला नहीं।**

को 1,31,388 से अधिक मतों से हराया।

तृणमूल कांग्रेस ने मदारीहाट सीट भाजपा से छीन ली, जहां सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार जय प्रकाश टोप्पो ने अपने निकटतम भाजपा प्रतिद्वंद्वी को 23,000 से अधिक मतों से हराया। नैहाटी (उत्तर 24 परगना) में तृणमूल कांग्रेस के सनत डे ने 49,000 से अधिक मतों से जीत हासिल की। मेदिनापुर में तृणमूल कांग्रेस के सुजय हाजरा ने अपने निकटतम भाजपा प्रतिद्वंद्वी को 20,00 से अधिक मतों से हराया। बांकुरा जिले के तलडांगरा से फल्गुनि सिंघा बाबू (तृणमूल कांग्रेस) ने अपने निकटतम भाजपा प्रतिद्वंदी को 33,000 से अधिक मतों से हराया।

बनर्जी ने जीत को माटी और मानुष को समर्पित करते हुए कहा, हम जमींदार नहीं हैं, हम लोगों के अगुआ हैं।

अभिषेक बनर्जी ने कहा, "पश्चिम बंगाल उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस के सभी 6 उम्मीदवारों को उनकी निर्णायक जीत के लिए बधाई, जिन्होंने जमींदारों द्वारा बनाये गये आख्यानों को झुठलाया है। इस बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने दावा किया कि वह 2026 के विधानसभा चुनाव जीतेंगे।

### कोटा में एक और ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

निजी अस्पताल ले गए जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शव को कब्जे में लेकर एम.बी.एस. अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है और परिजनों को भी इस संबंध में सूचना दे दी है। खबर लिखे जाने तक मृतक छात्र के परिजन कोटा नहीं पहुंचे थे।

जांच अधिकारी, जवाहर नगर थाने के ए.एस.आई. गोपाल लाल बैरवा ने बताया कि परिजनों के आने के बाद जैसी स्थिति बनेगी वैसा किया जाएगा। परिजन पोस्टमार्टम चाहते हैं या नहीं यह उनके आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

गोपाल लाल बैरवा का कहना है कि घटना रात में 11 से 12 बजे के बीच की है। छात्र मूल रूप से मध्यप्रदेश के अनूपपुर का रहने वाला बताया जा रहा है। परिजनों की लिखित तहरीर के बाद इस पूरे मामले की जांच की जाएगी। प्रथम दृष्टया यह घटनाक्रम आत्महत्या का ही लग रहा है।

लेकिन कोई सुसाईड नोट नहीं मिला है। छात्र ने कोटा में बीते साल अप्रेल में प्रवेश लिया था।

# 'लड़की बहिन' योजना महायुति के लिए गेम चेंजर साबित हुई महाराष्ट्र में

## महायुति के, महिलाओं को सहायता राशि बढ़ाने के आश्वासन को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली

मुंबई, 23 नवंबर। महाराष्ट्र में सत्तारुढ़ महायुति गठबंधन के लिए 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन' योजना विधानसभा चुनाव में गेम चेंजर साबित हुई है। इस गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शिवसेना (शिंदे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) (अजीत गुट) शामिल हैं।

राजनीतिक विशेषज्ञों ने शनिवार को कहा कि राज्य के कुल 9.70 करोड़ मतदाताओं में से 6.40 करोड़ मतदाताओं ने इस विधानसभा चुनाव में मताधिकार का प्रयोग किया और 6.40 करोड़ मतदाताओं में से 3.06 करोड़ महिलाएं और 3.34 करोड़ पुरुष थे।

महायुति का महिला-समर्थक अभियान सफल रहा और महिलाएं बड़ी

- **दूसरी ओर महाविकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) के महालक्ष्मी योजना में मासिक सहायता को बढ़ा कर 4 हजार रुपये करने के वादे ने मतदाताओं को आकर्षित नहीं किया।**

संख्या में मतदान करने आईं। महिला मतदाताओं ने मासिक सहायता राशि को बढ़ाकर 2,100 रुपये करने के महायुति के आश्वासन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रैलियों के दौरान घोषणा की कि सत्ता में आने के बाद महायुति सरकार चरणों में मासिक सहायता को बढ़ाकर 3,000 रुपये करेगी।

विशेषज्ञों ने कहा कि विपक्ष द्वारा इसे महिलाओं के लिए रिश्वत करार दिए जाने के बावजूद महायुति ने राज्य भर में समारोह आयोजित करके इस योजना को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए। दो करोड़ 36 लाख से अधिक पात्र महिला लाभार्थियों में से प्रत्येक को 7,500 रुपये (जुलाई से नवंबर तक पांच महीने के लिए 1,500 रुपये प्रत्येक) मिले और उन्होंने महायुति का भारी समर्थन किया।

### कांग्रेस कर्नाटक में तीनों ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

उन्हें दिये जाने वाला नगद लाभ।

ऐसा लगता है कि वक्फ सम्पत्तियों से सम्बन्धित विवाद जो भाजपा ने प्रचार से पहले और प्रचार के दौरान उठाये थे, के चलते चन्नापटना तथा शिग्गाँव में मुस्लिम वोट कांग्रेस के पक्ष में लामबन्द हो गये तथा भाजपा की आशा के विपरीत, इस विवाद ने भाजपा के पक्ष में काम नहीं किया। भाजपा और जे.डी. (एस.) के दिग्गजों का संयुक्त प्रचार चारों खाने चित्त हो गया, क्योंकि उप चुनाव के जनादेश ने बता दिया कि सिद्धारमैया के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों का प्रचार मतदाताओं के गले नहीं उतरा। सबसे ज्यादा शर्मनाक स्थिति जनतादल (सेकुलर) के पितामह देवेगौड़ा की हुई, जो अपने पौत्र निखिल को आगे नहीं बढ़ा सके। निखिल के लिये पिछले छः सालों में यह तीसरा दुर्भाग्यपूर्ण क्षण रहा है। वे फिल्म अभिनेता योगेश्वर से हार गये। यह सीट कुमारास्वामी के पास थी तथा जब वे मांड्या सीट से लोकसभा के लिये चुन लिये गये थे तो उन्होंने इसे खाली कर दिया था।

इस जीत के विषय में और भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह तथ्य है कि इससे वोक्कालिग्गा क्षेत्र में के.पी.सी.सी. प्रमुख तथा उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की पकड़ और मजबूत हुई है। प्रसंगवश बता दे कि शिवकुमार के भाई डी.के. सुरेश लोकसभा चुनावों में बैंगालुरी सीट हार गये थे, तथा इस जीत के जरिये, कांग्रेस नेता ने कुमारास्वामी से हिसाब किताब बराबर कर लिया है।

सन्दूर विधान सभा क्षेत्र से अन्नपूर्णा, जो बल्लारी से पार्टी सांसद ई. तुकाराम की पत्नी हैं, ने भाजपा उम्मीदवार बंगारू हनुमन्तू को 9000 से अधिक वोटों से हरा दिया है। इस जीत का महत्व इसलिये है कि यह जीत खनन क्षेत्र के बेताज बादशाह तथा भाजपा के दिग्गज नेता जर्नादन रेड्डी की मौजूदगी के बावजूद हुई है, जिन्होंने इस सीट का प्रभार स्वयं लिया था।

### हाईकोर्ट ने कालवाड़ ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

कहा है कि यदि जे.डी.ए. की ओर से इस संबंध में जानकारी नहीं दी जाती है तो जे.डी.सी. 2 दिसंबर को अदालत में व्यक्तिशः हाजिर होकर इस संबंध में अपना स्पष्टीकरण पेश करें। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश लियाकत अली खान की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता असलम खान ने अदालत को बताया कि कालवाड रोड स्थित गोल्डन बेकरी से एक्सप्रेस-वे तक रोड की चौडाई दो सौ फीट है। यहां कई जगहों पर प्रभावशाली लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है। इसे लेकर जे.डी.ए. को कई बार शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाए गए। जिसके चलते यहां आए दिन ट्रैफिक जाम के हालात बन जाते हैं। वहीं जे.डी.ए. की ओर से अधिवक्ता युवराज सामंत ने कहा कि अतिक्रमण हटाने को लेकर संबंधित अतिक्रमियों को कई बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनकर अदालत ने रोड की वास्तविक स्थिति और यहां से अतिक्रमण हटाने को लेकर जे.डी.ए. को एक्शन प्लान पेश करने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने जे.डी.सी. को तलब किया है।

# पंजाब उपचुनाव : आप ने 4 में से 3 सीटें जीतीं

नयी दिल्ली, 23 नवंबर। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि 2013, 2015, 2020 के बाद आम आदमी पार्टी अब 2025 में दिल्ली जीतकर इतिहास रचने जा रही है।

केजरीवाल ने कहा कि आज पंजाब में चार सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे आए हैं। चार में से तीन सीटों पर आप भारी बहुमत से जीत गई है। खास बात यह है कि जो तीन सीटें हम जीते हैं, इसके पहले ये हमारी सीटें नहीं थीं। यह तीनों हम पहली बार जीते हैं। वर्ष 2022 में भी यह तीनों सीट हम नहीं जीते थे। वर्ष 2022 में जनता ने आम आदमी पार्टी को 117 में से 92 सीटें दी थीं। आज पंजाब में हमारी 95 सीटें हो गई हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इन

- **केजरीवाल ने कहा 2022 में आप की आंधी में भी ये सीटें वो नहीं जीते थे।**

तीनों सीटों के ऊपर भारतीय जनता पार्टी की जमानत जब्त हो गई है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि चार सीटों पर उपचुनाव हुए और इन चार में से तीन विधानसभा सीटों पर हमें जबरदस्त जीत मिली है। यह तीनों सीटें आम आदमी पार्टी ने पहली बार जीती हैं। हम जनता के पैसे से जनता को सुविधाएं दे रहे हैं, तो ये लोग इसे मुफ्त की रेवड़ियां कह रहे हैं। हम जीतकर आए हैं और आगे भी जीतेंगे। अब अगली बारी दिल्ली की है।

### यूडी टैक्स ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

कि भरतपुर नगर निगम ने गत 11 सितंबर को याचिकाकर्ता की संपत्ति को यू.डी. टैक्स जमा नहीं कराने के आधार पर सील कर दिया। इसके चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता फर्म का प्रोपराइटर हरेन्द्र सैनी है। ऐसे में यू.डी. टैक्स का नोटिस भी उसके नाम से जारी होना चाहिए था। इसके बावजूद नगर निगम ने उसके रिश्तेदार राम गोपाल सैनी के नाम से नोटिस दिया था। याचिका में बताया गया कि नगर पालिका अधिनियम के तहत टैक्स वसूली की विस्तृत प्रक्रिया है, जिसमें संबंधित पक्ष को नोटिस देना भी शामिल है। इसके बावजूद याचिकाकर्ता की संपत्ति को उसे बिना वैध नोटिस दिए सील कर दिया गया। याचिका में यह भी कहा गया कि नगर पालिका अधिनियम की धारा 104 के तहत तीन सौ वर्ग गज तक की संपत्ति यूडी टैक्स से मुक्त रहेगी। याचिकाकर्ता की संपत्ति मात्र सौ वर्ग गज से भी कम होने के बावजूद उसका टैक्स बकाया बताकर संपत्ति को सील करने की कार्रवाई की गई। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संपत्ति की सील को तत्काल हटाने के आदेश दिए हैं।

### 'महाराष्ट्र में ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

मिल गई है उसे पूर्ण बहुमत यानि 189 सीटें मिल गई है। पार्टी ने राजनैतिक रूप से महत्वपूर्ण इस राज्य पर अपना दबदबा बनाए रखा है। भाजपा ने 149 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 130 सीटें जीत ली हैं।

महाराष्ट्र में महायुति की जीत से स्पष्ट है कि नरेन्द्र मोदी का जादू बरकरार है उन्होंने एम.वी.ए. को बुरी तरह हरा दिया, जो 5 महीने पहले तक आगे चल रहा था।

### भाजपा ने 7 में से 5 सीटें ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

टोली का हौसला बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने प्रचार अभियान की सामग्री को स्वयं अपनी देखरेख में तैयार कराया, प्रचार अभियान के तहत, इन सातों क्षेत्रों में चुनावी सभाएँ आयोजित कीं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लगातार बूथ के कार्यकर्ता, मंडल के कार्यकर्ता, शक्ति केन्द्र के कार्यकर्ता, विभिन्न व्यवस्था में लगी टीमों, चुनावी प्रचार अभियान में लगे कार्यकर्ता, विधानसभा चुनाव संचालन समितियों एवं क्षेत्र में लगे प्रदेश के पदाधिकारियों से लगातार फ़ोन पर संपर्क में रहे। मुख्यमंत्री का विरोधियों पर लगातार प्रहार, आक्रामक भाषण एवं विपक्षी दलों को चुनौती, उनके शानदार चुनाव प्रचार का हिस्सा रहीं। कांग्रेस की गुटबाज़ी, पसंदीदा उम्मीदवार के लिए ही उनके नेताओं का प्रचार, बड़े नेताओं का चुनाव प्रचार में नहीं जाना आदि, उसकी हार का कारण बने। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उपचुनाव के दौरान 4 बागियों को मनाया, 14 चुनावी सभाएँ, 44 सामाजिक बैठकें, सैकड़ों मुलाक़ातें और हज़ारों फ़ोन किए, परिणामस्वरुप भाजपा ने उपचुनाव की 7 में से 5 सीटों पर जीत दर्ज की। हालांकि, भाजपा के पास पहले केवल एक सलूम्बर विधानसभा थी, लेकिन अब सलूम्बर के साथ, देवली-उनियारा, रामगढ़, झुंझुनू, खींवसर पर भी जीत के साथ ये भाजपा के खाते में आई गई हैं।

# महाराष्ट्र की करारी हार : प्रश्न चिन्ह लगा ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

पार्टनर 236 सीटें जीत चुके हैं, जबकि महा विकास अघाड़ी 48 सीटों पर आगे है। यह संख्या कम होती जा रही है।

इस बुरी खबर के बाद, कांग्रेस के लिये यह अच्छी खबर भी है कि झारखंड में, कांग्रेस-जे.एम.एम. बहुमत हासिल कर चुकी हैं तथा सत्ता में लौटने की स्थिति में हैं।

झारखंड की 81 सीटों में से इंडिया गठबंधन 56 सीटों पर तथा भाजपा 24 सीटों पर आगे है। तमाम कोशिशों और घुसपैठियों का मुद्दा जोर-शोर से उठाने के बावजूद, भी भाजपा हेमन्त सोरेन को सत्ता से नहीं हटा सकी तथा वे पुनः मुख्यमंत्री के रुप में अपनी वापसी के लिये उद्यत हैं।

हो सकता है कि सोरेन को जेल में

- **यहां तक कि रॉबर्ट वाड्रा ने कुछ ऐसा ही कहा, "यह समय नहीं है, ई.वी.एम." की बात करने का।**

डाल देने के मोदी सरकार के निर्णय ने जनता के मन में मुख्यमंत्री के लिये सहानुभूति पैदा कर दी हो।

जयराम रमेश को महाराष्ट्र में कांग्रेस की हार का स्पष्टीकरण देने में मुश्किल आई। उन्होंने एक बार फिर ई.वी.एम. पर दोषारोपण किया। लेकिन इस दोषारोपण से एक बार फिर वही प्रश्न पैदा होता है कि पार्टी इस बिन्दु को हारने के बाद ही क्यों उठाती है, सामान्य स्थिति में क्यों नहीं उठाती।

महाराष्ट्र की जबरदस्त हार ने भाजपा के व्यवहार्य विकल्प के रूप में कांग्रेस पर एक प्रश्न चिन्ह लगा दिया है।

ममता बनर्जी, जो भाजपा को हराकर, सभी छः उपचुनाव जीत गई हैं, ने कहा है कि उन्होंने भाजपा को सत्ता से दूर रखा है, जो कांग्रेस नहीं कर सकी है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है कि विपक्षी इंडिया गठबंधन का नेतृत्व उनके हाथों में दे दिया जाये।

आर. जे. डी. के मनोज झा ने कहा है कि उनकी पार्टी इस परिणाम के लिए ई. वी. एम. को दोष नहीं देगी।

रॉबर्ट वाड्रा ने भी कहा है कि यह समय ई. वी. एम. के बारे में बात करने का नहीं है।

कांग्रेस के मित्र दलों की ओर से भी कांग्रेस के प्रति विरोध पैदा हो रहा है। दरअसल, कांग्रेस प्रत्येक हार के बाद, कमज़ोर हो जाती है। अप्रत्याशित स्तर की हार के बाद की तो बात ही अलग है।

### "समाजवाद" और "धर्म...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

उपाध्याय भी शामिल हैं। इन याचिकाओं में संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद और धर्म निरपेक्षता शब्द जोड़े जाने का विरोध किया गया है।

चीफ जस्टिस संजय खन्ना ने स्पष्ट किया कि भारतीय संदर्भ में "समाजवाद" का अर्थ है "वैलफेयर स्टेट" (कल्याणकारी राज्य), वह नही जिसकी अवधारणा कार्ल मार्क्स ने दी थी और जिसे पश्चिमी देशों ने सम्पत्तियों पर सरकार के नियंत्रण के रूप में अपनाया था। उन्होंने कहा भारत में ऐसा कोई नियंत्रण नहीं है और निजी क्षेत्र ने भारी विकास किया है। भारत में समाजवाद का अर्थ है लोक कल्याण और सभी को समान अवसर देना। जहां तक धर्मनिरपेक्षता का सवाल है यह 1994 के एस.आर. बोम्मई केस में संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा था।

डॉ. स्वामी ने कहा कि ये संशोधन न केवल आपातकाल में लाए गए। बल्कि बाद में आई मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली जनता पार्टी सरकार ने भी दो तिहाई बहुमत से इन संशोधनों का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि यह शब्द मूल प्रस्तावना, जिसमें भारत को सम्प्रभु, लोकतांत्रिक, गणतंत्र घोषित किया गया था, में शामिल करने की बजाय एक अलग अनुच्छेद में लिखे जाने चाहिए थे।

**सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-**राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालयः** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालयः** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालयः** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908